डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति रविवार को प्रकाशित, भोपाल, 01.10.2023 से 22.10.2023 • वर्ष-40 • अंक-42 • मूल्य रु. 10.00

संक्षिप्त खबर

सुदर्शन कोर में मिलेट कार्यशाला संपन्न

भोपाल, वर्ष-2023 अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में भोपाल मिलिट्री स्टेशन चक्र कोर द्वारा सैन्य परिवारों के लिए एक मिलेट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भोपाल के 'फिलफोर रेस्टोरेंट' की मुख्य शेफ श्रीमती आसिफ रशीद और उनकी टीम द्वारा मिलेट के कई व्यंजन बनाए गए और व्यंजनों को बनाना सिखाया गया। कार्यक्रम में सभी ने लुत्फ उठाया और मिलेट को अपनी दैनिक जीवन शैली में शामिल करने का प्रण लिया।

मतदान दलों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण शुरू

भोपाल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल श्री आशीष सिंह ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतदान आदि निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराये जाने के लिए मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण 12 अक्टूबर से शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण 13, 16 एवं 17 अक्टूबर को प्रात: 9 बजे से एक बजे तक एवं दोपहर 1.30 बजे से 5.30 तक दो सत्रों में 7 प्रशिक्षण केन्द्रों पर होगा। प्रशिक्षण बी.एस.एस. कॉलेज हबीबगंज नाका भोपाल, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल, मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल, टी.टी. नगर-भोपाल, समन्वय भवन (अपेक्स बैंक) टी.टी. नगर भोपाल, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, भोपाल, शहीद भवन एमएलए रेस्ट हाउस के पास भोपाल, कुक्कुट पालन भवन, वैशाली नगर में तैयार केन्द्रों पर होगा।

चुनाव प्रचार संबंधी विभिन्न आदेश जारी

भोपाल, विधानसभा आम चुनाव 2023 के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के पालन में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किये गये हैं। जिला भोपाल अंतर्गत आम सभा, रैली, जुलूस के पूर्व संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। ध्वनि विस्तारक यंत्र, लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति लेना अनिवार्य होगा इसके लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा अनुमति चुनाव आयोग की निर्वाचन प्रक्रिया के तहत दी जाएगी। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध धारा 188 के तहत कार्यवाही होगी।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विधानसभा चुनाव 2023 — चुनाव आयोग के अनुसार 5 राज्यों में कुल 16 करोड़ से अधिक लोग करेंगे अपने मत का उपयोग

मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को संपन्न होगा मतदान 3 दिसंबर को मतगणना के बाद आयेंगे नतीजे

भोपाल, मध्यप्रदेश में निर्वाचन की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार 17 नवम्बर को मध्यप्रदेश में मतदान होगा और मतगणना 3 दिसम्बर को होगी। यह जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने दी। श्री राजन ने बताया कि निर्वाचन की अधिसूचना 21 अक्टूबर को जारी होगी और 30 अक्टूबर तक नामांकन पत्र जमा किए जा सकेंगे। आवेदनों की संवीक्षा 31 अक्टूबर को होगी और 2 नवम्बर को नाम वापसी के साथ ही प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी होगी।

5.60 करोड़ से अधिक मतदाता

श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 मतदाता फोटो निर्वाचक नामावली में नामांकित हैं। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 है। थर्ड जेंडर मतदाता एक हजार 373 है। प्रदेश में 64 हजार 523 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा। शहरी क्षेत्र में 16 हजार 763 और ग्रामीण क्षेत्र में 47 हजार 760 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक

मतदान केंद्र पर शौचालय, रैंप, व्हील चेयर, पानी, हेल्पडेस्क, बिजली आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वरिष्ठ नागरिक एवं (पीडब्ल्यूडी) दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र भूतल पर बनाए गए हैं। इन्हें घर से भी मतदान करने की सुविधा (पोस्टल बेलेट) दी गई है। ऐसे मतदाताओं को फॉर्म 12 डी भरकर देना होगा।

लिस्ट में जुड़वा सकेंगे नाम

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन होने के बाद भी पात्र नागरिक नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख के 10 दिन पहले तक नागरिकों से मतदाता सूची से नाम जोड़ने के लिए आवेदन लिए जा सकेंगे। निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर पात्र नागरिक अपना नाम वोटर लिस्ट में मतदाता के रूप में जुड़वा सकेंगे।

- प्रदेश में 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 मतदाता।
- पुरुष मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार से अधिक।
- महिला मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार से अधिक।
- शहरी क्षेत्र में 16 हजार 763 मतदान केन्द्र बनाए गए।
- ग्रामीण क्षेत्र में 47 हजार 760 मतदान केंद्र बनाए गए।

कुल 679 विधानसभा सीटों पर होंगे चुनाव

चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार पांच राज्यों में कुल 679 विधानसभा सीटों के लिये मतदान होना है। मिजोरम में विधानसभा चुनाव 7 नवंबर को होगा। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 7 नवंबर और 17 नवंबर को दो चरणों में होगा। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 17 नवंबर को होगा। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 25 नवंबर को होगा। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 30 नवंबर को होगा। सभी राज्यों में मतगणना 3 दिसंबर को होगी। मिजोरम में 8.52 लाख, छत्तीसगढ़ में 2.03 करोड़, राजस्थान में 5.2 करोड़ और तेलंगाना में 3.17 करोड़ मतदाता हैं। कुल 8.2 करोड़ पुरुष और 7.8 करोड़ महिला मतदाता हैं।

मोबाइल एप से कर सकेंगे शिकायत

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जीपीएस आधारित cVigil एप में 2 मिनट का वीडियो और फोटो डाउनलोड किए जा सकेंगे। कोई भी नागरिक आयोग को एप के माध्यम से शिकायत प्रेषित कर सकेंगे। जिसके माध्यम से नागरिक लाइव फोटो, वीडियो एवं ऑडियो शिकायत के रूप में उपलब्ध कराते हैं तो 100 मिनट में कार्यवाही की जाएगी। निर्वाचन के दौरान प्रेक्षकगण संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया पर निगाह रखेंगे, जिनमें सामान्य प्रेक्षक, पुलिस और व्यय प्रेक्षक निरंतर निर्वाचन प्रक्रिया को देखेंगे।

मीडिया मॉनीटरिंग प्रकोष्ठ में तीन पारियों में अधिकारी

मध्यप्रदेश में राज्य स्तरीय मीडिया मॉनीटरिंग प्रकोष्ठ 24 घंटे संचालित

भोपाल, मध्यप्रदेश में 9 अक्टूबर से विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। विधानसभा निर्वाचन के दौरान पेड न्यूज संबंधी मामलों, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रिंट मीडिया में प्रकाशित एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल में प्रसारित खबरों की 24 घंटे सतत् मॉनीटरिंग, रिकॉर्डिंग की जा रही है।

राज्य स्तरीय मीडिया मॉनीटरिंग प्रकोष्ठ, राज्य नोडल अधिकारी, आयुक्त जनसम्पर्क श्री मनीष सिंह के मार्गदर्शन में कार्य कर रहा है। न्यूज मॉनीटरिंग एवं पेड न्यूज के मामलों सहित अन्य सभी कार्यों के लिये अपर संचालक डॉ. एच.एल. चौधरी को मुख्य नोडल अधिकारी बनाया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, निर्वाचन सदन, अरेरा हिल्स, भोपाल में राज्य स्तरीय मीडिया मॉनीटरिंग प्रकोष्ठ (स्टेट लेवल एमसीएमसी सेल) कार्य कर रहा है। इस प्रकोष्ठ में जनसम्पर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम तीन पारियों में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की खबरों की सतत् निगरानी कर रही है। यह कार्य प्रतिदिन तीन पारियों में सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक और रात्रि 10 से अगले दिन सुबह 6 बजे तक निर्बाध रूप से निरन्तर किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय मीडिया मॉनीटरिंग प्रकोष्ठ में तीनों पारियों में ड्यूटी में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी के साथ एक-एक नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में कार्य कर रहे हैं। इनकी सहायता के लिए सहायक नोडल अधिकारी भी बनाये गये हैं। समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों एवं मीडिया रिपोर्ट्स की कतरनों के संधारण का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी का गठन

भोपाल, विभागों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग को भेजे जाने वाले प्रस्तावों के परीक्षण और अनुशंसा के लिये राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया है। विभागों द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को प्रस्ताव भेजे जाते हैं। समिति में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन तथा संबंधित विभाग जिनका प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया उनके अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव सदस्य होंगे। अब कोई भी विभाग आचार संहिता के दौरान अपना प्रस्ताव स्क्रीनिंग कमेटी के परीक्षण, अनुशंसा के पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से अथवा सीधे भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित नहीं करेगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ बैठक

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने निर्वाचन सदन, भोपाल में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ बैठक की और प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में लागू हुई आदर्श आचरण संहिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्री राजन ने बताया कि मतदाता पर्ची का वितरण नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर के पश्चात एवं 13 नवंबर के पूर्व पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रदेश में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 64 हजार 523 है। निर्वाचन में प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अधिकतम 4 फॉर्म भरे जा सकेंगे। उम्मीदवार द्वारा नामांकन भरते समय फीस 10 हजार रुपये निर्धारित है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी के लिए फीस 5 हजार रुपये होगी। उम्मीदवार द्वारा शपथ पत्र दिया जाएगा।

24 घंटे में होंगे प्रदर्शित - श्री राजन ने बताया कि प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन के साथ निर्धारित प्रपत्र में शपथ पत्र भरकर उपलब्ध कराना होगा। अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट www.ceomadhyapradesh.nic.in पर 24 घंटे के अंदर प्रदर्शित किए जाएंगे। उम्मीदवार को आपराधिक प्रकरणों की जानकारी देनी होगी, जिससे मतदाताओं के पास ऐसे उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि के बारे में जानने के लिए पर्याप्त समय हो। साथ ही राजनीतिक दलों को समाचार पत्र एवं टीवी चैनल में आपराधिक प्रकरण वाले उम्मीदवार के चयन का आधार बताते हुए 3 विभिन्न तिथियों में उद्घोषणा प्रकाशित करानी होगी। प्रत्याशी के चयन के 48 घंटे के भीतर समाचार पत्र, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं पार्टी की वेबसाइट में फॉर्म सी-7 में प्रकाशित करना होगा।

आचार संहिता प्रभावशील - भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। अभ्यर्थियों, राजनीतिक दलों एवं राज्य तथा केन्द्र की सरकार पर आदर्श आचरण संहिता के प्रावधान आयोग के निर्देशों के अनुरूप लागू हैं। जिलों में कंट्रोल रूम एवं शिकायत सेल क्रियाशील हो गए हैं। अनधिकृत संपत्ति विरूपण के लिए आयोग द्वारा निर्वाचन की घोषणा से 24 घंटे में शासकीय संपत्तियों से, 48 घंटे में सार्वजनिक संपत्तियों से और 72 घंटे में निजी संपत्तियों से हटाने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि सभी जिलों व विधानसभा क्षेत्रों में संपत्ति विरूपण की कार्रवाई जारी है। आदर्श आचरण संहिता की अवधि के दौरान मंत्रियों, राजनेताओं या राजनीतिक दलों के फोटोग्राफ्स, उनके संदर्भों एवं प्रसंगों को राज्य सरकार की आधिकारिक वेबसाइटों से हटाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

7 अक्टूबर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नोटिस

● सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब, टेलीग्राम और X को सरकार ने नोटिस

जारी कर बाल यौन उत्पीड़न से जुड़े सभी तरह के कंटेंट को हटाने का आदेश दिया है। ऐसा नहीं करने पर धारा 79 से मिलने वाली छूट वापस ले ली जाएगी। यह धारा इन प्लेटफॉर्म को यूजर्स की ओर से अपलोड किए गए किसी भी कंटेंट के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होने से बचाता है। अगर सरकार इसे वापस ले लेती है, तो किसी भी कंटेंट के लिए कंपनियां सीधे तौर पर जिम्मेदार मानी जाएंगी। सरकार ने कंपनियों से प्लेटफार्म कंटेंट एल्गोरिद्म और रिपोर्ट करने के मैकेनिज्म को अपनाने को भी कहा है, ताकि आने वाले समय में ऐसे कंटेंट को रोका जा सके।

● बांग्लादेश में आतंकवाद निरोधी पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अंसार-अल-इस्लाम के पांच सदस्यों को ढाका के जात्राबाडी इलाके से गिरफ्तार किया। ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस की आतंकवाद और अंतर्राष्ट्रीय अपराध इकाई-सीटीटीसी ने काजला क्षेत्र में छापा मारकर पांचों आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आतंकवादियों से पुलिस ने दो विदेशी पिस्तौल और पन्द्रह राउंड गोलियां बरामद की। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आतंकवादियों ने यह स्वीकार किया कि उनका संबंध प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अंसार-अल-इस्लाम से है। पुलिस के अनुसार ये आतंकवादी ढाका के विभिन्न क्षेत्रों में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए जात्राबाडी में इकट्ठे हुए थे। ये आतंकवादी मोबाइल एप्स के माध्यम से अपनी गतिविधियां चलाते थे।

8 अक्टूबर

अमेरिकी राष्ट्रपति ने 26 संघीय कानूनों को किया निरस्त

● अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल

करते हुए दक्षिण टेक्सास में 26 संघीय कानूनों को निरस्त कर दिया है। इस कदम का लक्ष्य मैक्सिको की सीमा पर दीवार का निर्माण करना है। अमेरिका के गृह मंत्री अलेजेंड्रो मायोरकस ने कहा कि अमेरिका में लोगों को अवैध प्रवेश से रोकने के लिए इस दीवार का तत्काल निर्माण जरूरी है। हालांकि, पर्यावरणविदों ने चिंता जताई है कि इस निर्माण से अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों में पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान होगा और वन्य जीवों की गतिविधियां प्रभावित होंगी।

● पश्चिमी अफगानिस्तान में ईरान से लगी सीमा के पास आए भूकंप में मृतकों की संख्या 2000 हो गई है। मृतकों की संख्या बढ़ने का अनुमान है, क्योंकि कुछ लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार लगभग 11 बजे आया। इसका केंद्र हेरात शहर से लगभग 40 किलोमीटर दूर था और इसकी तीव्रता 6.3 मापी गई। संयुक्त राष्ट्र मानवीय कार्य समन्वय कार्यालय के अनुसार, भूकंप से कम से कम 465 भवन नष्ट हो गए हैं जबकि 135 भवन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। हेरात में टेलीफोन सेवा बाधित हो जाने से प्रभावित लोगों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। तालिबान ने स्थानीय लोगों से घायलों को अस्पताल पहुंचाने और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपील की है।

9 अक्टूबर

घर बैठे बैंकिंग सुविधा प्राप्त करने के लिए एसबीआई की नई पहल

● भारतीय स्टेट बैंक ने मोबाइल हस्तचालित उपकरण की शुरुआत की।

इससे बैंक के ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस उपकरण से ग्राहकों को घर बैठे नकदी की निकासी, नकदी जमा करने, धनराशि के हस्तांतरण, बकाया राशि की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। इस उपकरण से वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों को विशेष लाभ होगा। एसबीआई के अनुसार इस पहल का उद्देश्य वित्तीय समावेश को सशक्त करना और आम लोगों तक जरूरी बैंक सेवाएं पहुंचाना है। यह पहल बैंक सेवाओं का लाभ उठाने में पहुंच और सुविधा बढ़ाने का हिस्सा है। यह कदम 'कियोस्क बैंकिंग' को सीधे ग्राहकों के दरवाजे तक लाता है।

● निजी एफएम रेडियो के लिए केंद्रीय संचार ब्यूरो-सीबीसी की विज्ञापन दरों को सात वर्षों के बाद संशोधित किया गया है। आधार रेट में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। श्रोताओं की संख्या के आधार पर स्टेशनों के लिए शहरों की दरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। अनुमोदित नई दरों में दिसंबर 2015 से मार्च 2023 की अवधि के लिए बढ़ती लागत को ध्यान में रखते हुए आधार दर में 43 प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। एफएम रेडियो विज्ञापन के लिए सकल आधार दर 52 से बढ़कर 74 रुपये प्रति दस सेकेंड हो जाएगा। इससे वर्तमान में कार्यरत 400 से अधिक सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को भी लाभ होगा। निजी एफएम रेडियो स्टेशनों के लिए दर संरचना समिति की स्थापना पिछले वर्ष नई दरों का मूल्यांकन और सिफारिश करने के लिए की गई थी। इन दरों को अंतिम बार 2015 में संशोधित किया गया था।

10 अक्टूबर

यूरो जोन में सबसे निचले स्तर पर पहुंची मुद्रास्फीति

● यूरो जोन में मुद्रास्फीति सितंबर में दो साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई है,

जिससे पता चलता है कि यूरोपीय सेंट्रल बैंक का ब्याज दरों में बढ़ोतरी का कदम बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने में सफल हो रहा है। यूरोस्टेट की फ्लैश रीडिंग के अनुसार, भोजन, ऊर्जा, शराब और तंबाकू को छोड़कर मुद्रास्फीति 5.3 प्रतिशत से गिरकर 4.5 प्रतिशत हो गई, यह अगस्त 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट है।

● गुजरात में एक अक्टूबर तक 7600 से अधिक ग्रामीण डाकघरों को 5जी-रेडी नेटवर्क पर नए डिजिटल बैंकिंग प्लेटफॉर्म के अंतर्गत लाया गया है। गुजरात क्षेत्र के मुख्य डाकपाल जनरल श्री नीरज कुमार के अनुसार राज्य में लगभग 12 हजार छोटे व्यापारियों को डिजिटल भुगतान में सक्षम बनाने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक यूपीआई प्रणाली से जोड़ा गया है। श्री कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय डाक सप्ताह के अवसर पर अहमदाबाद, राजकोट और वडोदरा हवाई अड्डों पर यात्रियों के लिए अतिरिक्त सामान पार्सल सेवा और राज्य के चार प्रमुख नगरों में 24 घंटे के लिए पार्सल बुकिंग काउंटरों की शुरुआत की गई है।

11 अक्टूबर

ढाका में हुआ पारम्परिक कठपुतली और राजस्थानी नृत्य का आयोजन

● भारत की समृद्ध परम्परा को प्रदर्शित करने वाले पारम्परिक कठपुतली, और

राजस्थानी नृत्य का बांग्लादेश की राजधानी ढाका के छायानट ऑडिटोरियम में आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त ने इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केन्द्र के सहयोग से आयोजित किया। भारत के सिकन्दर लंगा और उनके समूह ने पारम्परिक कठपुतली के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित किया। समूह ने कठपुतली, कालबेलिया लोक संगीत और नृत्य का भी प्रदर्शन किया। कठपुतली एक धागे से चलाये जाने वाला कठपुतलियों का अभिनय है। जो मूलत: राजस्थान का है और भारतीय कठपुतली का एक प्रचलित रूप है। कालबेलिया नृत्य की चाल सांप जैसे होती है। राजस्थान की इस नृत्य शैली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया है।

● अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और इटली के नेताओं ने संयुक्त बयान जारी कर इजराइल पर आतंकी समूह हमास के अचानक हमलों की निंदा की है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, जर्मनी के चांसलर ओलफ शोल्ज़, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषी सुनक ने संयुक्त बयान में कहा कि हमास की आतंकी कार्रवाई का कोई न्यायिक औचित्य नहीं है। बयान में कहा गया है कि विश्व ने देखा है कि हमास के आतंकियों ने लोगों को उनके घरों में घुसकर मारा। गीत-संगीत के कार्यक्रम के दौरान हुए हमले में सैकड़ों युवा मारे गये। आतंकियों ने बुजुर्ग महिलाओं, बच्चों और परिवारों का अपहरण कर लिया। बयान में कहा गया है कि ये देश इस तरह की आतंकी कार्रवाई से देश और अपनी जनता की रक्षा के किसी भी प्रयास में इजरायल का समर्थन करेंगे। इन नेताओं ने कहा कि वे फिलिस्तीन की वैध आकांक्षाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन हमास इन आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता, क्योंकि उसे आतंक और खून-खराबे के अलावा फिलिस्तीनी जनता से कुछ भी लेना-देना नहीं है।

12 अक्टूबर

भारत के पास किसी भी प्रकार के खतरे से निपटने के लिए उपयुक्त इंटेलिजेंस

● नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर. हरि कुमार ने कहा है कि हमारे पास किसी भी प्रकार

के बर्बर खतरे से निपटने के लिए रक्षा की पहली पंक्ति समयोचित और उपयुक्त इंटेलिजेंस है। यह बातें उन्होंने विशेष बलों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड स्थापना दिवस आतंकवाद रोधी संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। एडमिरल हरि कुमार ने चार आई-इंटेलिजेंस, इनोवेशन, इंटिग्रेशन और इंटर-एजेंसी समन्वय पर बल दिया। नौसेनाध्यक्ष ने कहा कि भारतीय नौसेना के लिए जी-सैट-7 इसी तरह का एक उदाहरण है जो सुरक्षित नेटवर्कों के जरिए सटीक समय में तस्वीरों को भेजने में सक्षम है। उन्होंने सूचनाओं के निर्बाध आदान-प्रदान करने के लिए निकटता से काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। नौसेनाध्यक्ष ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। देशों का भविष्य अब इन चुनौतियों से सहयोगात्मक प्रयासों से निपटने पर केंद्रित है।

● सरकार ने लिथियम, नाइओबियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्व के लिए रॉयल्टी की दर स्वीकृत कर दी है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने और 2070 तक कार्बन मुक्त उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता के मद्देनजर इन खनिजों का महत्व बढ़ा है। लिथियम के लिए रॉयल्टी दर लंदन धातु विनिमय मूल्य के तीन प्रतिशत और नाइओबियम के लिए दर औसत बिक्री मूल्य के तीन प्रतिशत होगी। दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के लिए रॉयल्टी दर रेयर अर्थ ऑक्साइड के औसत बिक्री मूल्य के एक प्रतिशत होगी। इस वर्ष जुलाई में खान और खनिज विकास तथा विनियमन संशोधन अधिनियम 2023 पारित किया गया था। इसमें गहराई में दबे तथा महत्वपूर्ण खनिजों के लिए अन्वेषण लाइसेंस शुरू करने का प्रावधान था। इस अधिनियम के अन्तर्गत लिथियम और नाइओबियम सहित छह खनिजों को परमाणु खनिजों की सूची से हटा दिया गया।

13 अक्टूबर

टीकों के उत्पादन में बांग्लादेश की सहायता करेगा एडीबी

● एशियाई विकास बैंक (एडीबी) कई बीमारियों के टीकों के उत्पादन के लिए

बांग्लादेश को 3 सौ 38 मिलियन डॉलर की सहायता प्रदान करेगा। बैंक के कंट्री डायरेक्टर एडिमन गिंटिंग ने ढाका में एक बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने कोविड और डेंगू जैसी कई बीमारियों के लिए स्थानीय स्तर पर टीके के उत्पादन की परियोजना शुरू की है।

● राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) द्वारा आयोजित 16वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस (एएससी) कोच्चि में संपन्न हो गई। समापन समारोह को कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की कृषि का भविष्य उज्ज्वल है और बड़ी संख्या में युवा उत्साह के साथ इस क्षेत्र में आ रहे हैं। इस दौरान 10 विषयगत क्षेत्रों पर चर्चा की गई। इन विषयों में कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के संबंधित सभी मुद्दे तथा भूमि और पानी, कृषि उत्पादन प्रणाली, उत्पाद, कृषि मशीनरी, जलवायु कार्रवाई, अर्थशास्त्र, नवीकरणीय या वैकल्पिक ऊर्जा, सटीक खेती, वैकल्पिक कृषि, तटीय कृषि, अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी प्रणाली में स्थिरता के मुद्दे शामिल हैं। कांग्रेस में 114 पेपर प्रस्तुत किये गये। 16वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस में व्यापक एजेंडे के साथ कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों के छह व्याख्यान हुए। कांग्रेस ने विभिन्न विषयों पर तीन पैनल चर्चाओं और चार संगोष्ठियों की भी मेजबानी की। कांग्रेस में भारत और विदेश के 1500 से अधिक प्रतिनिधि एकत्रित हुए। कार्यक्रम के साथ-साथ आयोजित कृषि एक्सपो में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि-उद्योगों, विस्तार एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों की नवीन कृषि प्रौद्योगिकियां प्रदर्शित की गईं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 40, अंक 42 16.10.2023 से 22.10.2023
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अशेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश में 230 विधानसभा सीटों के लिये चुनावी शंखनाद

भारत निर्वाचन आयोग ने मध्यप्रदेश सहित छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में आगामी विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होगा। वहीं राजस्थान में 25 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को दो चरणों में वोटिंग होगी। मिजोरम में 7 नवंबर को चुनाव होगा। वहीं तेलंगाना में 30 नवंबर को वोटिंग होगी। सभी राज्यों के नतीजे 3 दिसंबर को आयेंगे। निर्वाचन आयोग की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। अभ्यर्थियों, राजनीतिक दलों एवं राज्य तथा केन्द्र की सरकार पर आदर्श आचरण संहिता के प्रावधान आयोग के निर्देशों के अनुरूप लागू हो गये हैं। आचार संहिता लागू होते ही जिलों में कंट्रोल रूम एवं शिकायत सेल क्रियाशील हो गए हैं। अनधिकृत संपत्ति विरूपण के लिए आयोग द्वारा निर्वाचन की घोषणा से 24 घंटे में शासकीय संपत्तियों से, 48 घंटे में सार्वजनिक संपत्तियों से और 72 घंटे में निजी संपत्तियों से हटाने की समय सीमा निर्धारित की गई। मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा जारी किये गये चुनावी कार्यक्रम के अनुसार समूचे मध्यप्रदेश में 230 सीटों के लिये इस बार एक चरण में मतदान कराये जाने का निर्णय लिया गया है। विधानसभा चुनाव कार्यक्रम जारी किये जाने के बाद मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने चुनाव आयोग के सभी अधिकारियों के साथ बैठकर प्रदेश की चुनावी तैयारियों से जुड़े जरूरी दिशा-निर्देश दे दिये हैं। चुनाव आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में लगभग 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 मतदाता हैं। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 है जबकि महिला मतदाता 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 हैं। यही नहीं थर्ड जेंडर मतदाता 1 हजार 373 हैं। इनमें 148 सामान्य, 35 एससी और 47 सीटें एसटी के लिए हैं। चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाये जाते हैं। यह चुनाव आयोग द्वारा चलाये गये जागरूकता कार्यक्रमों का ही परिणाम है कि इस बार प्रदेश में जनजातीय समुदाय के सहरिया, बैगा जनजाति के मतदाताओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। यही नहीं इस बार 18 वर्ष से अधिक उम्र के 60 लाख नए मतदाता पहली बार अपने मत का उपयोग करेंगे। प्रदेश में बेहतर ढंग से मतदान हो सके इसके लिये कुल 64 हजार 523 मतदान केन्द्र बनाये जायेंगे।

विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। मतगणना केन्द्र पर वेबकास्टिंग, आदर्श मतदान केन्द्र, घर से 2 किलोमीटर के अंदर मतदान केंद्र जैसे विषयों पर विशेष महत्व दिया गया है। इसके साथ ही मतगणना केन्द्र पर बिजली, पानी, शौचालय और हेल्प डेस्क जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर सहमति बनी है। इसके साथ ही वरिष्ठजनों, दिव्यांगों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर मतदान केन्द्र बनाये जाने की तैयारी है। इसके साथ ही चुनाव से संबधित किसी भी शिकायत के लिये सी-विजिल एप शुरू किया गया है। शिकायत के 100 मिनट में आपको मदद मिलेगी। मध्यप्रदेश में मतदाता जागरूकता के लिये स्वीप अभियान के तहत आगामी दिनों में विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजना है। इस अभियान के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक बनाने के लिए विभिन्न कॉलेजों, एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स सहित निजी संस्थाओं के वॉलेंटियर्स को एकजुट कर जिलों में अलग-अलग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसी क्रम में विगत दिनों इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां दिव्यांगों ने अनूठे तरीके से मतदान करने की अपील की। दिव्यांगों ने तिपहिया वाहनों पर सवार होकर वाहन रैली निकाली और नागरिकों को संदेश दिया कि वह मतदान अवश्य करें।

अंतरिक्ष यात्रियों को पोषण और ऑक्सीजन देने में मददगार होगा वॉटरमील

विश्व की तमाम एजेंसियां इन दिनों चांद और मंगल पर जीवन ढूंढने के लिये प्रयासरत् हैं। कई देशों ने वहां तक पहुंचने में सफलता भी प्राप्त की है। लेकिन अब सभी एजेंसियां इस बात की खोज में जुट गई हैं कि चांद और मंगल पर इंसानों के लिये जीवन को कैसे आसान बनाया जाये। अंतरिक्ष यात्री जब लंबे समय के लिए स्पेस में रहेंगे, तो वह क्या खाएंगे। इन ग्रहों पर खाने को लेकर कई वर्षों से शोध चल रहा है। बीते दिनों एक शोध में सामने आया है कि पृथ्वी पर जो पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं उन्हीं में से एक पौधा है वॉटरमील। यह पौधा अंतरिक्ष यात्रियों को पोषण और ऑक्सीजन देने में मददगार साबित होंगे। वॉटरमील धरती पर सबसे छोटे फूल वाले पौधे के रूप में पहचाना जाता है।

यूरोपीय स्पेस एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार थाईलैंड में महिदोल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पोषण और ऑक्सीजन के सोर्स के रूप में वॉटरमील की क्षमता की खोज कर रहे हैं। नीदरलैंड में यूरोपीय स्पेस एजेंसी के एक सेंटर में आयोजित शोध में के. लार्ज डायामीटर सेंट्रीफ्यूज में छोटे जलीय पौधों की हाइपरग्रेविटी स्थिति को देखा जा रहा है। वॉटरमील को भी यहां आजमाया गया है। यह बेहद छोटा, जड़ और तना रहित पौधा है।

यह विशेष रूप से थाइलैंड और बाकी एशियाई देशों में वॉटर बॉडीज में पाया जाता है। इसके ग्रोथ रेट की वजह से वैज्ञानिक इस पर रिसर्च कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि गुरुत्वाकर्षण बदलने पर पौधों पर जो असर होता है, उसे स्टडी करने के लिए वॉटरमील सबसे बेहतर हो सकता है। इस शोध को लीड कर रहे महिदोल यूनिवर्सिटी के तात्पोंग तुल्यानंद के मुताबिक वॉटरमील में अच्छी मात्रा में प्रोटीन है। लंबे वक्त से थाईलैंड में इसे खाने में इस्तेमाल किया जाता है। सलाद के तौर पर भी इसे खाया जाता है। उन्होंने कहा कि जब पौधों को खाया जाता है, तो उनका 100 फीसदी इस्तेमाल होता है। इसलिए यह स्पेस में होने वाली खेती के लिए बेहतर है। फिलहाल टीम वॉटरमील के पौधों पर शोध कर रही है। अगले कुछ दिनों में इसके परिणाम को देखा जाएगा।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

विश्व खाद्य दिवस - 16 अक्टूबर

खाद्य सामग्री की महत्ता, सम्मान और सुरक्षा से ही आने वाली पीढ़ियां दीर्घायु होंगी

संसार के सभी प्राणियों के लिये खाद्यान्न अर्थात भोजन सामग्री जितनी महत्वपूर्ण है उतनी ही उपेक्षा इस विषय की होती है। एक ओर दुनियां के करोड़ों लोग एक समय का भोजन प्राप्त करने के लिये बेचैन हैं। संसार के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आवश्यकतानुसार खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके, इस जाग्रति के लिये विश्व खाद्य दिवस की परंपरा आरंभ हुई।

विश्व खाद्य दिवस की शुरुआत 1981 से हुई। तब दुनियां द्वितीय विश्व युद्ध से उबरी थी। विश्व युद्ध के दौरान दुनियां की व्यापारिक यात्राएं बाधित हुई थीं, जिसका प्रभाव खाद्यान्न की उपलब्धता पर पड़ा। इसके अतिरिक्त उन दिनों एशिया और अफ्रीका के अनेक देशों में अवर्षा से सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हुई, जिससे भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हुई। खाद्यान्न की इस आपदा से निबटने के लिये संयुक्त राष्ट्र ने 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाने का निर्णय लिया और इसके साथ संयुक्त राष्ट्र ने इसी दिन 1995 को रोम में 'खाद्य एवं कृषि संगठन' (एफएओ) की स्थापना की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्वभर में फैली भुखमरी की समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और भूख, कुपोषण और गरीबी का मिलकर सामना करना था। खाद्यान्न आपूर्ति और खाद्यान्न व्यवस्था की जागरूकता के लिये व्यवस्थित रूप से 'विश्व खाद्य दिवस' का आयोजन 16 अक्टूबर, 1981 से शुरू हुआ।

खाद्य दिवस के प्रमुख उद्देश्य

16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाने के साथ इस दिन कुछ संकल्प लेने का आह्वान किया गया। इसमें -

1. कृषि खाद्य उत्पादन पर ध्यान आकर्षित करना। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय स्तर पर शासकीय, अशासकीय एवं बहुउद्देश्यीय कृषि एवं कृषि उद्यम को बढ़ावा देना।
2. उन्नत अर्थव्यवस्था के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना।
3. ग्रामीण स्तर पर विशेष रूप से महिलाओं और सबसे कम मद पर कार्य करने वालों के जीवन स्तर पर प्रभावित करने वाले निर्णय और सहभागिता को बढ़ावा देना।
4. दुनिया में भूख की समस्या के प्रति जागरूकता पैदा करना।
5. औद्योगिक क्षेत्र में रेलवे द्वारा खाद्य सामग्री के यातायात को बढ़ावा देना।
6. भूख और गरीबी के विरुद्ध संघर्ष में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय एकजुटता बढ़ाना और खाद्य एवं कृषि विकास पर ध्यान आकर्षित करना है। और इस सबके लिये विश्व स्तर पर खाद्यान्न पदार्थ के बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन एवं वितरण पर ध्यान देना है।

भूख और समुचित खाद्य सामग्री समाधान के लिये नोबल पुरस्कार

पूरे विश्व में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति पर्याप्त हो और संसार का कोई भी व्यक्ति भूख से बेहाल न हो। इस अभियान को गति देने के लिये नोबेल पुरस्कार देने की परंपरा भी आरंभ हुई। नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी

ने विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) को भूख से प्रभावित क्षेत्र में शांति की स्थिति में बेहतर योगदान देने और 2020 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करने का निर्णय लिया है। विश्व खाद्य कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने, खाद्य सामग्री की सुरक्षा एवं उसकी व्यवस्थित आपूर्ति को बढ़ावा देने में डब्ल्यूएफपी की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इसे दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय संगठन माना गया है। 2019 में इस संगठन ने 88 देशों में करीब 100 मिलियन ऐसे लोगों को सहायता प्रदान की जो गंभीर भोजन और भूख से पीड़ित थे। इस स्थिति का आकलन करके इस दिशा में संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में मानवता को भूख से मुक्ति का अभियान जोड़ा था। इस लक्ष्य को साकार करने के लिए डब्ल्यूएफपी ने संयुक्त राष्ट्र के मार्गदर्शन में एक सघन अभियान चलाया। इसमें अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं और विभिन्न देशों की सरकारों के माध्यम से 2019 में मानों एक दुर्लभ संकल्प को पूरा किया और यह नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया। संयुक्त राष्ट्र के पास जो आकड़े उपलब्ध हुए थे उनके अनुसार 2019 में 135 मिलियन लोग खाद्य सामग्री के अभाव और तेज भूख से पीड़ित हुए थे। यह संख्या वर्ष 2014 की तुलना में अधिक थी। अनेक स्थानों पर खाद्य सामग्री के अभाव और खाद्यान्न प्राप्त करने के लिये कुछ अफ्रीकन देशों में हिंसक संघर्ष भी हुए। इसलिए संयुक्त राष्ट्र ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और 2015 में इस खाद्य दिवस आयोजन को भुखमरी मुक्ति के अभियान से भी जोड़ा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने डब्ल्यूएफपी को माध्यम बनाया है। इसके आशानुकूल परिणाम आये और दुनियाभर में जाग्रति आई और दुनिया में खाद्य पदार्थों के उत्पादन, समन्वय पूर्ण वितरण तथा हर जरूरतमंद तक पहुंचाने के प्रति दायित्व बोध हुआ।

हर वर्ष की थीम अलग

प्रत्यक्ष रूप से या कहने या सुनने से तो लगता है कि खाद्य सामग्री केवल भूख शांत करके जीवन चलाने का माध्यम है। पर यह परोक्ष रूप से बहुत व्यापक है। जीवन की रक्षा और समाज के समन्वय संतुलन बनाने में खाद्य पदार्थ कितना महत्व रखते हैं उन सभी आयामों की ओर जन जागरण पैदा करने के लिये इस दिवस को उन सबसे जोड़ा। इसके लिये प्रत्येक वर्ष इस खाद्य दिवस के आयोजन की थीम अलग होती है। ताकि संसार खाद्यान्न की महत्ता के विविध आयामों से परिचित हो सके। इस वर्ष 16 अक्टूबर, 2023 को मनाये जाने वाले विश्व खाद्य दिवस की थीम 'जल ही जीवन है, जल ही भोजन है। किसी को पीछे न छोड़ें' है। प्रत्येक वर्ष की थीम अलग होने की परंपरा 1981 से आरंभ हुई। उस वर्ष पहली थीम 'भोजन सबसे पहले आया' थी। यही थीम 1982 में भी रही। जबकि 1983 में इसे खाद्य सुरक्षा बनाया गया। 1984 : कृषि में महिलाएं। 1985 : ग्रामीण गरीबी, 1986 : मछुआरे और मछली पकड़ने वाले समुदाय, 1987 : छोटे किसान, 1988 : ग्रामीण युवा, 1989 : भोजन और पर्यावरण, 1990 : भविष्य के लिए भोजन, 1991 : जीवन के लिए पेड़, 1992 : भोजन और पोषण, 1993 : प्रकृति की विविधता का दोहन, 1994 : जीवन के लिए जल, 1995 : सभी के लिए भोजन,1996 : भूख और कुपोषण से लड़ना, 1997 : खाद्य सुरक्षा में निवेश, 1998 : महिलाएं दुनियां का पेट भरती हैं, 1999 : भूख के विरुद्ध युवा, 2000 : भूख से मुक्त एक सहस्राब्दी, 2001 : गरीबी कम करने के लिए भूख से लड़ें। 2002 : खाद्य सुरक्षा का स्रोत जल। 2003 : भूख के खिलाफ मिलकर काम करना। 2004 : खाद्य सुरक्षा एवं जैव विविधता, 2005 : कृषि एवं अंतर्सांस्कृतिक संवाद। 2006 : कृषि में खाद्य सुरक्षा निवेश के लिए। 2007 : भोजन का अधिकार। 2008 : विश्व खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और जैव ऊर्जा की चुनौतियां। 2009 : संकट के समय खाद्य सुरक्षा हासिल करना। 2010 : भूख के खिलाफ एकजुट होना। 2011 : खाद्य संकट स्थिरता की ओर। 2012 : कृषि सहकारी समितियां- दुनिया की सबसे बड़ी कुंजी। 2013 : खाद्य सुरक्षा एवं पोषण हेतु सतत खाद्य प्रणाली। 2014 : पारिवारिक खेती, 'दुनिया को खाना खिलाना, पृथ्वी की देखभाल करना'। 2015 : 'सुरक्षा सामाजिक और कृषि: ग्रामीण गरीबी के चक्र को तोड़ना'। 2016 : जलवायु परिवर्तन: "जलवायु बदल रही है। भोजन और कृषि भी बदलनी चाहिए"। 2017 : खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास निवेश। 2018 : 'हमारे कार्य ही हमारा भविष्य हैं, इस वर्ष यह लक्ष्य भी निर्धारित किया गया कि 2030 तक पूरे विश्व से मुक्ति संभव है"। 2019: 'हमारे कार्य ही हमारा भविष्य हैं। जीरो हंगर विश्व के लिए स्वस्थ आहार'। 2020 : 'बढ़ो, पोषण करो, कायम रहो। एक साथ'। 2021 : "स्वस्थ कल के लिए सुरक्षित भोजन"। 2022 : 'किसी को पीछे न छोड़ें' और अब इस वर्ष के लिये जल ही जीवन जल ही भोजन थीम है।

संसार विकास की कितनी ही ऊंचाई प्राप्त कर ले। चांद या मंगल पर नहीं सूरज पर भी पहुंच जाये पर शरीर संचालन के लिये खाद्यान्न की आवश्यकता सबसे पहले पड़ती है। व्यक्ति अकेला रहे या सामूहिक वह खाद्य पदार्थ की आवश्यकता से मुक्त नहीं हो सकता। आधुनिक दुनियां में बढ़ते यातायात साधनों से समाज को कुछ राहत मिली है। अभाव एक देश में हो तो दूसरे देश से सहायता तुरन्त पहुंचती है। जैसी भारत ने अफगानिस्तान, श्रीलंका आदि देशों को भूख से बचाने के लिये खाद्य सामग्री भेजी थी। आज पूरी दुनिया मानों एक गांव बन गई है इसलिये यह दुनिया कृषि उद्योग, खाद्यान्न में एक-दूसरे की पूरक हो रही हैं। इसलिये किसी एक क्षेत्र में खाद्यान्न संकट और भूख से बेहाली को शेष दुनिया अनदेखा नहीं कर सकती। इसलिये अनुकूल मौसम या भौगोलिक क्षेत्र में बेहतर उत्पादन, बेहतर पोषण, बेहतर पर्यावरण और बेहतर जीवन स्तर के लक्ष्य पूर्ति का उद्देश्य इस विश्व खाद्य दिवस के आयोजन में है।

रमेश शर्मा

(लेखक : वरिष्ठ पत्रकार और स्तम्भकार हैं।)

आदर्श आचार संहिता का महत्व और उपयोगिता

- *आदर्श आचार संहिता लागू होते ही सरकारों और प्रशासन पर कई तरह के अंकुश लग जाते हैं।*
- *चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक सरकारी कर्मचारी निर्वाचन आयोग के तहत आ जाते हैं।*
- *सबसे पहले 1960 में केरल विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता बनाई गई।*
- *1962 के लोकसभा चुनाव में पहली बार चुनाव आयोग ने आचार संहिता सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को दी।*
- *1967 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पहली बार सरकारों से आग्रह किया गया कि वे राजनीतिक दलों से इसका अनुपालन करने को कहें।*
- *इसके बाद से लगभग सभी चुनावों में आदर्श आचार संहिता का पालन होता रहा है।*

किसी भी लोकतंत्र में चुनाव एक पर्व की तरह होता है। यह वह प्रक्रिया होती है, जब लोगों द्वारा अपने प्रतिनिधि, सरकार और नेता का चयन किया जाता है। लोगों को यह उम्मीद होती है, जिसे वह चुनकर विधानसभा या लोकसभा में भेज रहे हैं, वह उनके हितों, मुद्दों और जरूरतों का ध्यान रखेंगे और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देंगे। लेकिन कई बार विभिन्न तरीकों से चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है। इसे रोकने के लिए चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाती है। चुनाव आयोग ने मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित कर दी हैं जिसके बाद इन राज्यों में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है, जो चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने तक जारी रहेगी। आदर्श आचार संहिता एक ऐसा मानक है, जिसका मुख्य उद्देश्य चुनाव की सही और निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

आदर्श आचार संहिता

किसी भी लोकतंत्र की बुनियाद के लिए मुक्त और निष्पक्ष चुनाव होना बहुत जरूरी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में चुनावों को एक उत्सव जैसा माना जाता है। चुनाव की तारीखों के बहुत पहले से ही सियासी दल तथा वोटर्स इस उत्सव में हिस्सा लेने लगते हैं। कई बार चुनाव जीतने के लिए मैदान में उतरे उम्मीदवार अपने पक्ष में माहौल बनाने और वोटरों को प्रभावित करने के लिए कई तरह के प्रयास करते हैं। इस दौरान सभी उम्मीदवार और सभी राजनीतिक दल वोटर्स के बीच जाते हैं। ऐसे में अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को रखने के लिये सभी को बराबर का मौका देना एक बड़ी चुनौती बन जाता है, लेकिन आदर्श आचार संहिता इस चुनौती को कम करती है। वर्तमान में प्रचलित आदर्श आचार संहिता में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के सामान्य आचरण के लिये दिशा-निर्देश दिये गए हैं।

कब लागू होती है आदर्श आचार संहिता

किसी भी राज्य में चुनाव से पहले एक अधिसूचना जारी की जाती है। इसके बाद उस राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है और नतीजे आने तक जारी रहती है।

क्यों जरूरी है आदर्श आचार संहिता

चुनाव एक ऐसी परीक्षा होती है, जिसे हर उम्मीदवार किसी भी तरह पास करना चाहता है। उम्मीदवार चुनाव जीतने के लिये कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। कई उम्मीदवार चुनाव जीतने के लिए अनुचित तरीकों का सहारा भी लेते हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं होने की अधिक संभावना रहती है। इन सब चीजों पर यदि लगाम न लगाई जाए तो कई बार चुनाव के दौरान हिंसा भी हो सकती है, जिससे सैंकड़ों लोग हताहत होते हैं। ऐसे हालातों को रोकने और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए आदर्श आचार संहिता की जरूरत पड़ती है, जिससे राजनीतिक दल और उम्मीदवार तय दायरे में रहकर प्रचार-प्रसार करें और नियमों में बंधे रहें।

आचार संहिता का महत्व

- **सामाजिक न्याय की रक्षा :** चुनाव आचार संहिता का पालन करने से चुनाव प्रक्रिया में सामाजिक न्याय और समानता सुनिश्चित होती है, जिससे हर व्यक्ति के वोट को बराबर महत्व मिलता है।
- **निष्पक्षता :** चुनाव आचार संहिता निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाती है, जिससे समग्र समाज का विश्वास जीता जा सकता है।
- **अपराधों पर नियंत्रण :** यह संहिता चुनावी अपराधों को रोकने और दंडित करने के लिए नियम और प्रतिबंध प्रदान करती है, जिससे चुनाव प्रक्रिया में दोषपूर्ण कामों पर अंकुश लगता है।
- **चुनावी खर्चों का प्रबंधन :** चुनाव आचार संहिता विभिन्न प्रकार के चुनावी खर्चों को प्रबंधित करने के नियम प्रदान करती है। यह सुनिश्चित करती है कि निर्वाचन प्रक्रिया में धन का दुरुस्त उपयोग हो और यह व्यक्तिगत खर्च को सीमित करती है, जिससे भ्रष्टाचार की रोकथाम की जा सकती है।

आचार संहिता की प्रमुख विशेषताएं

- **वोट की गोपनीयता :** चुनाव आचार संहिता वोट की गोपनीयता को सुनिश्चित करती है, ताकि कोई भी व्यक्ति अपना वोट किसे दिया, यह पता नहीं लगा सके।
- **विज्ञापन और प्रचार पर नजर :** इस संहिता में विज्ञापनों और प्रचार की सीमाओं का पालन करने के नियम शामिल होते हैं, जिससे अधिक धन के बल पर चुनावी प्रक्रिया को दुरुस्त करने की कोशिश नहीं की जा सकती।

आचार संहिता के पालन का महत्व

- **लोकतंत्र की सुरक्षा :** यह संहिता लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सुनिश्चित करती है कि चुनाव निष्पक्ष और सही हों।
- **नेतृत्व की गुणवत्ता :** चुनाव आचार संहिता के पालन से नेताओं की गुणवत्ता में सुधार होता है और नए नेता चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से समाज के लिए बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं।
- **वोटर विश्वास :** चुनाव आचार संहिता का पालन वोटरों में विश्वास का महत्वपूर्ण स्रोत होता है। जब लोग जानते हैं कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष है और उनके वोट को सही महत्व दिया जाता है, तो वो विश्वास करते हैं कि उनका मत गणराज्य में महत्वपूर्ण है।
- **सामाजिक समरसता :** चुनाव आचार संहिता का पालन समाज में सामाजिक समरसता की ओर कदम बढ़ाता है। यह सुनिश्चित करता है कि चुनावी प्रक्रिया में कोई भी वर्ग, जाति, या धर्म का भेदभाव नहीं होता है और सभी का समान स्थान होता है।
- **नेताओं की जिम्मेदारी :** चुनाव आचार संहिता नेताओं की जिम्मेदारियों को सुनिश्चित करती है।
- **लोकतंत्र को मजबूती :** चुनाव आचार संहिता के पालन से लोकतंत्र की मूल संरचना को मजबूती मिलती है। यह सुनिश्चित करती है कि लोगों के अधिकार और स्वतंत्रता का पालन किया जाता है और वे अपने नेताओं को चुनने का अधिकार रखते हैं।
- **सामाजिक सद्भावना :** चुनावी आचार संहिता का पालन सामाजिक सद्भावना और एकता को बढ़ावा देता है, क्योंकि यह हर व्यक्ति को एक समान भूमिका में देखता है।
- **चुनावी जागरूकता :** चुनाव आचार संहिता के माध्यम से लोगों को उनके चुनावी अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाता है। यह सुनिश्चित करता है कि लोग चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सही तरीके से सजग रहें।

चुनाव आचार संहिता का पालन चुनावी प्रक्रिया में न्याय, सुनिश्चितता, और सामाजिक सद्भाव की स्थापना के लिए आवश्यक है। यह सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष और न्याय के साथ होते हैं, और नए नेताओं को जनमत से चुनने का मौका प्रदान करता है। यह निरंतर चुनावों की सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रिया में सुधार करने के लिए आवश्यक है, ताकि लोग आत्म-अनुशासन के साथ और उत्साह से चुनावों में भाग लें और अपने देश के भविष्य को सजावट दें। इसके बिना, लोकतंत्र में विश्वास की स्थापना कठिन हो सकती है और समाज में विभिन्न वर्गों और समुदायों के बीच असमानता बढ़ सकती है।

- निशा त्यागी

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस - 11 अक्टूबर

समावेशी आर्थिक विकास के स्थायी वातावरण ने बालिकाओं को बनाया सशक्त

किसी भी समाज का आदर्श स्वरूप तभी संभव है जब मानव की दोनों इकाई महिला और पुरुष का समान विकास हो। इसीलिए आरंभ से लेकर अब तक महिलाओं के सशक्तिकरण के सघन प्रयास किये जा रहे हैं। यह तभी संभव है जब बालिकाओं का विकास और निर्माण हो, बालिकाओं की आधारभूत प्रगति और समान विकास से ही आदर्श समाज का निर्माण हो सकता है।

बालिकाओं का विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य सभी क्षेत्रों में किया जाना आवश्यक है। इसलिए दुनियाभर में लड़कियों की हिस्सेदारी बढ़ाने, उनके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और कॅरियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं को उनके अधिकारों और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है।

विश्व में आज भी महिलाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चांद तक पहुंच चुकी दुनिया में कई जगह बालिकाएं उपेक्षित हैं, वे अपने हक के लिये संघर्ष कर रही हैं। कई देशों में गरीबी और रूढ़ियों के चलते लड़कियों को स्कूल नहीं भेजा जाता। प्रतिभाशाली होने के बावजूद वे प्राथमिक शिक्षा से आगे नहीं पढ़ पातीं। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और भविष्य में महिलाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूक करना ही अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का इतिहास

इतिहास में पहली बार वर्ष 1995 में बीजिंग डिक्लेरेशन एंड प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन ने लड़कियों के अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिये एक कार्ययोजना का प्रस्ताव रखा। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत एक गैर सरकारी संगठन प्लान इंटरनेशनल के प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी। इस संगठन ने 'क्योंकि मैं एक लड़की हूं' नाम से एक अभियान की शुरुआत की थी।

इस अभियान के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के लिए कनाडा से संपर्क किया गया। कनाडा सरकार ने 55वीं आम सभा में इस प्रस्ताव को रखा और 19 दिसंबर 2011 को संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के लिए 11 अक्टूबर की तारीख तय की गई और 2012 से हर साल यह मनाया जाने लगा।

इस दिवस का महत्व

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस लड़कियों के अधिकारों और दुनिया भर में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचानने के लिये मनाया जाता है। यह लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने, लड़कियों के सशक्तिकरण एवं उनके मानवाधिकारों की पूर्ति पर केंद्रित है। बालिका की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही यह महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता सहित 17 सतत विकास लक्ष्यों का अभिन्न अंग है। लैंगिक समानता सतत विकास एजेंडा में निर्धारित 17 सतत विकास लक्ष्यों में पांचवा लक्ष्य है। इन लक्ष्यों में महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को सुनिश्चित करके ही समावेशी आर्थिक विकास संभव है।

बालिकाओं को मिले गरिमापूर्ण जीवन

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का मूल उद्देश्य है लड़कियों की शिक्षा और प्रशिक्षण के साथ उनके विचारों को सुनना तथा उनके लिए विकास और शांति के प्रयास करना। विश्व में बहुत से मामलों में बाल विवाह या बाल श्रम के कारण किशोर लड़कियां स्कूल नहीं जा पाती हैं। अतः पूरा विश्व इस दिन को मनाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और गरिमापूर्ण जीवन मिले। इस पहल का मुख्य उद्देश्य लैंगिक आधार पर होने वाले भेद-भाव पर प्रतिबंध लगाना, बालिका के जीवन संरक्षण को सुनिश्चित करना, बालिका की शिक्षा और भागीदारी सुनिश्चित करना है।

हर क्षेत्र में आगे हैं महिलाएं

लगभग एक दशक से अधिक समय से आयोजित किये जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के प्रयासों से बदलाव दिखने लगा है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। समाज महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयत्नशील है। महिला और पुरुष कंधे से कंधा मिलाकर काम भी कर रहे हैं। चूंकि दोनों का एक साथ आगे चलना, आगे बढ़ना बहुत ही जरूरी है, तभी विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। इसमें कोई संदेह या दो राय नहीं है कि महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को सुनिश्चित करके ही न्याय और समावेशी आर्थिक विकास का एक स्थायी वातावरण प्राप्त किया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2023 की थीम

दुनियाभर के कई देशों में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। हर साल बालिका दिवस की एक खास थीम होती है। वर्ष 2023 की थीम 'लड़कियों के अधिकारों में निवेश : हमारा नेतृत्व, हमारा कल्याण' रखी गई। इस थीम का सीधा अर्थ है बालिकाओं के मूलभूत अधिकारों को व्यवहार में लाना। इससे वे सबल होंगी। उनका हर क्षेत्र में नेतृत्व स्थापित होगा और यही नेतृत्व उनके कल्याण की इमारत खड़ी करेगा, जो समाज के विकास के लिए आवश्यक है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2022 की थीम 'अब हमारा समय है हमारे अधिकार, हमारा भविष्य' रखी गई थी। वास्तव में यह दिवस लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और लड़कियों के सशक्तिकरण एवं उनके मानवाधिकारों की पूर्ति को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करता है। इस दिवस के आयोजन की सार्थकता इसी में है कि बालिकाओं के कल्याण के साथ समाज निर्माण का आधार निर्मित हो।

- देवेन्द्र गौरे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस - 17 अक्टूबर

गरीबों और समाज के बीच संवाद को बढ़ाना होगा

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस का उद्देश्य गरीबी में रहने वाले लोगों और समग्र समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देना है। आर्थिक विकास और तकनीकी एवं वित्तीय संसाधनों की अभूतपूर्व उपलब्धता के बाद भी दुनिया में लाखों लोग अत्यधिक गरीबी की दशा में रह रहे हैं, यह नैतिक आक्रोश का एक सबब है। गरीबी केवल एक आर्थिक मुद्दा ही नहीं यह समाज में रहने वालों को उनके अधिकारों की अनुभूति से इस प्रकार बाधित भी करती है कि वे गरीबी को बनाये रखकर उसे नियति मान लेते हैं। अत्यधिक गरीबी को वर्ष 2017 की क्रयशक्ति क्षमता पर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवित रहने के रूप में परिभाषित किया गया था। वर्ष 2022 के अन्त तक, दुनिया की 8.4 प्रतिशत आबादी या लगभग 670 मिलियन लोगों की पहचान अत्यधिक गरीबी में रहने वालों के रूप में की जाने की उम्मीद थी। अनुमान है कि वैश्विक आबादी का सात प्रतिशत लगभग 575 मिलियन लोग अभी भी 2030 तक खुद को अत्यधिक गरीबी में फंसा हुआ पा सकते हैं। जीवन-यापन की लागत के संकट के जवाब में 105 देशों और क्षेत्रों ने फरवरी 2022 और फरवरी 2023 के बीच लगभग 350 सामाजिक सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। गरीबी के कारक तत्वों में खतरनाक कार्य परिस्थितियां, असुरक्षित आवास, पौष्टिक भोजन की कमी, न्याय तक असमान पहुंच, राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव और स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुंच को प्रमुख माना जाता है। इन कारकों का अलग-अलग राष्ट्र में वहां की परिस्थितियों के अनुसार विश्लेषण किया जाता है।

गरीबी उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने की शुरुआत 17 अक्टूबर, 1987 से हुई थी। उस दिन हजारों लोग पेरिस के ट्रोकेड्रो में एकत्र हुए थे, जहां 1948 में मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए थे। अत्यधिक गरीबी, हिंसा और भूख के शिकार लोगों ने घोषणा की थी कि गरीबी मानव अधिकारों का उल्लंघन है और इन अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आने की आवश्यकता है। तब से, सभी पृष्ठभूमियों, मान्यताओं और सामाजिक मूल के लोग अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने और गरीबों के साथ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए हर साल 17 अक्टूबर को इस दिवस को मनाने को इकट्ठा होते हैं।

गरीबी उन्मूलन के उपायों में तीसरा संयुक्त राष्ट्र दशक अहम

गरीबी उन्मूलन के प्रभावी उपायों में गरीबी उन्मूलन के लिए तीसरा संयुक्त राष्ट्र दशक लागू करना प्रमुख है। अनुमान है कि वर्ष 2013 में 783 मिलियन लोग प्रतिदिन 1.90 डॉलर से कम पर जीवन-यापन कर रहे थे, जबकि वर्ष 1990 में यह आंकड़ा 1.867 मिलियन लोगों का था। विकासशील देशों में वर्ष 2000 के बाद से आर्थिक विकास उल्लेखनीय रहा है, जिसमें तेजी से वृद्धि हुई है। उन्नत देशों की तुलना में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हुई है। आर्थिक विकास ने गरीबी में कमी और जीवन स्तर में सुधार को बढ़ावा दिया है। रोज़गार सृजन, लैंगिक समानता, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल, सामाजिक सुरक्षा उपाय, कृषि और ग्रामीण विकास, और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन में भी उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय दिवस और सप्ताह जनता को चिन्ता के मुद्दों पर शिक्षित करने, वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधन जुटाने और मानवता की उपलब्धियों का जश्न मनाने और उन्हें सुदृढ़ करने के अवसर हैं।

सभ्य कार्य और सामाजिक सुरक्षा पर केन्द्रित है इस वर्ष की थीम

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस की वर्ष 2023 की थीम सभ्य कार्य और सामाजिक सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में सभी के लिए सम्मान को व्यवहार में लाना रखी गई है। इस थीम की व्याख्या में दर्शाया गया है कि किस प्रकार अत्यधिक गरीबी में फंसे लोग अक्सर खतरनाक, अनियमित परिस्थितियों में लम्बे समय तक कठिन काम करते हैं, लेकिन फिर भी अपने और अपने परिवार का पर्याप्त रूप से समर्थन करने के लिए पर्याप्त आय नहीं कमा पाते हैं। इस वर्ष की थीम सभी लोगों के लिए मानवीय गरिमा को बनाए रखने के साधन के रूप में सभ्य कार्य और सामाजिक सुरक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच का आह्वान करती है और इस बात पर जोर देती है कि सभ्य कार्य को लोगों को सशक्त बनाना चाहिए, उचित वेतन और सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियां प्रदान करनी चाहिए, मूल रूप से अंतर्निहित मूल्य और मानवता को पहचानना चाहिए। सभी श्रमिकों का इसी तरह, समाज के सबसे कमजोर सदस्यों को प्राथमिकता देते हुए सभी के लिए आय सुरक्षा की गारंटी देने के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता है। यह विषय राजनीतिक नेताओं और नीति निर्माताओं से सभी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में मार्गदर्शक दिशा-दर्शन के रूप में मानवीय गरिमा का उपयोग करने का भी आह्वान करता है, ताकि कॉर्पोरेट मुनाफे की तलाश में मौलिक मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय की उन्नति सुनिश्चित की जा सके। सरकारों, व्यवसायों, नागरिक और सामाजिक संगठनों के बीच मजबूत वैश्विक साझेदारी समान विकास हासिल करने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि कोई भी बाहर न रहे या पीछे न छूटे। इसलिए, इस वर्ष का उत्सव गरीबी में रहने वाले लोगों के साथ एकजुटता से खड़े होने, उनके दैनिक संघर्षों को सुनने और वित्तीय लाभ को अधिकतम करने, मानव और पर्यावरणीय कल्याण की रक्षा पर केंद्रित एक न्यायसंगत अर्थव्यवस्था बनाने और प्रतिबद्धताओं को नवीनीकृत करने का एक मौका देना भी है। अंतिम लक्ष्य सभी के लिए सम्मानपूर्वक जीने की परिस्थितियां निर्मित करके गरीबी को पूरी तरह से समाप्त करना है।

सतत विकास के लक्ष्य और गरीबी उन्मूलन अभियान

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस की पृष्ठभूमि पर यदि हम विचार करें तो 22 दिसंबर, 1992 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा एक प्रस्ताव को अपनाया गया और 17 अक्टूबर को गरीबी उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया गया। सभी राज्यों, देशों और लोगों को इस दिन को बढ़ावा देने और गरीबी और गरीबी उन्मूलन के लिए विभिन्न गतिविधियों के लिए आमंत्रित किया जाता है। हर जगह से सभी रूपों में गरीबी को खत्म करना जरूरी है। विश्व बैंक के अनुसार, प्रतिदिन 1.90 डॉलर से कम कमाई गरीबी है। साथ ही, हम इस तथ्य को भी नजरअन्दाज नहीं कर सकते कि गरीबी पैसे की कमी से कहीं अधिक है। सतत विकास लक्ष्य के लिए 2030 के एजेंडा में गरीबी उन्मूलन भी शामिल है। सतत विकास के लिए वर्ष 2030 एजेंडा को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2015 में अपनाया गया था जिसे सतत विकास लक्ष्य (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल) के रूप में भी जाना जाता है। यह दुनियाभर में गरीबी उन्मूलन, ग्रह की रक्षा और यह सुनिश्चित करने के दायरे का विस्तार करता है कि सभी लोग शांति और समृद्धि का आनन्द लें। मानव पीड़ा के आठ कारकों को सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों (मिलेनियम डेवलपमेंट ग्रोथ) में परिभाषित किया गया है।

सतत विकास का लक्ष्य गरीबी उन्मूलन से ही हासिल होगा

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) का मानना है कि गरीबी के खिलाफ स्थायी लड़ाई के लिए शिक्षा, विज्ञान और रचनात्मक अर्थव्यवस्था के समर्थन के माध्यम से व्यक्तियों की क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता है, जो रोज़गार के साथ-साथ गौरव और सम्मान के भी स्रोत हैं। यूनेस्को अपनी सारी विशेषज्ञता सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा की सेवा में लगाता है, यूनेस्को का मानना है कि सतत विकास का लक्ष्य गरीबी उन्मूलन से ही हासिल होगा और इसके लिये विशेष रूप से - 'हर जगह गरीबी को उसके सभी रूपों में समाप्त करें'।

गरीबी खत्म करना केवल गरीबों की मदद करना नहीं है। यह हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। गरीबी मिटाकर सारी मानवता बदल जायेगी। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने कहा था, 'गरीबी प्रत्येक व्यक्ति के लिए मानवाधिकारों का हनन है'। वास्तव में, गरीबी पूरी तरह से भयावह है। यह न केवल दैनिक अभाव के जीवन की ओर ले जाती है, जहां भूख और पीड़ा है लेकिन यह मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता के आनंद को भी रोकती है, जिसका हर इंसान को बिना किसी बाधा के आनंद लेने में सक्षम होना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच से वंचित बच्चों की संख्या साल-दर-साल बढ़ रही है, जिससे उन्हें गरीबी, भूख और भेदभाव का खतरा हो रहा है।

यूनेस्को ने इस तथ्य को भी गंभीरता से लेकर इस मामले में ठोस कदम उठाने की बात कही है।

- राजा दुबे

(लेखक, जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान- खेल

1. कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 में किस देश ने क्रिकेट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) भारत (ब) इंग्लैंड
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) न्यूजीलैंड

2. वर्ष 2023 में किस देश ने एफआईएच हॉकी वर्ल्डकप जीता है?
(अ) नीदरलैंड (ब) जर्मनी
(स) बेल्जियम (द) ऑस्ट्रेलिया

3. लुईस हैमिल्टन ने इनमें से किस वर्ष फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप नहीं जीती है?
(अ) वर्ष 2016 (ब) वर्ष 2017
(स) वर्ष 2019 (द) वर्ष 2020

4. बाइक रेसर मार्क मारक्वेज ने कितनी बार मोटो जीपी चैम्पियनशिप जीती है?
(अ) दो बार (ब) तीन बार
(स) पांच बार (द) छह बार

5. स्पेन की ला लीगा प्रतियोगिता किस खेल से संबंधित है?
(अ) फुटबॉल (ब) टेनिस
(स) बुल फाइटिंग
(द) इनमें से कोई नहीं

6. इस वर्ष किस देश ने विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) भारत (ब) अमेरिका
(स) रूस (द) जापान

7. एथेलेटिक्स वर्ल्ड चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं?
(अ) विकास गौड़ा
(ब) मिल्खा सिंह
(स) नीरज चोपड़ा
(द) इनमें से कोई नहीं

8. इनमें से कौन पाकिस्तान क्रिकेट टीम का मुख्य चयनकर्ता है?
(अ) शाहिद अफरीदी
(ब) इंजमाम उल हक
(स) सकलैन मुश्ताक
(द) मिस्बाह उल हक

9. भारत में कितनी बार एशियाई खेलों का आयोजन किया जा चुका है?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार
(द) इनमें से कोई नहीं

10. पॉल पोग्बा किस देश के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी हैं?
(अ) इंग्लैंड (ब) अर्जेंटीना
(स) फ्रांस (द) इटली

11. इस वर्ष खेले जा रहे आईसीसी वन-डे विश्वकप में ऑस्ट्रेलियन टीम के कप्तान हैं?
(अ) पैट कमिंस (ब) डेविड वॉर्नर
(स) स्टीव स्मिथ (द) ग्लेन मैक्सवेल

12. इनमें से किस देश ने फीफा पुरुष और महिला दोनों वर्ल्डकप जीते हैं?
(अ) इंग्लैंड (ब) ब्राजील
(स) फ्रांस (द) स्पेन

13. इनमें से किस देश ने सबसे ज्यादा बार सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप जीती हैं?
(अ) मालदीव (ब) भारत
(स) नेपाल (द) बांग्लादेश

14. रॉबर्ट लेवानडोवस्की किस देश के लोकप्रिय फुटबॉलर हैं?
(अ) पोलैंड (ब) इंग्लैंड
(स) स्वीडन (द) ब्राजील

15. इनमें से किस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाये हैं?
(अ) ब्रेंडन मैक्कुलम
(ब) वीरेंद्र सहवाग
(स) ब्रायन लारा
(द) बेन स्टोक्स

16. अनाहत सिंह किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करतीं हैं?
(अ) तीरंदाजी (ब) बैडमिंटन
(स) स्क्वॉश (द) जिम्नास्टिक

17. कनाडा ओपन-2023 में किस खिलाड़ी ने पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीता है?
(अ) एलेक्स डि मिनॉर
(ब) डेनिल मेदवेदेव
(स) कार्लोस अलकराज
(द) जेनिक सिनर

18. वर्ष 2023 में किस खिलाड़ी ने स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट जीता है?
(अ) रॉरी मैक्लरॉय
(ब) फिल मिकेलसन
(स) रिकी फोवलर
(द) रॉबर्ट मैक्इंटायर

19. इनमें से किस खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा बार फ्रेंच ओपन जीतने का रिकॉर्ड है?
(अ) रोजर फेडरर
(ब) राफेल नडाल
(स) नोवाक जोकोविच
(द) इनमें से कोई नहीं

20. राइडर कप किस खेल से संबंधित खेल प्रतियोगिता है?
(अ) क्रिकेट (ब) हॉकी
(स) गोल्फ (द) टेनिस

21. वर्ष 1980 में किस शहर में ओलिंपिक खेल आयोजित किए गए थे?
(अ) एथेंस (ब) मॉस्को
(स) म्युनिख (द) अटलांटा

22. शीतकालीन ओलिंपिक खेलों की शुरुआत किस वर्ष से हुई थी?
(अ) वर्ष 1924 (ब) वर्ष 1928
(स) वर्ष 1932 (द) वर्ष 1934

23. इनमें से किस क्लब ने इस वर्ष अरब क्लब चैम्पियंस कप जीता है?
(अ) अल इतिफाक
(ब) अल शबाब
(स) अल कुवैत
(द) अल नासर

24. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में किस देश ने महिला फुटबॉल का स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) कनाडा (ब) अमेरिका
(स) स्वीडन (द) मैक्सिको

25. वर्ष 2022 में किस टेनिस खिलाड़ी को एटीपी प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था?
(अ) नोवाक जोकोविच
(ब) कार्लोस अलकराज
(स) आंद्रे रूबलेव
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (द), 5. (अ), 6. (द), 7. (स), 8. (ब), 9. (ब), 10. (स), 11. (अ), 12. (द), 13. (ब), 14. (अ), 15. (द), 16. (स), 17. (द), 18. (अ), 19. (ब), 20. (स), 21. (ब), 22. (अ), 23. (द), 24. (अ), 25. (ब)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

एम.पी.पी.एस.सी. प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्न

इतिहास

1. मोहनजोदड़ो में सबसे बड़ी इमारत कौन सी थी?
(अ) विशाल स्नानागार
(ब) अन्नागार
(स) बड़ा भवन/सभागार
(द) दो मंजिला इमारत
उत्तर-(ब)

2. सिंधु घाटी सभ्यता का कौन-सा स्थान भारत में स्थित है?
(अ) हड़प्पा
(ब) मोहनजोदड़ो
(स) लोथल
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(स)

3. सिंधु घाटी सभ्यता का कौन-सा स्थल वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित है?
(अ) कालीबंगा
(ब) हड़प्पा
(स) लोथल
(द) आलमगीरपुर
उत्तर-(ब)

4. सिंधु घाटी के लोग किसकी पूजा करते थे?
(अ) पशुपति की
(ब) इंद्र और वरुण की
(स) ब्रह्मा की
(द) विष्णु की
उत्तर-(अ)

5. सिंधु सभ्यता के लोग किस धातु से अपरिचित थे?
(अ) तांबा (ब) सोना
(स) चांदी (द) लोहा
उत्तर-(द)

6. शोर्तुगई (सिंधु घाटी सभ्यता) किस देश में है?
(अ) भारत
(ब) पाकिस्तान
(स) तिब्बत
(द) अफगानिस्तान
उत्तर-(द)

7. सैंधव सभ्यता का महान स्नानागार कहां से प्राप्त हुआ है?
(अ) मोहनजोदड़ो से
(ब) हड़प्पा से
(स) लोथल से
(द) कालीबंगा से
उत्तर-(अ)

8. हड़प्पा में एक उन्नत जल-प्रबंधन व्यवस्था का साक्ष्य प्राप्त हुआ है?
(अ) आलमगीरपुर से
(ब) धौलावीरा से
(स) कालीबंगा से
(द) लोथल से
उत्तर-(ब)

9. ताम्र पाषाणिक संस्कृति किसे कहते हैं?
(अ) तांबे और पत्थर के औजार का प्रयोग जिस युग में एक साथ हुआ
(ब) लोहे और पत्थर का प्रयोग जिस युग में एक साथ हुआ
(स) तांबे और सोने का प्रयोग एक साथ हुआ
(द) उपर्युक्त कोई नहीं
उत्तर-(अ)

10. ताम्र पाषाणिक संस्कृतियां कहां-कहां पायी गई है?
(अ) दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में
(ब) मध्यप्रदेश के पश्चिमी भाग में
(स) महाराष्ट्र और पूर्वी भाग में
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर-(द)

11. ताम्र पाषाणिक बस्तियों की सबसे व्यापक खुदाई कहां हुई है?
(अ) राजस्थान में
(ब) असम में
(स) महाराष्ट्र में
(द) मध्यप्रदेश में
उत्तर-(स)

12. ताम्र पाषाणिक काल के लोगों ने पत्थर के जिन छोटे औजारों का प्रयोग किया वे हैं ?
(अ) प्रस्तर के फलक
(ब) कुल्हाड़ी
(स) खुरचनियां
(द) तक्षणियां
उत्तर-(अ)

13. ताम्र पाषाण काल में निम्नलिखित में से कौन-सा पशु पालतू नहीं था?
(अ) गाय (ब) बकरी
(स) भैंस (द) गधा
उत्तर-(द)

14. बेसनगर अभिलेख का हेलियोडोरस कहां का निवासी था?
(अ) पुष्कलावती
(ब) तक्षशिला
(स) साकल
(द) मथुरा
उत्तर-(ब)

15. ताम्रपाषाण काल में लोग कपड़ा तैयार करते थे, इसका अवशेष कहां मिला है?
(अ) झारखंड में
(ब) राजस्थान में
(स) छत्तीसगढ़
(द) महाराष्ट्र
उत्तर-(द)

16. ताम्र पाषाण काल के लोग शवों को-
(अ) फर्श के नीचे उत्तर-दक्षिण दिशा में दफनाते थे
(ब) जला देते थे
(स) कब्रिस्तान में दफनाते
(द) खुले मैदान में फेंक देते थे
उत्तर-(अ)

17. मनुष्य ने सर्वप्रथम किस धातु का प्रयोग किया?
(अ) लोहा (ब) कांसा
(स) तांबा (द) चांदी
उत्तर-(स)

18. पश्चिमी मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी के तट पर किस ताम्र पाषाण संस्कृति का विकास हुआ?
(अ) मालवा संस्कृति
(ब) कायथा संस्कृति
(स) दोनों सही
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(स)

19. निम्न में किस संस्कृति को बनास संस्कृति कहते हैं?
(अ) कालीबंगा
(ब) गणेश्वर
(स) आहड़ संस्कृति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(स)

20. अग्निकुंड के साक्ष्य कहां से प्राप्त हुए हैं?
(अ) लोथल
(ब) बैराठ
(स) उदयपुर
(द) कालीबंगा
उत्तर-(द)

21. मालवा संस्कृति की विशेषता क्या है?
(अ) उच्च कोटि के मृदभांडों के साक्ष्य
(ब) चरखा व तकली के साक्ष्य
(स) वृषभ पूजा के साक्ष्य
(द) तीनों सही हैं ?
उत्तर-(द)

22. निम्नलिखित में से किन स्रोतों से भारतीय इतिहास के विषय में जानकारी प्राप्त होती है?
(अ) साहित्यक एवं पुरातात्विक साक्ष्यों से
(ब) ऐतिहासिक एवं समसामयिक ग्रंथों से
(स) विदेशी यात्री के विवरण से
(द) उपर्युक्त सभी से
उत्तर-(द)

23. अधोलिखित अभिलेखों को उनके शासकों द्वारा सुमेलित कीजिए-

सूची 1 (अभिलेख)	सूची 2 (शासक)
(अ) हाथीगुफा अभिलेख	1. रुद्रदामन
(ब) जूनागढ़ अभिलेख	2. खारवेल
(स) प्रयाग स्तम्भ अभिलेख	3. पुलकेशिन द्वितीय
(द) ऐहोल अभिलेख	4. समुद्रगुप्त

उत्तर-(2, 1, 4, 3)

24. सी-यू-की नामक यात्रा विवरण निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?
(अ) फाह्यान से
(ब) अलबरुनी से
(स) मेगस्थनीज से
(द) ह्वेनसांग से
उत्तर-(द)

25. सर्वप्रथम 1837 ई. में अशोक के अभिलेखों को किसके द्वारा पढ़ा गया?
(अ) मेगस्थनीज (ब) चाणक्य
(स) जेम्स प्रिंसेप (द) डाइमेकस
उत्तर-(स)

26. भारत में सबसे प्राचीन अभिलेख किस शासक के प्राप्त हुए हैं?
(अ) कालाशोक
(ब) अजातशत्रु
(स) चन्द्रगुप्त मौर्य
(द) अशोक
उत्तर-(द)

27. निम्नलिखित में से किस पुस्तक के माध्यम से प्राचीन समय में लाल सागर, फारस की खाड़ी तथा हिंद महासागर में होने वाले रोमन व्यापार का वृत्तांत प्रस्तुत किया गया है?
(अ) नेचुरल हिस्टोरिका में
(ब) क्रिश्चियन टोपोग्राफी में
(स) तहकीक-ए-हिंद में
(द) पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी में
उत्तर-(द)

28 सूची-1 सूची-2 से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची 1 (वेद)	सूची 2 (वर्णन)
(अ) अथर्ववेद	1. ईश्वरमहिमा
(ब) ऋग्वेद	2. बलिदान विधि
(स) यजुर्वेद	3. औषधियों से सम्बंधित
(द) सामवेद	4. संगीत

उत्तर-(अ-3, ब-1, स-2, द-4)

29. निम्नलिखित में से कौन-सा अभिलेख ईरान से भारत में आर्यों के आने की सूचना देता है ?
(अ) मानसेहरा (ब) शहबाजगढ़ी
(स) बोगाजकोई (द) जूनागढ़
उत्तर-(स)

30. यज्ञ सम्बंधित विधि-विधानों का ज्ञान होता है?
(अ) ऋग्वेद
(ब) सामवेद
(स) ब्राह्मण ग्रंथों से
(द) यजुर्वेद से
उत्तर-(द)

31. आध्यात्मिक ज्ञान के विषय में नचिकेता और यम का संवाद किस उपनिषद् में वर्णित है?
(अ) बृहदारण्यक उपनिषद् में
(ब) छान्दोग्य उपनिषद् में
(स) केन उपनिषद् में
(द) कठोपनिषद् में
उत्तर-(द)

32. पुरुषमेध का उल्लेख किस ग्रंथ में हुआ है?
(अ) कृष्ण यजुर्वेद में
(ब) शुक्ल युजर्वेद में
(स) शतपथ ब्राह्मण
(द) पंचविश ब्राह्मण
उत्तर-(स)

33. सत्यमेव जयते शब्द कहां से लिया गया है?
(अ) मनुस्मृति
(ब) भगवदगीता
(स) ऋग्वेद
(द) मुंडकोपनिषद्
उत्तर-(द)

34. वेद शब्द का अर्थ है -
(अ) ज्ञान (ब) बुद्धिमत्ता
(स) कुशलता (द) शक्ति
उत्तर-(अ)

35. ऋग्वेद की मूल लिपि थी -
(अ) देवनागरी (ब) खरोष्ठी
(स) पाली (द) ब्राह्मी
उत्तर-(द)

36. किस वेद में सभा और समिति को प्रजापति की दो पुत्रियां कहा गया है?
(अ) ऋग्वेद
(ब) सामवेद
(स) यजुर्वेद
(द) अथर्ववेद
उत्तर-(द)

37. आयुर्वेद अर्थात जीवन का विज्ञान का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता हैं ?
(अ) आरण्यक में
(ब) सामवेद में
(स) यजुर्वेद में
(द) अथर्ववेद में
उत्तर-(द)

38. वैदिक युग में प्रचलित लोकप्रिय शासन प्रणाली थी?
(अ) निरंकुश
(ब) प्रजातंत्र
(स) गणतंत्र
(द) वंश परंपरागत राजतंत्र
उत्तर-(द)

39. शतपथ ब्राह्मण में उल्लिखित राजा विदेथ माधव से सम्बंधित ऋषि कौन थे?
(अ) ऋषि भारद्वाज
(ब) ऋषि वशिष्ट
(स) ऋषि विश्वामित्र
(द) ऋषि गोतम रहुगण
उत्तर-(द)

40. आर्य सभ्यता में मनुष्य के जीवन की आयु के आरोही क्रमानुसार निम्नलिखित चरणों में से कौन-सा विकल्प सही है?
(अ) ब्रह्मचर्य - गृहस्थ - वानप्रस्थ - संन्यास
(ब) गृहस्थ - वानप्रस्थ - संन्यास - ब्रह्मचर्य
(स) वानप्रस्थ - संन्यास - ब्रह्मचर्य - गृहस्थ
(द) संन्यास - ब्रह्मचर्य - गृहस्थ - वानप्रस्थ
उत्तर-(अ)

41. सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वंमर और वंशानुचरित संकेतक हैं?
(अ) वेदों के
(ब) पुराणों के
(स) उपनिषदों के
(द) सूत्रों के
उत्तर-(ब)

42. गोत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हुआ था?
(अ) अथर्ववेद में
(ब) ऋग्वेद में
(स) सामवेद में
(द) यजुर्वेद में
उत्तर-(ब)

43. निम्नलिखित चार वेदों में से किस एक में जादुई माया और वशीकरण का वर्णन मिलता है?
(अ) ऋग्वेद में
(ब) यजुर्वेद में
(स) अथर्ववेद में
(द) सामवेद में
उत्तर (स)

44. क्लासिकीय संस्कृत में आर्य शब्द का अर्थ है?
(अ) ईश्वर में विश्वासी
(ब) एक वंशानुगत जाति
(स) किसी विशेष धर्म में विश्वास रखने वाला व्यक्ति
(द) एक उत्तम व्यक्ति
उत्तर-(द)

45. तीर्थंकर शब्द सम्बंधित है -
(अ) बौद्ध से (ब) इसाई से
(स) हिंदू से (द) जैन से
उत्तर-(द)

46. स्यादवाद सिद्धांत किससे संबंधित है?
(अ) लोकायत धर्म से
(ब) कृष्ण प्रथम से
(स) जैन धर्म से
(द) वैष्णव धर्म से
उत्तर-(स)

47. आलार कलाम कौन थे?
(अ) बुद्ध के शिष्य थे
(ब) एक प्रतिष्ठित बौद्ध भिक्षु
(स) बुद्धकालीन एक शासक
(द) बुद्ध के गुरु
उत्तर-(द)

48. बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिये थे?
(अ) वैशाली में
(ब) श्रावस्ती में
(स) कौशाम्बी में
(द) राजग्रह में
उत्तर-(ब)

- इमरतलाल खरते
(लेखक प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं)

दिव्यांगों के लिये मतदान केन्द्रों पर आवश्यक सुविधाएं हों

भोपाल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने सभी रिटर्निंग, सहायक रिटर्निंग ऑफीसर विधानसभा क्षेत्र बैरसिया, उत्तर, नरेला, दक्षिण पश्चिम, मध्य, गोविन्दपुरा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत फंदा, बैरसिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका बैरसिया को निर्देश दिए हैं कि आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों (पी.डब्ल्यू.डी.) को सुगम मतदान अन्तर्गत मतदान केन्द्र पर आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। निर्देश दिए गए हैं कि विकासखण्ड स्तर पर ऐसे मतदान केन्द्रों का चयन किया जाये जहां दिव्यांगजनों को सुगमता से मतदान करने के लिये विशेष व्यवस्थायें करने की आवश्यकता है। मतदान केन्द्रों में स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अन्य इच्छुक व्यक्तियों के सहयोग से मतदाताओं के लिये व्हीलचेयर, वॉकर की सुविधा उपलब्ध कराई जाये। विगत निर्वाचन में व्हीलचेयर, वॉकर की व्यवस्था की गई थी। इन उपकरणों का पुनः आकलन कर सुधार कार्य अथवा नवीन उपकरणों का क्रय किया जाये। इसके लिये मतदान केन्द्रवार ग्राम पंचायत, वार्डवार कार्यवार कार्ययोजना तैयार की जाये। निर्वाचन आयोग सामान्य निर्देशों के अध्याधीन दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों को मतदान केन्द्र तक ले जाने की व्यवस्था स्वयंसेवी व्यक्तियों के माध्यम से की जाती है। ऐसे मतदान केन्द्र जहां रैम्प नहीं है, वहां अस्थाई, स्थाई रैम्प की व्यवस्था की जाए। निर्वाचन आयोग के निर्देश हैं कि समस्त मतदान केन्द्रों पर यथा संभव स्थाई रैम्प बनवाये जायें।

भारत निर्वाचन आयोग ने की इंदौर और उज्जैन संभाग में चुनाव तैयारियों की समीक्षा

भोपाल, भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन द्वारा इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में इंदौर एवं उज्जैन संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों की बैठक में विधानसभा चुनाव-2023 की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में निर्देशित किया गया कि मतदाता सूची में डुप्लीकेशन न हो। मृत लोगों के नाम सूची में ना रहें। जिन मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े गए हों उनके ईपिक कार्ड वितरित किए जाएं। सभी रिटर्निंग ऑफिसर अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का भ्रमण कर लें और मतदान केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जिन मतदान केंद्रों में 1500 से अधिक मतदाता हैं ऐसे मतदान केंद्रों को मतदाता की सुविधा के लिए दो भागों में विभक्त किया जाए और नया मतदान केंद्र उसी परिसर में या निकटवर्ती भवन में बनाया जाए। मतदान केंद्र पर मतदान कराने के लिए आने वाले मतदान दल और सुरक्षाकर्मियों की सुविधाओं का ध्यान रखा जाये, जिससे उनका मतदान कराने में अच्छा अनुभव रहे।

आचार संहिता का कड़ाई से पालन किया जाये

चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन किया जाये। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाए, जिससे कोई भी व्यक्ति साम्प्रदायिक पोस्ट या रि-पोस्ट कर माहौल बिगाड़ने का काम न कर सके। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर प्रतिबंधात्मक और जिला बदर की कार्यवाही की जाये। चुनाव को प्रभावित करने वाली सामग्री की रोकथाम के लिए जिले में और राज्य की सीमाओं में नाके लगाकर वाहनों की सख्ती से जांच की जाये। मदिरा के अवैध निर्माण और परिवहन पर सख्त कार्यवाही की जाये। फ्लाइंग स्कॉड और एसएसटी द्वारा मुस्तैदी से काम किया जाये।

विधानसभा निर्वाचन 2023

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं को मिलेगी पोस्टल बैलेट से मतदान करने की सुविधा

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की। श्री राजन ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के और दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा के विकल्प को चुनने के लिए निर्धारित फॉर्म 12 डी के वितरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्री राजन ने कहा कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारी ऐसे पात्र मतदाताओं को फॉर्म 12 डी का वितरण बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से करायें। साथ ही श्री राजन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि 80 वर्ष या इससे अधिक उम्र के मतदाता, 40 प्रतिशत से अधिक के दिव्यांग मतदाता या अत्यावश्यक सेवाओं में संलग्न मतदाता के नाम से पोस्टल बैलेट जारी हो गया है, तो फिर वह किसी भी मतदान केंद्र में जाकर मतदान नहीं कर सकेगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देशित किया कि मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टि एवं मृत मतदाताओं के नाम न हों, इसका विशेष ध्यान रखें। जिन मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े गए हैं, उनके ईपिक कार्ड वितरित कराए जाएं। सभी रिटर्निंग अधिकारी अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का भ्रमण कर सभी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जिन मतदान केंद्रों पर निर्धारित संख्या से अधिक मतदाता हों उन मतदान केंद्रों पर नियमानुसार आवश्यक बूथ बनाए जाने का प्रस्ताव समय पर भेजें। ऐसे मतदान केंद्रों को मतदाता की सुविधा के लिए दो भागों में विभक्त किया जाए और सहायक मतदान केंद्र उसी परिसर में या निकटवर्ती भवन में ही बनाया जाए। प्रदेश में होने वाले किसी भी धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का राजनीतिक उपयोग कतई न किया जाए। प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई, फरार आरोपियों, इनामी आरोपियों की कार्रवाई में गति लाई जाए।

सी-विजिल एप के माध्यम से नागरिक कर सकेंगे शिकायत

श्री राजन ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नागरिकों के लिए सी-विजिल एप बनाया गया है। कोई भी नागरिक सी-विजिल एप के माध्यम से आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की शिकायत कर सकता है। नागरिक स्मार्ट मोबाइल के गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप को डाउनलोड कर सकता है। 100 मिनट में शिकायत का निराकरण किया जाएगा। श्री राजन ने कलेक्टर्स एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को सी-विजिल एप से मिलने वाली शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

सुविधा पोर्टल से आए आवेदनों का समय सीमा में करें निराकरण

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों को नामांकन पत्र में व्यक्तिगत विवरण की ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि के लिए एक वैकल्पिक सुविधा प्रदान की है। उम्मीदवारों के लिए यह सुविधा निर्वाचन आयोग के सुविधा पोर्टल के माध्यम से मिलेगी। इसके लिए उम्मीदवार को पंजीयन करना होगा और मोबाइल नंबर और ओटीपी के साथ लॉगिन करना होगा। यह सुविधा अंग्रेजी और हिंदी भाषा में उपलब्ध है। अभ्यर्थी नामांकन पत्र और शपथ पत्र में अपने व्यक्तिगत विवरण की जानकारी दे सकते हैं। उम्मीदवारों की जमानत राशि के ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी सुविधा पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध है। सुविधा पोर्टल के माध्यम से आने वाले आवेदनों का भी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी समय सीमा के अंदर समाधान करेंगे।

पॉक्सो अधिनियम-कानून के अंतर्गत सुविधाएं

भोपाल, भारत में बच्चों के यौन उत्पीड़न से संबंधित जटिल और संवेदनशील मुद्दों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2012 में पॉक्सो अधिनियम लागू किया गया था। इसी अधिनियम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न से सुरक्षित रखना तथा ऐसे मामलों में अपराधी को कठोर सजा दिलाना है।

पॉक्सो कानून के अंतर्गत सुविधाएं

- 24 घंटों के अंदर बच्चे को संरक्षण व जरूरत के अनुसार चिकित्सा सुविधा।
- किसी व्यक्ति पुलिस द्वारा रिपोर्ट न करने पर 6 माह का कारावास या जुर्माना या दोनों।
- विधि सहायता एवं व्यय वहन करने में असमर्थ होने की स्थिति में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुफ्त वकील की व्यवस्था।
- प्रत्येक प्रकरण की सुनवाई विशेष न्यायालय में होना अनिवार्य है।
- चालान/रिपोर्ट की मुफ्त प्रति बच्चे के माता-पिता को उपलब्ध कराना।
- केस की सुनवाई बंद कमरे में होना एवं इस दौरान बच्चे की गरिमा सुनिश्चित रखना।
- संचालन के लिए एक विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति करना।
- अपराध की जानकारी मिलने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर बच्चे को न्याय दिलवाना अनिवार्य है।
- केस के दौरान हिंसा होने पर पुनः रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं, क्योंकि इसमें आरोपी की सजा बढ़ा दी जाती है।
- इस अधिनियम में बच्चे को संरक्षण देने का भी प्रावधान है।
- यदि फैसला होने के बाद न्याय न मिले तो पीड़ित पक्ष एक महीने के भीतर हाई कोर्ट में अपील (फैसले के विरुद्ध) कर सकते हैं।

रिपोर्ट की प्रक्रिया क्या है ?

- विशेष किशोर पुलिस इकाई में रिपोर्ट कर सकते हैं।
- स्थानीय पुलिस थाने में रिपोर्ट कर सकते हैं।
- पुलिस 24 घंटे के भीतर न्यायालय एवं बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करते हैं या रिपोर्ट करेगी, ताकि बच्चे का पुनर्वास सुनिश्चित हो सके।
- रिपोर्ट सरल भाषा में लिखी जाएगी ताकि बच्चा समझ सके।
- रिपोर्ट झूठी होने पर बच्चे को सजा नहीं मिलेगी लेकिन व्यक्ति को एक वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।
- केन्द्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग।
- राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग।
- महिला एवं बाल विकास विभाग।
- चाइल्ड लाइन 1098
- विशेष किशोर पुलिस इकाई।
- बाल कल्याण समिति।
- पुलिस।

पंचायत

- गैर सरकारी संगठन/सामाजिक कार्यकर्ता व समाज पीड़ित बच्चों के लिये विशेष सुविधा- इन कानून में पीड़ित बच्चों को विशेष सुविधा दी गई है।
- न्यायालय में बच्चे के लिए मित्रता पूर्वक वातावरण बनाना।
- बच्चे का बार-बार न्यायालय में नहीं आना सुनिश्चित करना।
- कार्यवाही के दौरान बच्चे की गरिमा सुनिश्चित करना।
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा गोपनीयता सुनिश्चित करना।
- समुचित प्रकरणों में बच्चे की परिस्थिति व पुनर्वास की जरूरतों के आधार पर मुआवजा देने का आदेश पारित कर सकता है।

बच्चे का कथन लेने की प्रक्रिया -

- महिला पुलिस/मजिस्ट्रेट द्वारा कथन लिखना।
- कथन के समय पुलिस अधिकारी वर्दी में नहीं होना अनिवार्य है।
- कथन लिखते समय बच्चा आरोपी के संपर्क में न आये यह सुनिश्चित करना।
- रात में बच्चे को थाने में किसी भी कारण से रोका नहीं जा सकता है।
- पुलिस द्वारा बच्चे की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।
- बच्चे के माता-पिता या कोई बच्चे के भरोसे वाले व्यक्ति की उपस्थिति अनिवार्य है।
- जरूरत के अनुसार अनुवाद या निःशुल्क बच्चे के लिये विशेषज्ञ उपलब्ध कराना।

मेडिकल/चिकित्सा परीक्षा -

- यदि पॉक्सो के अंतर्गत प्रकरण दर्ज नहीं हो पाया है, तब तक चिकित्सा परीक्षा दंड प्रक्रिया संहित 1973 की धारा 164 के अनुसार अर्थात सीधे मजिस्ट्रेट के सामने बयान भी हो सकता है।
- बालिका के प्रकरण में चिकित्सा परीक्षण महिला डॉक्टर द्वारा किया जाएगा।
- चिकित्सा परीक्षा के समय माता-पिता या बच्चे का कोई विश्वास पात्र उपस्थित रहेगा।
- यदि चिकित्सा परीक्षा के समय बच्चे की ओर से कोई नहीं है तब चिकित्सा प्रमुख द्वारा निर्देशित कोई महिला उपस्थित रहेगी।

महत्वपूर्ण भूमिकाएं -

- सामाजिक कार्यकर्ता
- रिपोर्ट करने में मदद।
- अधिनियम की जानकारी देना/जागरूक करना।
- बाल विशेषज्ञ/काउंसलर की मदद से बालक को मदद करना।
- न्यायिक प्रक्रिया को त्वरित करने के लिए बजट रखना और फॉलोअप करना।
- बच्चे के संरक्षण, पुनर्वास या चिकित्सा सुविधा में अहम भूमिका निभाना।

पंचायत -

- केस के खिलाफ ग्राम सभा में भी आवेदन दे सकते हैं ताकि इस मुद्दे पर अलग से ग्राम सभा बुलाकर न्याय प्रक्रिया को तीव्र कर सके।
- पंचायत को बच्चों से संबंधित मुद्दे पर आवश्यकता के अनुसार ग्राम सभा बुलाने का प्रावधान है ताकि उन्हें संरक्षित माहौल प्रदान किया जा सके।

आदर्श आचरण संहिता के दौरान राजनीतिक दलों को रखना होता है इन बातों का ध्यान

भारत निर्वाचन आयोग ने मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों के लिए विधानसभा निर्वाचन की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही इन राज्यों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावी हो गई है। इस आचरण संहिता में राजनैतिक दलों, अभ्यर्थियों और निर्वाचन कार्यों में लगे शासकीय कर्मचारियों के लिए दिशा-निर्देश होते हैं। ''रोज़गार और निर्माण'' में आदर्श आचरण संहिता के संपादित अंश प्रकाशित किए जा रहे हैं।

I. सामान्य आचरण

1. कोई दल या अभ्यर्थी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जिससे भिन्न जातियों और धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच विद्यमान मतभेद अधिक गंभीर हो सकते हैं या परस्पर नफरत हो सकती है या तनाव पैदा हो सकता है।
2. यदि राजनीतिक दलों की आलोचना की जाए, तो यह उनकी नीतियों और कार्यक्रमों, गत रिकॉर्ड और कार्य तक ही सीमित रखी जाएगी। दलों और अभ्यर्थियों को अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की सार्वजनिक गतिविधियों से असंबद्ध निजी जीवन के सभी पहलुओं की आलोचना करने से बचना होगा। असत्यापित आरोपों या मिथ्या कथन के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना करने से बचना होगा।
3. मत प्राप्त करने के लिए जाति या संप्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों और पूजा के अन्य स्थलों को निर्वाचन प्रचार के मंच के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जाएगा।
4. सभी दल और अभ्यर्थी ऐसी सभी गतिविधियों से ईमानदारी से परहेज करेंगे जो निर्वाचन विधि के अधीन "भ्रष्ट आचरण" एवं अपराध हैं जैसे कि मतदाताओं को घूस देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, मतदाताओं का प्रतिरूपण, मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के अंतर्गत प्रचार करना, मतदान समाप्त होने के लिए निर्धारित समय के समाप्त होने वाले 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक सभाएं आयोजित करना और मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए परिवहन और वाहन उपलब्ध कराना।
5. हर व्यक्ति के शांतिपूर्ण और बाधारहित घरेलू जीवन के अधिकार का सम्मान किया जाएगा, फिर चाहे राजनीतिक दल और अभ्यर्थी उनकी राजनीतिक राय या गतिविधियों से कितने भी अप्रसन्न हों। किसी भी परिस्थिति में उनकी राय अथवा गतिविधियों के खिलाफ विरोध जताने के लिए व्यक्तियों के घर के सामने प्रदर्शन आयोजित करने या धरना देने का सहारा नहीं लिया जाएगा।
6. कोई भी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी अपने अनुयायियों को किसी भी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों इत्यादि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने इत्यादि की अनुमति नहीं देगा।
7. राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनके समर्थक अन्य दलों द्वारा आयोजित सभाओं और जुलूसों में बाधा खड़ी नही करेंगे या उन्हें भंग नहीं करेंगे। किसी राजनैतिक दल के कार्यकर्ता या समर्थक अन्य राजनीतिक दल द्वारा आयोजित सार्वजनिक सभा में मौखिक या लिखित रूप में सवाल पूछकर या अपने दल के पर्चे बाँटकर बाधा उत्पन्न नहीं करेंगे। किसी दल द्वारा उन स्थानों के आसपास जुलूस न निकाला जाए जहाँ अन्य दल की सभाएं आयोजित हो रही हैं। किसी दल के कार्यकर्ता अन्य दल के कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए पोस्टर नहीं हटाएंगे।

II. सभाएं

1. दल या अभ्यर्थी स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों को किसी भी प्रस्तावित सभा के स्थल और समय के बारे में काफी पहले से सूचित करेंगे ताकि पुलिस यातायात को नियंत्रित करने और शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था कर सके।
2. दल या अभ्यर्थी अग्रिम रूप से सुनिश्चित करेगा कि क्या सभा के लिए प्रस्तावित स्थल पर कोई रोक या निषेधाज्ञा लागू तो नहीं है और यदि ऐसे आदेश मौजूद हैं, तो उनका कड़ाई से पालन किया जाएगा। यदि ऐसे आदेशों से किसी रियायत की आवश्यकता हो, तो अग्रिम रूप से इसके लिए आवेदन किया जाएगा और प्राप्त किया जाएगा।
3. यदि किसी प्रस्तावित सभा के संबंध में लाउडस्पीकरों या किसी अन्य सुविधा के उपयोग के लिए अनुमति या अनुज्ञा प्राप्त करने की आवश्यकता है, तो दल या अभ्यर्थी अग्रिम रूप से संबंधित प्राधिकरण के समक्ष आवेदन करेगा और यह अनुमति या अनुज्ञा प्राप्त करेगा।
4. सभा के आयोजक सभा में बाधा खड़ी करने वाले या अन्यथा अव्यवस्था पैदा करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों से निपटने के लिए ड्यूटी पर तैनात पुलिस की निरपवाद रूप से सहायता प्राप्त करेगा। स्वयं आयोजक ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करेंगे।

III. जुलूस

1. जुलूस का आयोजन करने वाला दल या अभ्यर्थी जुलूस शुरू करने का स्थान और समय, अनुगमन किए जाने वाले मार्गों और जुलूस समाप्त होने का स्थान और समय पहले से ही तय करेगा। साधारण तौर पर कार्यक्रम में कोई परिवर्तन नहीं होगा।
2. आयोजक स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों को कार्यक्रम की अग्रिम सूचना देंगे ताकि स्थानीय पुलिस प्राधिकारी आवश्यक व्यवस्था कर सकें।
3. आयोजक यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन इलाकों से जुलूस निकालना है, क्या उन इलाकों में कोई प्रतिबन्ध आदेश लागू है और प्रतिबन्ध आदेशों का पालन करेंगे यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विशेष रूप से रियायत नहीं दी गई है। यातायात संबंधी किन्हीं विनियमों या प्रतिबंधों का भी ध्यानपूर्वक अनुपालन किया जाएगा।
4. आयोजक जुलूस निकालने के लिए अग्रिम रूप से व्यवस्था करने के लिए कदम उठाएंगे ताकि यातायात में कोई रुकावट या बाधा न आए। यदि जुलूस बहुत लंबा है, तो इसे उचित लंबाई के कई हिस्सों में आयोजित किया जाएगा, ताकि सुविधाजनक अंतरालों पर, विशेष रूप से उन स्थानों पर जहाँ जुलूस को सड़क का चौराहा पार करना है, रुके हुए यातायात को कई चरणों में छोड़ा जा सके जिससे कि यातायात में भारी जाम से बचा जा सके।
5. जुलूस को इस प्रकार से विनियमित किया जाएगा कि जहाँ तक संभव हो यह सड़क के दाहिने तरफ रहे और ड्यूटी पर तैनात पुलिस के निर्देशों और सलाहों का कड़ाई से अनुपालन किया जाएगा।
6. यदि दो या अधिक राजनीतिक दल या अभ्यर्थी जुलूस को समान रास्तों या उसके किसी भाग से एक ही समय पर ले जाने का प्रस्ताव देते हैं, तो यह सुनिश्चित करने के लिए कि दोनों जुलूस आपस में न टकराएं या यातायात में बाधा उत्पन्न न करें, आयोजक अग्रिम रूप से संपर्क करेंगे और अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में निर्णय लेंगे। संतोषजनक व्यवस्था पर पहुँचने के लिए स्थानीय पुलिस की सहायता ली जाएगी। इस प्रयोजनार्थ दल पुलिस से यथाशीघ्र संपर्क करेंगे।
7. राजनीतिक दल या अभ्यर्थी, जुलूस में भाग लेने वाले लोगों के पास मौजूद ऐसी वस्तुओं जिनका अवांछनीय लोगों द्वारा विशेष रूप से उत्तेजना के पलों में दुरुपयोग किया जा सकता है, पर अधिकतम संभव सीमा तक नियंत्रण रखेंगे।
8. किसी भी राजनीतिक दल या अभ्यर्थी द्वारा अन्य राजनीतिक दलों के सदस्यों या उनके नेताओं को निरुपित करने वाले पुतले ले जाने, जनता के बीच इन पुतलों को जलाने और इस तरह के अन्य प्रकार के प्रदर्शन का समर्थन नहीं किया जाएगा।

IV. मतदान दिवस

सभी राजनीतिक दल और अभ्यर्थी:–

1. शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित मतदान और मतदाताओं को किसी भी तरह से परेशान किए बिना या कोई अड़चन पैदा किए बिना उन्हें अपने मताधिकार का उपयोग करने की पूरी स्वतंत्रता का सुनिश्चय करने के लिए निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे।
2. अपने प्राधिकृत कार्यकर्ताओं को उचित बैज और पहचान-पत्र प्रदान करेंगे।
3. इस बात पर सहमति देंगे कि उनके द्वारा मतदाताओं को प्रदान की गई पहचान पर्ची सादे (सफेद) कागज पर होगी और उस पर कोई प्रतीक, अभ्यर्थी का नाम या दल का नाम नहीं होगा।
4. मतदान के दिन और इससे 48 घंटे पहले शराब देने या बांटने से दूर रहेंगे।
5. राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों द्वारा मतदान बूथों के पास लगाए गए शिविरों के निकट अनावश्यक भीड़ इकट्ठा नहीं होने देंगे ताकि दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों और अभ्यर्थियों के मध्य टकराव और तनाव से बचा जा सके।
6. सुनिश्चित करेंगे कि अभ्यर्थी के शिविर साधारण होंगे। वे कोई पोस्टर, झंडा, प्रतीक, या कोई अन्य प्रचार सामग्री प्रदर्शित नहीं करेंगे। कोई खाद्य सामग्री परोसी नहीं जाएगी अथवा भीड़ को शिविर में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
7. मतदान के दिन वाहनों के यातायात पर लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अनुपालन में प्राधिकारियों का सहयोग करेंगे और उनके लिए अनुज्ञा-पत्र प्राप्त करेंगे जो उन वाहनों पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होने चाहिए।

V. मतदान बूथ

मतदाताओं को छोड़कर, ऐसा कोई व्यक्ति मतदान बूथ के भीतर प्रवेश नहीं करेगा जिसके पास निर्वाचन आयोग का कोई मान्य पास नहीं है।

VI. प्रेक्षक

निर्वाचन आयोग प्रेक्षकों को नियुक्त करता है। यदि अभ्यर्थियों या उनके अभिकर्ताओं को निर्वाचनों के संचालन के संबंध में कोई विशेष शिकायत या समस्या है, तो उसे प्रेक्षक के ध्यान में ला सकते हैं।

VII. सत्ताधारी दल

केंद्र या राज्य या संबंधित राज्यों का सत्ताधारी दल यह सुनिश्चित करेगा कि इस वजह से शिकायत का अवसर न दिया जाए कि उन्होंने अपने निर्वाचन अभियान के प्रयोजनार्थ अपनी आधिकारिक स्थिति का उपयोग किया है और विशेष रूप से:–

1. (क) मंत्री अपने सरकारी दौरों को निर्वाचन संबंधी कार्यों के साथ नहीं जोड़ेंगे और साथ ही निर्वाचन संबंधी कार्यों के दौरान सरकारी मशीनरी या कर्मचारियों का उपयोग नहीं करेंगे।
   (ख) सत्ताधारी दल के हित को बढ़ावा देने के लिए सरकारी विमानों, वाहनों सहित सरकारी परिवहन, मशीनरी और कर्मचारियों का उपयोग नहीं करेंगे;
2. निर्वाचन के संबंध में निर्वाचन सभाएं आयोजित करने के लिए मैदानों इत्यादि जैसे सार्वजनिक स्थानों और हवाई उड़ानों के लिए हेलीपैड्स के उपयोग पर किसी का एकाधिकार नहीं होगा। अन्य दलों और अभ्यर्थियों को उन्हीं नियमों और शर्तों पर ऐसे स्थानों और सुविधाओं का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी जिन नियमों और शर्तों पर सत्ताधारी दल इनका उपयोग करता है;
3. विश्राम गृहों, डाक बंगलों या अन्य सरकारी आवासों पर सत्ताधारी दल या उसके अभ्यर्थी का एकाधिकार नहीं होगा और अन्य दलों और अभ्यर्थियों को निष्पक्ष ढंग से इन आवासों का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी किन्तु कोई भी दल या अभ्यर्थी इन आवासों (उसके अंतर्गत मौजूद परिसरों सहित) का उपयोग अभियान कार्यालय के रूप में या निर्वाचन प्रचार के प्रयोजनार्थ कोई सार्वजनिक सभा आयोजित करने के लिए नहीं करेगा या ऐसा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी;
4. सार्वजनिक राजकोष की लागत पर समाचार पत्रों और अन्य मीडिया में विज्ञापन प्रकाशित करने और निर्वाचन अवधि के दौरान पक्षपातपूर्ण कवरेज के लिए राजनीतिक समाचारों की सरकारी मास मीडिया का दुरुपयोग और सत्ताधारी दल की संभावनाओं को बढ़ाने की दृष्टि से उनकी उपलब्धियों के संबंध में प्रचार करने से सावधानीपूर्वक बचेंगे।
5. मंत्री और अन्य प्राधिकारी आयोग द्वारा निर्वाचनों की घोषणा के समय से विवेकाधीन निधियों से अनुदानों/भुगतानों की संस्वीकृति प्रदान नहीं करेंगे।
6. आयोग द्वारा निर्वाचनों की घोषणा के समय से, मंत्री और अन्य प्राधिकारी -
   (क) किसी भी रूप में कोई वित्तीय अनुदान या इससे संबंधित प्रतिज्ञाओं की घोषणा नहीं करेंगे; या
   (ख) किसी भी प्रकार की परियोजनाओं या योजनाओं का शिलान्यास इत्यादि नहीं रखेंगे (सरकारी कर्मचारियों के अलावा); या
   (ग) सड़कों के निर्माण, पेय जल की सुविधाओं के प्रावधान इत्यादि का कोई वचन नहीं देंगे; या
   (घ) सरकारी, सार्वजनिक उपक्रमों इत्यादि में कोई तदर्थ नियुक्ति नहीं करेंगे जिससे मतदाताओं पर सत्ताधारी दल के पक्ष में प्रभाव पड़ता हो।
7. केन्द्र या राज्य सरकार के मंत्री बतौर अभ्यर्थी या मतदाता या प्राधिकृत अभिकर्ता की हैसियत के अतिरिक्त किसी मतदान केन्द्र या मतगणना के स्थान में प्रवेश नहीं करेंगे।

नोट : आयोग किसी निर्वाचन की तारीख घोषित करेगा, जो उस तारीख से आम तौर पर अधिकतम तीन सप्ताह पहले की तारीख होगी जिस दिन इस निर्वाचन के संबंध में अधिसूचना जारी होने की संभावना है।

VIII. निर्वाचन घोषणा पत्र संबंधी दिशा-निर्देश

1. 2008 की एसएलपी (सी) संख्या 21455 (एस सुब्रमणियम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार एवं अन्य) में उच्चतम न्यायालय ने दिनांक 5 जुलाई 2013 के अपने निर्णय में निर्वाचन आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के परामर्श से

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विश्व कॉफी सम्मेलन

भारत में आयोजित हुआ 5वां सम्मेलन, 80 से अधिक देश हुए शामिल

दुनिया में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां कॉफी की समूची खेती छाया वाले माहौल में की जाती है, इसे हाथ से चुना जाता है और फिर धूप में सुखाया जाता है। दुनिया में कॉफी की कुछ सबसे अच्छी किस्में भारत में उगायी जाती हैं। इन्हें पश्चिमी एवं पूर्वी घाटों के जनजातीय किसानों द्वारा उगाया जाता है। बता दें कि पश्चिमी और पूर्वी घाट विश्व में जैव विविधता वाले दो प्रमुख स्थल हैं। भारतीय कॉफी विश्व बाजार में अच्छी कीमतों पर बेची जाती है। यूरोप में तो हमारे देश की कॉफी प्रीमियम कॉफी के रूप में बेची जाती है। दुनियाभर में कॉफी के बढ़ते आर्थिक महत्व को उजागर करने के लिए हाल ही में बेंगलुरु में 5वां विश्व कॉफी सम्मेलन (World Coffee Confrence) किया गया। यह सम्मेलन 25 सितम्बर से 28 सितम्बर तक बेंगलुरु पैलेस ग्राउंड में आयोजित किया गया था। इसका आयोजन भारतीय कॉफी बोर्ड और अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन (ICO) के सहयोग से किया गया है।

एशिया में पहली बार हुआ विश्व कॉफी सम्मेलन

हर चार से पांच साल में, अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन वैश्विक कॉफी क्षेत्र को लेकर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए एक उच्च स्तरीय विश्व कॉफी सम्मेलन आयोजित करता है। खास बात ये है कि इस बार विश्व कॉफी सम्मेलन एशिया में पहली बार हुआ है। विश्व कॉफी सम्मेलन 2023 में 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, कॉफी उत्पादक और आयातक देशों, निर्यातकों, आयातकों, अग्रणी कॉफी संघों, वैश्विक कॉफी विशेषज्ञों, रोस्टरों और अन्य लोगों ने हिस्सेदारी की है। इस बार के सम्मेलन का उद्देश्य नवाचारिक अवसरों और बाजारों के लिए मार्ग तैयार करना था, खासकर कॉफी उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कॉफी किसानों को लाभ पहुंचाने पर जोर देना रहा।

इससे पहले कब और कहां आयोजित हुए हैं सम्मेलन?

1. पहला विश्व कॉफी सम्मेलन 17 से 19 मई, 2001 तक लंदन में हुआ था। इस सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतियां सुनीं और कम कीमतों के मौजूदा संकट को हल करने के लिए कई विचार सामने रखे थे। सम्मेलन के दौरान 18 मई को एक संवाददाता सम्मेलन में कॉफी की खपत के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभावों पर नए आंकड़े भी जारी किए गए थे।
2. दूसरा विश्व कॉफी सम्मेलन 23 से 25 सितम्बर, 2005 तक ब्राजील के साल्वाडोर में हुआ था। इसकी अध्यक्षता ब्राजील के कृषि मंत्री श्री रॉबर्टो रोड्रिग्स ने की थी। इसमें लगभग 1200 कॉफी उत्पादकों और सरकारी, निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था।
3. तीसरा विश्व कॉफी सम्मेलन 26 से 28 फरवरी, 2010 तक ग्वाटेमाला में हुआ था। इसकी अध्यक्षता ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति महामहिम ने की थी। इसमें ICO के 76 सदस्य देशों के 1,400 से अधिक कॉफी उत्पादकों और सरकारी, निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था।
4. चौथा विश्व कॉफी सम्मेलन इथियोपिया में 6 से 8 मार्च, 2016 तक आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन के 77 सदस्य देशों और कॉफी उत्पादकों और सरकार, निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों सहित 900 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

भारत में आयोजित वर्ल्ड कॉफी कॉन्फ्रेंस की मुख्य थीम, मस्कट और एम्बेस्डर

इस साल के विश्व कॉफी सम्मेलन की मुख्य थीम 'Sustainability through Circular Economy and Regenerative Agriculture' (चक्रीय अर्थव्यवस्था और पुनर्योजी कृषि के माध्यम से स्थिरता) तय की गई थी। बता दें कि विश्व कॉफी सम्मेलन संवाद, ज्ञान आदान-प्रदान, नेटवर्किंग और उद्योग की चुनौतियों एवं अवसरों पर सहयोग के लिये विश्व में कॉफी

हितधारकों को एकजुट करता है। 5वें विश्व कॉफी सम्मेलन का आधिकारिक शुभंकर कॉफी स्वामी (Coffee Swami) था, यह भारतीय परंपरा की समकालीन अपील के साथ सहजता से जुड़ाव का प्रतीक है।

भारत में आयोजित वर्ल्ड कॉफी कॉन्फ्रेंस के लिए बायोडावर्सिटी एम्बेस्डर बनाए गए थे। इन पांच एम्बेस्डर के नाम ये रहे :- 1. Bee + Cassia Fistula, 2. Elephant + Bird of Paradise, 3. Indian Hare + Marigold, 4. Peacock + Neelkurunji और 5. Civet + Dahlia. वहीं इस कॉन्फ्रेंस के लिए ब्रांड एम्बेस्डर प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को बनाया गया था।

भारत में कॉफी की किन किस्मों को मिला है जीआई टैग?

2019 में भारतीय कॉफी की पांच किस्मों को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्रदान किया था। इससे पहले भारत की एक अनोखी विशिष्ट कॉफी 'मानसूनी मालाबार रोबस्टा कॉफी' को जीआई टैग दिया गया था। 2019 में जिन वैरायटी को जीआई टैग मिला उनके नाम इस प्रकार हैं :-

1. **कूर्ग अराबिका कॉफी-** यह मुख्यत: कर्नाटक के कोडागू जिले में उगायी जाती है।
2. **वायनाड रोबस्टा कॉफी-** यह मुख्यत: वायनाड जिले में उगायी जाती है, जो केरल के पूर्वी हिस्से में है।
3. **चिकमगलूर अराबिका कॉफी-** यह विशेष रूप से चिकमगलूर जिले में उगायी जाती है। यह दक्कन के पठार में स्थित है, जो कर्नाटक के मलनाड क्षेत्र से संबंधित है।
4. **अराकू वैली अराबिका कॉफी-** इसे आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम जिले और ओडिशा क्षेत्र की पहाड़ियों से प्राप्त कॉफी के तौर पर वर्णित किया जाता है। जनजातियों द्वारा तैयार की जाने वाली अराकू कॉफी के लिए जैव अवधारणा अपनायी जाती है जिसके तहत जैविक खाद एवं हरित खाद का बड़ी मात्रा में उपयोग किया जाता है और जैव कीटनाशक प्रबंधन से जुड़े तौर-तरीके अपनाये जाते हैं।
5. **बाबाबुदनगिरीज अराबिका कॉफी-** यह भारत में कॉफी के उद्गम स्थल में उगायी जाती है और यह क्षेत्र चिकमंगलूर जिले के मध्य क्षेत्र में मौजूद है। इसे हाथ से चुना जाता है और प्राकृतिक किण्वन द्वारा संसाधित किया जाता है। इसमें चॉकलेट सहित विशिष्ट फ्लेवर होता है। कॉफी की यह किस्म सुहावने मौसम में तैयार होती है। यही कारण है कि इसमें विशेष स्वाद और खुशबू होती है।

भारत में कॉफी कैसे आयी?

भारत में कॉफी कैसे आयी, इसको लेकर एक ऐतिहासिक कहानी बताई जाती है। कहा जाता है कि सन् 1600 ईस्वीं में पौराणिक धार्मिक संत बाबा बुदान द्वारा कर्नाटक के 'बाबा बूदान पहाड़' के अपने आश्रम के आंगन में 'मोचा' के 'सात बीजों' का रोपण किया गया था। मान्यता है कि यहीं से भारतीय कॉफी की कहानी शुरू हुई थी। ये पौधे काफी समय तक बागान में कौतूहल का विषय बने रहे। धीरे-धीरे ये आंगन में फैलने लगे। यही कारण है कि कर्नाटक के बाबा बुदान पहाड़ को भारतीय कॉफी की जन्मस्थली माना जाता है और इसी के आधार पर दक्षिण भारत को भारतीय कॉफी का पालना कहा जाता है।

भारत में कॉफी कहां-कहां उगाई जाती है?

कॉफी की खेती मुख्यत: भारत के दक्षिणी राज्यों में की जाती है, कर्नाटक में लगभग 54 प्रतिशत, केरल में करीब 19 प्रतिशत, तमिलनाडु में लगभग 8 प्रतिशत खेती होती है। वहीं गैर-परंपरागत क्षेत्रों जैसे कि आंध्रप्रदेश एवं ओडिशा (17.2 प्रतिशत) और पूर्वोत्तर राज्यों (1.8 प्रतिशत) में भी कॉफी उगायी जाती है। भारत में 3.66 लाख कॉफी किसानों द्वारा तकरीबन 4.54 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कॉफी उगायी जाती है।

अन्य प्रमुख जानकारी

- भारतीय कॉफी बोर्ड एक वैधानिक संगठन है, इसका गठन कॉफी अधिनियम, 1942 के तहत किया गया था। यह भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। भारतीय कॉफी बोर्ड में अध्यक्ष सहित कुल 33 सदस्य शामिल हैं, जो मुख्य कार्यकारी हैं और इसका संचालन बेंगलुरु से होता है। यह मुख्य रूप से कॉफी के लिये अनुसंधान, विस्तार, विकास और बाह्य और आंतरिक प्रचार के क्षेत्रों में कार्य करता है।
- बालेहोन्नूर (कर्नाटक) में कॉफी बोर्ड का एक केंद्रीय अनुसंधान संस्थान स्थित है।
- अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन (ICO) की स्थापना प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कॉफी समझौते, 1962 की मंजूरी के बाद वर्ष 1963 में संयुक्त राष्ट्र (UN) के समर्थन से की गई थी।
- कॉफी के पौधों के लिये ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की गर्म और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है, जबकि चाय की खेती ऊष्णकटिबंधीय एवं ऊपोष्णकटिबंधीय दोनों क्षेत्रों में की जा सकती है।
- आंकड़ों के अनुसार साल 2020-21 में कॉफी निर्यात में कुल 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई थी। भारत अब विश्व के प्रमुख कॉफी निर्यातकों में से एक बन गया है। भारत में अरेबिका और रोबस्टा दोनों ही कॉफी का उत्पादन किया जाता है। अरेबिका कॉफी की बिक्री इसके अच्छे स्वाद और कम कैफीन के कारण अधिक होती है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

निर्वाचन के घोषणा पत्र की अंतर्वस्तु के संबंध में दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया है। निर्णय में से उन निर्देशक सिद्धांतों को नीचे उद्धृत किया गया है जो दिशा-निर्देशों को तैयार करने का मार्ग प्रशस्त करेंगे:-

(i) हालांकि विधि स्पष्ट है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के अधीन निर्वाचन के घोषणा पत्र के प्रतिज्ञाओं को 'भ्रष्ट आचरण' नहीं समझा जा सकता है, इस वास्तविकता की उपेक्षा नहीं की जा सकती है कि किसी भी प्रकार के मुफ्त उपहारों का वितरण नि:संदेह सभी लोगों को प्रभावित करता है। यह स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचनों की जड़ों को काफी हद तक हिला कर रख देता है।

(ii) निर्वाचनों में निर्वाचन लड़ने वाले दलों और अभ्यर्थियों को समान अवसर प्रदान करने का सुनिश्चय करने के लिए और यह भी देखने के लिए कि निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल दल भ्रष्ट न हो जाए, निर्वाचन आयोग पहले भी आदर्श आचार संहिता के अधीन अनुदेश जारी करता रहा है। शक्तियों का वह स्रोत जिसके अधीन आयोग ये आदेश जारी करता है, वह संविधान का अनुच्छेद 324 है जो आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपता है।

(iii) हम इस तथ्य के प्रति सचेत रहते हैं कि आम तौर पर राजनीतिक दल निर्वाचन की तारीख की घोषणा से पहले अपना निर्वाचन घोषणा पत्र जारी कर देते हैं, उस परिदृश्य में, सच तो यह है कि निर्वाचन आयोग को तारीख की घोषणा से पहले किए गए किसी कार्य को विनियमित करने का प्राधिकार नहीं होगा। तथापि, इस बारे में एक अपवाद निर्मित किया जा सकता है क्योंकि निर्वाचन के घोषणा-पत्र का प्रयोजन प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ा है।

2. माननीय उच्चतम न्यायालय का उपर्युक्त निर्देश मिलने पर, निर्वाचन आयोग ने इस मामले में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्यीय राजनीतिक दलों से परामर्श के लिए उनके साथ एक बैठक आयोजित की और इस मामले में उनके परस्पर विरोधी दृष्टिकोणों को नोट किया गया। परामर्श के दौरान, कुछ राजनीतिक दलों ने ऐसी दिशा-निर्देशों के जारी होने का समर्थन किया, जबकि अन्य दलों की राय यह थी कि स्वस्थ लोकतांत्रिक शासन पद्धति में घोषणा पत्र में ऐसे प्रस्ताव और वचन देना मतदाताओं के प्रति उनका अधिकार और कर्तव्य है। यद्यपि आयोग इस दृष्टिकोण से सिद्धांतत: सहमत है कि घोषणा पत्र तैयार करना राजनीतिक दलों का अधिकार है, फिर भी आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचनों के संचालन और सभी राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों को समान अवसर प्रदान करने पर कुछ प्रस्तावों और वचनों के अवांछनीय प्रभावों की उपेक्षा नहीं कर सकता है।

3. संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को अन्य के साथ-साथ संसद और राज्य विधान मंडलों का निर्वाचन संचालित करने का अधिदेश देता है। उच्चतम न्यायालय के उपर्युक्त निर्देश को समुचित रूप से ध्यान में रखते हुए और राजनीतिक दलों के साथ परामर्श करने के बाद, स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचनों के हित में आयोग एतद्द्वारा निर्देश देता है कि राजनीतिक दल और अभ्यर्थी संसद या राज्य विधान मंडलों के किसी भी निर्वाचन के लिए निर्वाचन घोषणा पत्र जारी करते समय निम्नलिखित दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे -

(i) निर्वाचन घोषणा पत्र में संविधान में प्रतिष्ठापित आदर्शों और सिद्धांतों के विरुद्ध कुछ भी शामिल नहीं होगा और इसके अतिरिक्त यह आदर्श आचार संहिता के अन्य उपबंधों के साथ सुसंगत होगा।

(ii) संविधान में प्रतिष्ठापित राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत राज्य को नागरिकों के कल्याण के लिए विभिन्न उपाय तैयार करने का आदेश देते हैं और इसलिए निर्वाचन घोषणा पत्र में ऐसे कल्याण के वचनों के प्रति कोई आपत्ति नहीं हो सकती है। तथापि, राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से परहेज करना चाहिए जिससे निर्वाचन प्रक्रिया की पवित्रता दूषित हो सकती है या अपने मताधिकार का उपयोग करने में मतदाताओं पर अनुचित प्रभाव पड़ सकता है।

(iii) पारदर्शिता, समान अवसर और वादों की विश्वसनीयता के हित में, यह आशा की जाती है कि घोषणा पत्र में वादों की तार्किकता भी प्रतिबिंबित होगी और मोटेतौर पर इसके लिए आवश्यक वित्त प्राप्त करने के तरीके और साधन विस्तृत रूप से इंगित होंगे। केवल उन वादों पर मतदाताओं का भरोसा हासिल किया जाना चाहिए जिन्हें पूरा किया जाना संभव हो।

4. निर्वाचन (नों) के दौरान घोषणा-पत्र जारी करने की निषिद्ध अवधि

(i) एकल चरणीय निर्वाचनों के मामले में, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अंतर्गत यथा-विहित निषिद्ध अवधि के दौरान घोषणा-पत्र जारी नहीं किए जाएंगे।

(ii) बहु-चरणीय निर्वाचनों के मामले में, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अंतर्गत, निर्वाचनों के सभी चरणों के लिए यथा विहित निषिद्ध अवधियों के दौरान घोषणा-पत्र जारी नहीं किए जाएंगे।

उमा सोफीया श्रीवास्तव

मिस टीन यूएसए 2023 बनीं

मेक्सिकन इंडियन उमा सोफीया श्रीवास्तव 16 वर्ष की उम्र में मिस टीन यूएसए 2023 बन गई हैं। नेवादा में हुई प्रतियोगिता में 50 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। उमा सेंट एलिजाबेथ अकादमी में हाईस्कूल जूनियर की छात्रा हैं। अंग्रेजी, स्पेनिश, हिंदी और फ्रेंच बोलने वाली उमा संयुक्त राष्ट्र का राजदूत बनना चाहती हैं। उन्होंने 'द व्हाइट जगुआर' पुस्तक भी लिखी है और अपने ब्लॉग से युवाओं को संदेश भी देती हैं।

व्लादिमिर जेलेंस्की ने

नाटो महासचिव से की मुलाकात

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की ने पिछले सप्ताह यूक्रेन और नाटो गठबंधन के बीच सहयोग एवं मेल मिलाप पर चर्चा करने के लिए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग से मुलाकात की। यूक्रेन के राष्ट्रपति प्रेस विंग की ओर से यह जानकारी साझा की गई है। दोनों पक्षों ने रक्षा मुद्दों पर बातचीत भी की। इस दौरान यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को संभावित हमलों से बचाना और नाटो सदस्य देशों द्वारा यूक्रेन को अतिरिक्त वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति की संभावनाएं पर भी विचार विमर्श किया गया।

केविन मैक्कार्थी

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष पद से बेदखल

अमेरिकी संसद के रिपब्लिक सांसद केविन मैक्कार्थी को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। उनको पद से हटाने के लिए मतदान किया गया। अमेरिका के इतिहास में पहली बार इस तरह का मतदान हुआ है। इसी के साथ मैक्कार्थी मतदान के जरिए पद से हटाए जाने वाले पहले अध्यक्ष बन गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मैक्कार्थी ने कुल 269 दिनों तक हाउस स्पीकर के रूप में कार्य किया। यह अमेरिका के इतिहास में किसी स्पीकर का दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल है।

समुद्री तूफान

पर्यावरण परिवर्तन के चलते जल्द आएंगे

शोध पत्रिका नेचर में छपी रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण परिवर्तन की वजह से इस बार समुद्री तूफान जल्दी ही आएंगे। उनकी तीव्रता भी ज्यादा होगी। अमेरिका के मनोआ विश्वविद्यालय और शिन्हुआ विश्वविद्यालय के शोध के अनुसार 1980 से हर दशक में समुद्री तूफान 3 दिन पहले आ रहे हैं। तूफानों की यह बदल रही प्रवृत्ति गर्म हो रहे समुद्र, ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से हो रहा है। यह उत्सर्जन मानवीय गतिविधियों से हो रहा है।

मोहम्मद मुइज्जू

जीता मालदीव में राष्ट्रपति चुनाव

मालदीव में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव को मोहम्मद मुइज्जू ने जीत लिया है। उन्होंने निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह को हराया है। मोहम्मद मुइज्जू को 54 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। माले के मेयर रहे मुइज्जू को चीन समर्थित माना जाता है।

गूगल

मोबाइल पर देगा भूकंप का अलर्ट

भारत में गूगल द्वारा एक भूकंप अलर्ट (चेतावनी) सेवा शुरू की जा रही है। यह सेवा एंड्रायड स्मार्टफोन में सेंसर का उपयोग करके भूकंप का अनुमान और उसकी तीव्रता का पता लगाने का काम करेगी। गूगल ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के परामर्श के साथ भारत में एंड्रायड भूकंप अलर्ट सिस्टम पेश किया है। कंपनी के अनुसार यह भूकंप की स्वचालित चेतावनी देगा।

अफगानिस्तान ने

भारत में बंद किया अपना दूतावास

अफगानिस्तान ने भारत में अपने दूतावास के सभी ऑपरेशन्स रोक दिए हैं। दूतावास के अफसरों ने कहा कि भारत में अफगान दूतावास के राजदूत और वरिष्ठ राजनयिकों ने यूरोप और अमेरिका में शरण ले ली है। ज्ञात रहे कि 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद काबुल में भारत ने दूतावास बंद कर दिया था।

स्पेन

गुफा में मिले 6 हजार साल पुराने जूते

स्पेन की एक गुफा में 6 हजार साल पुराने जूते मिले हैं। एस्पार्टो घास के रेशे से बुने ये जूते यूरोप में पाए गए सबसे पुराने जूते हैं। ये आधुनिक एस्पैड्रिल जूते जैसे हैं। इनकी शानदार डिजाइन हैरान करती है। वैज्ञानिकों की यह खोज नवपाषाणकालीन पूर्वजों के अद्भुत स्किल और क्राफ्ट का बेहतरीन नमूना है, जो इतने सालों बाद भी सही सलामत है।

क्लॉडाइन गे

हार्वर्ड में पहली महिला अश्वेत प्रेसिडेंट

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की नई प्रेसिडेंट क्लॉडाइन गे विश्वविद्यालय का नेतृत्व करने वाली पहली अश्वेत महिला हैं। वर्ष 1640 में विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से क्लॉडाइन गे 30वीं प्रेसिडेंट हैं।

वाइस एडमिरल तरुण सोबती

नौसेना के उप प्रमुख बने

वाइस एडमिरल तरुण सोबती ने नौसेना के उप-प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। सोबती ने वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू की जगह ली है, जो 38 साल से अधिक की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। सोबती एक जुलाई 1988 को भारतीय नौसेना का हिस्सा बने थे।

यूक्रेन

ड्रोन के जरिए रूस की बिछाई माइन्स को डिफ्यूज कर रहा

यूक्रेन-रूस युद्ध में तकनीक का जितना इस्तेमाल हो रहा है वह इससे पहले कभी नहीं हुआ। यूक्रेन अब ड्रोन के जरिए मेटल डिटेक्टर से रूस की बिछाई लैंड माइन्स का पता लगाकर इसे डिफ्यूज कर रहा है। लैंड माइन्स की वजह से कई खेत खाली पड़े हैं। यूक्रेन इन लैंड माइन्स को हटाकर दोबारा वहां खेती शुरू कर रहा है।

गुलनारा करिमोवा

उज्बेकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति की बेटी पर घूस लेने का आरोप

स्विट्जरलैंड के लोक अभियोजकों ने उज्बेकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति इस्लाम करिमोवा की बेटी गुलनारा करिमोवा पर इंटरनेशनल क्राइम सिंडिकेट चलाने का आरोप लगाया है। गुलनारा के पिता ने उज्बेकिस्तान पर करीब चौथाई सदी तक शासन चलाया था। गुलनारा पर सैकड़ों मिलियन डॉलर की रकम रिश्वत के तौर पर लेने का आरोप है। उन्होंने यह रकम उज्बेकिस्तान के टेलीकॉम सेक्टर में कारोबारी फायदा पहुंचाने के एवज में ली थी।

रॉबर्ट फीको

बन सकते हैं स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री

यूरोपीय देश स्लोवाकिया में हुए आम चुनाव के नतीजे आ गए। रॉबर्ट फीको देश के नए प्रधानमंत्री बन सकते हैं। रॉबर्ट रूस समर्थक हैं, उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान ही ऐलान कर दिया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वह यूक्रेन को दी जा रही सैन्य मदद को बंद कर देंगे। 59 वर्षीय रॉबर्ट फीको चौथी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। गौरतलब है कि स्लोवाकिया ने यूक्रेन को सोवियत दौर के मिग-29 फाइटर जेट, एस-300 एयर डिफेंस सिस्टम दिया था।

मो बोबाट

आरसीबी के क्रिकेट निदेशक बने

इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के परफॉर्मेंस डायरेक्टर मो बोबाट को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले अपना क्रिकेट निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है। 40 वर्षीय बोबाट 12 वर्षों से ईसीबी के साथ हैं और 2019 से परफॉर्मेंस डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में इंग्लैंड ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच और वन-डे विश्वकप जीता था।

अमेजन में

सौ डॉल्फिन की हुई मौत

ब्राजील के अमेजन इलाके में एतिहासिक सूखा पड़ा है। यहां तालाबों और झीलों में पानी का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। कुछ जगहों पर पानी का तापमान 102 डिग्री फैरेनहाइट यानि 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो गया है। यहां की लेक टेफे में सौ से ज्यादा डॉल्फिन मरी मिली हैं। वैज्ञानिकों ने इसे असामान्य बताया है। दरअसल ऐतिहासिक सूखे के कारण अमेजन नदी के सूख जाने से नदी में रहने वाले जीवों पर असर पड़ रहा है और यही वजह है कि डॉल्फिन सूखे की चपेट में आ गईं।

अमेरिका का संसद सत्र

सिख ग्रंथी की प्रार्थना से शुरू हुआ

अमेरिका में पहली बार संसद सत्र की कार्यवाही एक सिख ग्रंथी की प्रार्थना से हुई जो आमतौर पर पादरी की प्रार्थना से होती है। न्यूजर्सी में गुरुद्वारा के ग्रंथी ज्ञानी जसविंदर सिंह ने प्रार्थना की। प्रतिनिधि सभा के स्पीकर ने सभा प्रार्थना से शुरू होने की घोषणा की। प्रार्थना के बाद सदन में जाते हुए सांसद डोनाल्ड नॉरक्रास ने इसे एतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इससे सिद्ध होता है कि अमेरिका धर्म की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का स्वागत करता है।

सिंगापुर में

कार लेने के लिए 87 लाख का सर्टिफिकेट

सिंगापुर में कार का मालिक होने के लिए खरीदार को एक सर्टिफिकेट की जरुरत होती है जिसकी कीमत कम से कम 87 लाख है। महामारी के बाद की रिकवरी ने कार की लागत बढ़ा दी है, जिसके चलते इस प्रमाण-पत्र की कीमत बढ़ गई है। बोली प्रक्रिया से पेश किए गए कोटा ने इसे कार खरीदने के लिए दुनिया का सबसे महंगा शहर बना दिया है।

फ्रांस

ओलिंपिक से पहले खटमलों से परेशान हुआ

फ्रांस इन दिनों खटमलों के आतंक से जूझ रहा है। फ्रांस में हर जगह खटमलों की संख्या बढ़ रही है। पेरिस और मार्सेले शहर इस समस्या से ज्यादा जूझ रहे हैं। 10 महीने पहले से खटमलों ने आतंक मचाना शुरू कर दिया है और ओलिंपिक आयोजन को लेकर फ्रांस की सरकार चिंतित है। फ्रांस में इस साल गर्मी के मौसम में फ्रांस के होटल्स और अन्य पर्यटन स्थलों पर ट्रेन-बसों और घरों में खटमल की तादाद बढ़ती रही है।

स्मृति शेष

ब्रिटिश फिल्म निर्देशक टेरेंस डेविस का निधन

ब्रिटिश फिल्म निर्माता टेरेंस डेविस (77) का निधन हो गया है। वह कुछ प्रभावशाली और गीतात्मक फिल्मों के लिए मशहूर थे। टेरेंस डेविस ने एक शिपिंग कार्यालय में क्लर्क और एक अकाउंटेंसी फर्म में एक मुनीम के रूप में काम किया। कई शॉर्ट फिल्में बनाने के बाद टेरेंस डेविस ने 1988 में 'डिस्टेंट वॉयस, स्टिल लाइव्स' के साथ लेखक-निर्देशक के रूप में अपना फीचर डेब्यू किया था।

प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन का निधन

गेहूं और चावल की उन्नत किस्में (एचवाइवी) विकसित कर देश में खेती की तस्वीर बदलने वाले प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन का 98 वर्ष की उम्र में चेन्नई में निधन हो गया। उन्हें देश में हरित क्रांति का जनक माना जाता है। भारत सरकार ने 1967 में पद्मश्री, 1972 में पद्म भूषण और 1989 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से किस महाद्वीप को पठारी महाद्वीप कहते हैं?
अ. एशिया महाद्वीप
ब. अफ्रीका महाद्वीप
स. उत्तर अमेरिका महाद्वीप
द. यूरोप महाद्वीप
उत्तर- ब. अफ्रीका महाद्वीप

2. निम्न में से कौन सी नदी गोदावरी नदी तंत्र का हिस्सा नहीं है?
अ. हासदेव नदी ब. वेनगंगा नदी
स. वर्धा नदी द. पेंच नदी
उत्तर- अ. हासदेव नदी

3. वैदिक काल में 'अयस' शब्द का प्रयोग निम्न में से किसके लिए किया गया है?
अ. लोहे के लिए
ब. तांबे व काँसे के लिए
स. सोने के लिए
द. चाँदी के लिए
उत्तर- ब. तांबे व काँसे के लिए

4. बत्तोबाई निम्न में से किस शिल्प के लिए विख्यात है?
अ. गुड़िया शिल्प
ब. कंघी शिल्प
स. मिट्टी शिल्प
द. कठपुतली शिल्प
उत्तर- अ. गुड़िया शिल्प

5. डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन को उनकी किस रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था?
अ. विश्वास बढ़ता ही गया
ब. हिल्लोल
स. मिट्टी की बारात
द. विंध्य हिमालय
उत्तर- स. मिट्टी की बारात

6. निम्नलिखित में से मध्यप्रदेश में आयुष्मान कार्ड बनाने में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने वाला पहला जिला बन गया है?
अ. भोपाल ब. इंदौर
स. झाबुआ द. मुरैना
उत्तर- ब. इंदौर

7. लुशाई पहाड़ियां कहां स्थित हैं?
अ. मिजोरम व त्रिपुरा में
ब. त्रिपुरा व सिक्किम में
स. मिजोरम व असम में
द. अरुणाचल व असम में
उत्तर- अ. मिजोरम व त्रिपुरा में

8. कृष्णापट्टनम बंदरगाह भारत के किस राज्य में स्थित है?
अ. कर्नाटक में ब. आंध्रप्रदेश में
स. तमिलनाडु में द. केरल में
उत्तर- ब. आंध्रप्रदेश में

9. मध्यप्रदेश में पेसा अधिनियम के तहत नए नियम कब लागू हुए?
अ. 1 नवंबर, 2022 को
ब. 15 नवंबर, 2022 को
स. 15 दिसंबर, 2022 को
द. 25 दिसंबर, 2022 को
उत्तर- ब. 15 नवंबर, 2022 को

10. निम्न में से किसका संबंध चुनाव आयोग से नहीं है?
अ. चुनाव की अधिसूचना जारी करना।
ब. चुनाव चिह्न का आवंटन करना।
स. मतदान का प्रबंधन करना।
द. मतदाता सूची तैयार करना।
उत्तर- अ. चुनाव की अधिसूचना जारी करना।

11. दक्षिण पश्चिम मानसून से निम्न में से किस स्थान पर सबसे कम वर्षा होती है?
अ. दिल्ली में ब. कोलकाता में
स. मुंबई में द. चेन्नई में
उत्तर- द. चेन्नई में

12. निम्न में से कौन सा तत्व रेडियोएक्टिव नहीं है?
अ. यूरेनियम ब. थोरियम
स. प्लूटोनियम द. सोडियम
उत्तर- द. सोडियम

13. निम्न में से ईरत क्या है?
अ. मध्यप्रदेश का लोकनृत्य
ब. मध्यप्रदेश का लोकगीत
स. मध्यप्रदेश की लोकचित्रकला
द. मध्यप्रदेश का लोकनाट्य
उत्तर- स. मध्यप्रदेश की लोकचित्रकला

14. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के द्वारा भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत शपथ ली जाती है?
अ. 124 (3)
ब. 124 (2)
स. 124 (6)
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. 124 (6)

15. वर्तमान में मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष कौन हैं?
अ. मनोहर ममतानी
ब. शिवराज सिंह चौहान
स. सचिन चतुर्वेदी
द. रविन्द्र पत्तार
उत्तर- स. सचिन चतुर्वेदी

16. ऑप्टिकल फाइबर का प्रयोग कहां किया जाता है?
अ. एक्सरे किरणों में
ब. सी.टी. स्केन में
स. संचार में
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. संचार में

17. निम्न में से कौन सी फसल मिलेट्स के अंतर्गत नहीं है?
अ. रागी ब. ज्वार
स. बाजरा द. चावल
उत्तर- द. चावल

18. खम्ब स्वांग विशेष रूप से किस जनजाति का लोकनाट्य है?
अ. भील का ब. सहरिया का
स. कोरकू का द. गोंड का
उत्तर- स. कोरकू का

19. राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान कहां स्थित है?
अ. चेन्नई में ब. पुणे में
स. हैदराबाद में द. सूरत में
उत्तर- अ. चेन्नई में

20. निम्न में से कौन अक्षय ऊर्जा का स्रोत नहीं है?
अ. यूरेनियम ब. पवन ऊर्जा
स. जल ऊर्जा द. बायोगैस
उत्तर- अ. यूरेनियम

21. मानवरक्त को रुधिर वहिकाओं में जमने से किसके द्वारा रोका जाता है?
अ. फाइब्रिनोजन
ब. हिपेरिन
स. मोनोसाइट
द. सेरोटोनिन
उत्तर- ब. हिपेरिन

22. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में विभिन्न राज्यों से संबंधित विशिष्ट प्रावधान का उल्लेख है?
अ. अनुच्छेद 369 में
ब. अनुच्छेद 370 में
स. अनुच्छेद 371 में
द. अनुच्छेद 372 में
उत्तर- स. अनुच्छेद 371 में

23. भारत का एकमात्र शीत मरुस्थल कौन सा है?
अ. लाचेन ब. लद्दाख
स. चम्बा द. पूर्वी कामेंग
उत्तर- ब. लद्दाख

24 मध्यप्रदेश में गठित प्रथम राज्य वित्त आयोग का कार्यकाल कब से कब तक रहा?
अ. वर्ष 1994 से 1999 तक
ब. वर्ष 1995 से 2000 तक
स. वर्ष 1996 से 2001 तक
द. वर्ष 1997 से 2002 तक
उत्तर- स. वर्ष 1996 से 2001 तक

25. माधवगढ़ का किला मध्यप्रदेश में किस स्थान पर स्थित है?
अ. सतना ब. उमरिया
स. शहडोल द. शिवपुरी
उत्तर- अ. सतना

26. निम्नलिखित में से किस नदी पर विक्टोरिया जलप्रपात अवस्थित है?
अ. जायरे नदी ब. जाम्बेजी नदी
स. ऑरेंज नदी द. लिम्पोपो नदी
उत्तर- ब. जाम्बेजी नदी

27. पर्यावरण संरक्षण के लिए 'ग्रीन आर्मी प्रोग्राम' किस देश द्वारा प्रारंभ किया गया था?
अ. न्यूजीलैंड ने ब. भारत ने
स. ऑस्ट्रेलिया ने द. भूटान ने
उत्तर- स. ऑस्ट्रेलिया ने

28. निम्न में से किसमें ऊंचाई के साथ तापमान में अचानक (एकाएक) गिरावट होती है?
अ. समतापमंडल में
ब. मध्यमंडल में
स. क्षोभमंडल में
द. आयनमंडल में
उत्तर- ब. मध्यमंडल में

29. यदि पृथ्वी पर पाई जाने वाली समस्त वनस्पतियां समाप्त हो जाएं, तो किस गैस की सर्वाधिक कमी होगी?
अ. कार्बन डाईऑक्साइड की
ब. ऑक्सीजन की
स. नाइट्रोजन की
द. ऑर्गन की
उत्तर- ब. ऑक्सीजन की

30. भारत का एक नेशनल पार्क है जो टाइगर रिजर्व भी है तथा जिसकी जलवायु उष्णकटिबंधीय से उपोष्ण, शीतोष्ण और आर्कटिक तक परिवर्तित होती है?
अ. नामदफा ब. बांधवगढ़
स. कार्बेट द. सरिस्का
उत्तर- अ. नामदफा

31. मौर्यकाल में पौतवाध्यक्ष किस विभाग का प्रमुख था?
अ. राज्य व्यापार नियंत्रक विभाग
ब. बंदरगाह नियंत्रक विभाग
स. राजसी भूमि का विभाग
द. माप-तौल नियंत्रक विभाग
उत्तर- द. माप-तौल नियंत्रक विभाग

32. कश्मीर की महत्वाकांक्षी शासिका 'रानी दिद्दा' का संबंध किस वंश से है?
अ. वाकाटक वंश ब. उत्पल वंश
स. मौखरी वंश द. काकतीय वंश
उत्तर- ब. उत्पल वंश

33. मध्यप्रदेश के विदिशा में स्थित गरुड़ स्तंभ का संबंध किस धर्म से है?
अ. भागवत धर्म ब. शैव धर्म
स. जैन धर्म द. बौद्ध धर्म
उत्तर- अ. भागवत धर्म

34. नायंगर व्यवस्था का संबंध किस साम्राज्य से है?
अ. बहमनी साम्राज्य से
ब. अहमद साम्राज्य से
स. विजय नगर साम्राज्य से
द. चोल साम्राज्य से
उत्तर- स. विजय नगर साम्राज्य से

35. सिखों के किस गुरु ने खालसा पंथ की स्थापना की?
अ. गुरु नानक देव
ब. गुरु गोविंद सिंह
स. गुरु तेगबहादुर
द. गुरु अर्जुनदेव
उत्तर- ब. गुरु गोविंद सिंह

36. त्रिपुरी अधिवेशन के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के पश्चात् सर्वप्रथम सुभाष चंद्र बोस द्वारा निम्न में से किसकी स्थापना की गई?
अ. इंडिया इंडिपेंडेंस लीग की
ब. आजाद हिन्द फौज की
स. फारवर्ड ब्लॉक की
द. अस्थायी सरकार की
उत्तर- स. फारवर्ड ब्लॉक की

37. बिंदुसार किस धर्म/पंत का अनुयायी था?
अ. चार्वाक ब. आजीवक
स. ब्राह्मण द. बौद्ध
उत्तर- ब. आजीवक

38. भीमानायक का जन्म मध्यप्रदेश के वर्तमान किस जिले में हुआ?
अ. खंडवा ब. खरगोन
स. अलीराजपुर द. बड़वानी
उत्तर- द. बड़वानी

39. पेमा फात्या का संबंध पिथौरा से है, पिथौरा क्या है?
अ. जनजातीय युवागृह
ब. भील चित्रकला
स. भीलों का त्योहार
द. जनजातीय लोकनृत्य
उत्तर- ब. भील चित्रकला

40. मध्यप्रदेश में सबसे कम समय तक रहने वाले राज्यपाल कौन है?
अ. श्री. के.एम. चांडी
ब. डॉ. बी.पट्टाभि सीतारमैया
स. डॉ. बलराम जाखड़
द. श्री के.सी. रेड्डी
उत्तर- ब. डॉ. बी.पट्टाभि सीतारमैया

41. लोकरंग समारोह मध्यप्रदेश में कहां मनाया जाता है?
अ. इंदौर में ब. खजुराहो में
स. भोपाल में द. मैहर में
उत्तर- स. भोपाल में

42. औलिकर वंश का संबंध मध्यप्रदेश के किस स्थान से संबंध है?
अ. खजुराहो से ब. रीवा से
स. बालाघाट से द. मंदसौर से
उत्तर- द. मंदसौर से
व्याख्या- दशपुर अभिलेख से जानकारी प्राप्त होती है कि औलिकर वंश का सबसे प्रतापी शासक यशोधर्मन था। जिसका दशपुर (मंदसौर) में शासन था।

43 गुप्तकालीन मंदिर खोह, मध्यप्रदेश में किस जिले में स्थित है?
अ. उज्जैन ब. सतना
स. पन्ना द. अनूपपुर
उत्तर- ब. सतना

44. जंगल सत्याग्रह का संबंध किस भारतीय आंदोलन से है?
अ. स्वदेशी आंदोलन से
ब. असहयोग आंदोलन से
स. सविनय अवज्ञा आंदोलन से
द. भारत छोड़ो आंदोलन से
उत्तर- स. सविनय अवज्ञा आंदोलन से

45. मध्यप्रदेश के किस दुर्ग में तीनों बादल महल, रोहित महल तथा इत्रदार महल स्थित है?
अ. ग्वालियर दुर्ग
ब. मण्डला दुर्ग
स. रायसेन दुर्ग
द. बांधवगढ़ दुर्ग
उत्तर- स. रायसेन दुर्ग

46. मड़ई पर्व किस जनजाति द्वारा मनाया जाता है?
अ. गोंड जनजाति द्वारा
ब. बेगा जनजाति द्वारा
स. भील जनजाति द्वारा
द. कोरकू जनजाति द्वारा
उत्तर- अ. गोंड जनजाति द्वारा

- सुजय जैन
(लेखिक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं)

आदर्श आचरण संहिता लागू होते सक्रिय हुई एफएसटी और पुलिस की टीम

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर प्रदेश में 9 अक्टूबर से आचार संहिता पूरी तरह प्रभावशील हो गई है। आचार संहिता के लागू होते ही स्वतंत्र व निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए जिलों में गठित उड़नदस्ता दल (एफएसटी) एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई तेज कर दी है। संयुक्त टीम ने नगद राशि, अवैध शराब, मादक पदार्थ सहित अमूल्य धातु पर बड़ी कार्रवाई कर जब्ती बनाई है, जिसकी कीमत एक करोड़ 81 लाख 97 हजार 930 रुपये है। संयुक्त टीम ने एक दिन में रुपये 14 लाख 90 हजार 320 मात्र नगद जब्त किए हैं। रुपये 13 लाख 50 हजार 405 मात्र की 5915.69 लीटर अवैध शराब, रुपये 22 लाख 68 हजार 910 मात्र के मादक पदार्थ, रुपये 85 लाख मात्र की अमूल्य धातु, रुपये 1 लाख 37 हजार 600 मात्र कीमत की विभिन्न सामग्रियां जब्त की गई हैं।

आबकारी विभाग ने प्रदेश भर में अवैध शराब व महुआ लहान की जब्ती संबंधी बड़ी कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने रुपये 10 लाख 67 हजार 495 मात्र की कीमत की 3 हजार 999 लीटर अवैध शराब और रुपये 33 लाख 83 हजार 200 मात्र के महुआ लहान पर भी कार्रवाई की है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

अर्थशास्त्र

1. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता अनधिमान वक्र उपागम की नहीं है?
अ. उपभोक्ता वस्तु एवं सेवाओं के संयोगों के बीच अधिमान वक्र सुनिश्चित करने में सक्षम है।
ब. अधिमान वक्र सुसंगत है।
स. उपभोक्ता कम की तुलना में वस्तुओं की अधिक मात्रा पसंद करता है।
द. उपभोक्ता उपयोगिता को मापने में सक्षम है।
उत्तर- द. उपभोक्ता उपयोगिता को मापने में सक्षम है।

2. गिफिन वस्तुओं के मामलों में कौन सा कथन सत्य है?
अ. इनका स्थानापन्न प्रभाव ऋणात्मक होता है।
ब. इनका आय प्रभाव धनात्मक होता है।
स. आय प्रभाव स्थानापन्न प्रभाव से ज्यादा शक्तिशाली है।
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- स. आय प्रभाव स्थानापन्न प्रभाव से ज्यादा शक्तिशाली है।

3. श्रम की मांग एक व्युत्पन्न मांग होती है, क्योंकि यह निर्भर करती है?
अ. श्रम आपूर्ति की लोच पर
ब. अन्य उत्पादन साधनों की मांग पर
स. मजदूरी दर पर
द. श्रम द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग पर
उत्तर- द. श्रम द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग पर

4. कोण प्रमेय किससे संबंधित है?
अ. बाह्यताओं के आन्तरीकरण से।
ब. सार्वजनिक वस्तुओं के कीमत निर्धारण से।
स. सुपरिभाषित तथा विनिमय सम्पत्ति अधिकारों के रूप में बाह्यताओं की समस्या का समाधान।
द. उपरोक्त सभी।
उत्तर- स. सुपरिभाषित तथा विनिमय सम्पत्ति अधिकारों के रूप में बाह्यताओं की समस्या का समाधान।

5. गरीबी के 'सेन माप' के बारे में कहा जाता है कि वह मात्र सम्पत्ति वितरण की अपेक्षा कल्याण वितरण को मापता है क्योंकि?
अ. यह गरीबों को न्यूनतम जीवन स्तर के रूप में परिभाषित करता है।
ब. यह एक परिवार की ऊर्जा आवश्यकता को मापता है।
स. यह सर्वव्यापी मानव कल्याण को दर्शाता है।
द. यह गरीबी रेखा से नीचे प्रत्येक व्यक्ति की आय में कमी को मापता है।
उत्तर- द. यह गरीबी रेखा से नीचे प्रत्येक व्यक्ति की आय में कमी को मापता है।

6. यदि अन्य वस्तुओं की तुलना में खाद्य कीमतें अधिक तेजी से बढ़ती हैं, तो कृषि श्रमिकों हेतु उपभोक्ता कीमत सूचकांक, नगरीय गैर श्रमिकों हेतु उपभोक्ता कीमत सूचकांक की तुलना में किस दर से बढ़ता है?
अ. मन्द गति
ब. तेज गति
स. स्थिर गति
द. अनिश्चित
उत्तर- ब. तेज गति

7. किस प्रकार की बेरोजगारी में सीमान्त उत्पादकता शून्य या उसके निकट होती है?
अ. प्रच्छन्न बेरोजगारी
ब. मौसमी बेरोजगारी
स. संरचनात्मक बेरोजगारी
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- अ. प्रच्छन्न बेरोजगारी

8. मान लेते हैं कि उपभोक्ता कुछ सीमा तक स्थानापन्न वस्तुओं X तथा Y का उपयोग करता है तथा X वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। वस्तु X के लिये उपभोक्ता की मांग की प्रकृति क्या है, यदि वह X वस्तु पर अपने व्यय को घटा देता है?
अ. एकक लोचनीय
ब. पूर्णतः लोचनीय
स. लोचनीय
द. अलोचनीय
उत्तर- स. लोचनीय

9. उपभोक्ता अधिशेष अधिकतम किस प्रतियोगिता में रहता है?
अ. विभेदात्मक एकाधिकार में
ब. एकाधिकारी प्रतियोगिता में
स. एक कीमत एकाधिकार में
द. पूर्ण प्रतियोगिता में
उत्तर- द. पूर्ण प्रतियोगिता में

10. निम्नलिखित में से कौन सा, साधन लागतों पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद में शामिल नहीं है?
अ. अवितरित लाभ
ब. स्थिर पूंजी का उपभोग
स. ब्याज
द. लगान
उत्तर- ब. स्थिर पूंजी का उपभोग

11. यदि 500 रुपये के मूल्य के गन्नों से 1000 रुपये मूल्य का रस तैयार होता है, जिसमें 100 रुपये मजदूरी तथा 100 रुपये का अन्य समान उपयोग में आता है। इस प्रक्रिया में अगर मशीनों का अवक्षय शून्य है तो मूल्य वृद्धि कितनी होगी?
अ. 500 रुपये ब. 300 रुपये
स. 700 रुपये द. 1000 रुपये
उत्तर- ब. 300 रुपये

12. एक ही कीमत लगाने वाले एकाधिकारी की तुलना में एक विभेदात्मक एकाधिकारी को निम्न में से क्या प्राप्त नहीं होगा?
अ. अधिक आगम एवं अधिक लाभ
ब. अधिक उत्पादन एवं अधिक आगम
स. अधिक लाभ एवं अधिक उत्पादन
द. कम उत्पादन किन्तु अधिक लाभ
उत्तर- द. कम उत्पादन किन्तु अधिक लाभ

13. यदि मुद्रा पूर्ति बढ़ जाती है तो IS-LM में क्या परिवर्तन होते हैं?
अ. LM वक्र दाहिनी ओर विवर्तित होता है।
ब. IS वक्र दाहिनी ओर विवर्तित होता है।
स. IS और LM वक्र दाहिनी ओर विवर्तित होते हैं।
द. LM वक्र में कोई परिवर्तन नहीं होता है।
उत्तर- अ. LM वक्र दाहिनी ओर विवर्तित होता है।

14. मुद्रा के प्रचलन वेग को क्या प्रभावित नहीं करता है?
अ. मुद्रा की मात्रा
ब. ऋण सुविधायें
स. व्यापारिक परिस्थितियां
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. मुद्रा की मात्रा

15. कीमत प्रभाव का स्लट्स्की वियोजन निम्नलिखित में से किसके पूर्व ज्ञान के बिना सम्भव नहीं है?
अ. मांग की आय लोच
ब. मांग की कीमत लोच
स. प्रतिस्थापन लोच
द. मांग की तिर्यक लोच
उत्तर- द. मांग की तिर्यक लोच

16. भारत में राष्ट्रीय आय का आकलन?
अ. केवल निवल आय विधि पर आधारित है।
ब. केवल निवल उत्पादन विधि पर आधारित है।
स. निवल आय, निवल उत्पादन तथा निवल व्यय विधियों पर आधारित है।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. निवल आय, निवल उत्पादन तथा निवल व्यय विधियों पर आधारित है।

17. प्रबल प्रयास का आर्थिक विकास का सिद्धांत किससे संबंधित है?
अ. रोडान ब. सिंगर
स. लुईस द. नर्क्स
उत्तर- अ. रोडान

18. एक वस्तु की कीमत नीचे नहीं जाती है, जब?
अ. केवल पूर्ति वक्र दाहिनी ओर स्थानान्तरित होता है।
ब. केवल पूर्ति वक्र बाईं ओर स्थानान्तरित होता है।
स. केवल मांग वक्र दाईं ओर स्थानान्तरित होता है।
द. उपरोक्त सभी में
उत्तर- ब. केवल पूर्ति वक्र बाईं ओर स्थानान्तरित होता है।

19. दो बाजारों में अलग-अलग कीमतों पर सामान बेचने वाला एकाधिकारी उस बाजार में अधिक कीमत रखता है?
अ. मांग की कीमत लोच अधिक होगी।
ब. पूर्ति की कीमत लोच अधिक होगी।
स. मांग की कीमत लोच कम होगी।
द. पूर्ति की कीमत लोच कम होगी।
उत्तर- स. मांग की कीमत लोच कम होगी।

20. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत दीर्घकाल में एक फर्म स्थिर संतुलन में होगी यदि कीमत?
अ. सीमान्त आगम के बराबर है
ब. सीमान्त लागत के बराबर है
स. औसत स्थिर लागत के बराबर है
द. औसत परिवर्तनशील लागत के बराबर है
उत्तर- अ. सीमान्त आगम के बराबर है

21. एक बन्द अर्थव्यवस्था में दो अवधियों के बीच बचत प्रकृति तीन गुनी हो जाती है, जबकि निवेश स्तर वही बना रहता है, परिणामस्वरूप?
अ. बचतें तीन गुनी हो जाती हैं
ब. राष्ट्रीय आय तीन गुनी हो जाती है
स. राष्ट्रीय आय समान रहती है
द. बचत समान रहती है
उत्तर- अ. बचतें तीन गुनी हो जाती हैं

22. निम्न में से कौन सा एक संरक्षण की प्रभावी दर है?
अ. शुल्क लगाने वाले देश में आय एवं रोजगार के स्तर पर शुल्क का प्रभाव।
ब. दिये गये विनिमय दर पर मुक्त व्यापार स्थिति की तुलना में लगे हुये शुल्क के परिणामस्वरूप एक उद्योग के प्रति इकाई उत्पाद में अतिरिक्त मूल्य में प्रतिशत वृद्धि।
स. अन्तिम उत्पाद के आयात मूल्य पर शुल्क की सरकारी मौद्रिक दर।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. दिये गये विनिमय दर पर मुक्त व्यापार स्थिति की तुलना में लगे हुये शुल्क के परिणामस्वरूप एक उद्योग के प्रति इकाई उत्पाद में अतिरिक्त मूल्य में प्रतिशत वृद्धि।

23. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?
अ. एक फर्म का दीर्घकालीन औसत लागत वक्र, लघुकालीन औसत लागत वक्रों की श्रृंखला से व्युत्पन्न होता है।
ब. अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन औसत लागत वक्रों के बीच में कोई संबंध नहीं है।
स. दीर्घकालीन कुल लागत, दीर्घकालीन स्थिर तथा दीर्घकालीन औसत लागतों का योग होती है।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. एक फर्म का दीर्घकालीन औसत लागत वक्र, लघुकालीन औसत लागत वक्रों की श्रृंखला से व्युत्पन्न होता है।

24. निम्नलिखित में से कौन सा एक समकोणीय अतिपरवलय से प्रदर्शित किया जाता है?
अ. औसत परिवर्तनशील लागत वक्र।
ब. औसत स्थिर लागत वक्र।
स. औसत कुल लागत वक्र
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- ब. औसत स्थिर लागत वक्र।

25. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का हेक्शचर ओहलिन सिद्धांत की निम्न में से कौन सी अवधारणा नहीं है?
अ. देश के भीतर उत्पादन साधन गतिशील है।
ब. देश के भीतर उत्पादन साधन गतिशील नहीं है।
स. अन्तर्राष्ट्रीय रूप से उत्पादन साधन गतिशील है।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं।
उत्तर- ब. देश के भीतर उत्पादन साधन गतिशील नहीं है।

26. उत्पादन साधनों का समकरण प्रमेय किसका एक उपप्रमेय है?
अ. हेक्शचर ओहलिन प्रमेय का
ब. रिकार्डो के व्यापार प्रमेय का
स. व्यापार के अपूर्ण प्रतियोगिता मॉडल का
द. व्यापार के पूर्ण प्रतियोगिता मॉडल का
उत्तर- अ. हेक्शचर ओहलिन प्रमेय का

27. निम्नलिखित मदों में से कौन सी एक मद किसी देश के भुगतान शेष के पूंजी खाते में सम्मिलित होती है?
अ. निवेश आय
ब. अदृश्य मदें
स. वाणिज्यिक उधार
द. निजी हस्तांतरण
उत्तर- स. वाणिज्यिक उधार

28. निम्नलिखित में से कौन सा संगठन विश्व बैंक का संबंध संगठन नहीं है?
अ. अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम
ब. अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ
स. बहुपक्षीय निवेश गारन्टी एजेन्सी
द. एशियाई विकास बैंक
उत्तर- द. एशियाई विकास बैंक

29. एक अर्थव्यवस्था में मुद्रा गुणांक?
अ. जनता की बैंकिंग आदत में सुधार से बढ़ जाता है।
ब. वैधानिक तरलता अनुपात में वृद्धि से बढ़ जाता है।
स. नगदी रिज़र्व अनुपात में वृद्धि से बढ़ जाता है।
द. देश की जनसंख्या में वृद्धि से बढ़ जाता है।
उत्तर- अ. जनता की बैंकिंग आदत में सुधार से बढ़ जाता है।

30. जिन उद्योगों में पैमाने के वर्तमान प्रतिफल प्राप्त होते हैं और वे इष्टतम उपलब्धि के लिये सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा संचालित हैं, उनमें-
अ. केवल उपभोक्ता को उपदान प्राप्त होना आवश्यक है।
ब. उद्योग पर कर लगना आवश्यक है।
स. उपभोक्ता पर कर लगना और उत्पादक को उपदान मिलना आवश्यक है।
द. उपभोक्ता को उपदान मिलना और उत्पादक पर कर लगना आवश्यक है।
उत्तर- द. उपभोक्ता को उपदान मिलना और उत्पादक पर कर लगना आवश्यक है।

31. नाबार्ड (NABARD) का प्रमुख कार्य है?
अ. जनता को ऋण प्रादान करना
ब. जनता से जमायें स्वीकार करना
स. सरकारी प्रतिभूतियों में सौदे करना।
द. ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिये व्यापारिक, सहकारी और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को पुनर्वित्त प्रदान करना।
उत्तर- द. ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिये व्यापारिक, सहकारी और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को पुनर्वित्त प्रदान करना।

32. गरीबी के दुश्क्र के विचार का प्रतिपादन किया?
अ. नर्कसे ने ब. सिंगर ने
स. सेन ने द. मार्शल ने
उत्तर- अ. नर्कसे ने

- डॉ.माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एवं कर्मचारी चयन मण्डल की परीक्षाओं हेतु

सामान्य ज्ञान

1. निम्न में से किस अनुच्छेद में वस्तु और सेवा कर परिषद् का उल्लेख किया गया?
अ. अनुच्छेद 279
ब. अनुच्छेद 280
स. अनुच्छेद 279 ए
द. अनुच्छेद 269 ए
उत्तर- स. अनुच्छेद 279 ए

2. भारत के संविधान का कौन सा प्रावधान भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम द्वारा परिपूरित किए जाते हैं?
अ. मौलिक अधिकार
ब. मौलिक कर्तव्य
स. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- स. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत

3. भारत शासन अधिनियम 1919 के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन असत्य है?
अ. केंद्रीय और प्रांतीय विधान परिषदों को अपनी सूचियों के विषयों पर विधान बनाने का अधिकार प्रदान किया गया।
ब. इसने प्रांतीय विषयों को 'हस्तांतरित और आरक्षित' दो भागों में विभक्त किया।
स. इसने पहली बार केंद्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग कर दिया।
द. इनमें से कोई नही
उत्तर- द. इनमें से कोई नहीं

4. अनुच्छेद-213 का संबंध है?
अ. राज्यपाल के अध्यादेश जारी करने की शक्ति।
ब. राज्यपाल की क्षमादान शक्ति से।
स. राज्य के महाधिवक्ता से।
द. राज्यपाल के विशेष सम्बोधन से।
उत्तर- अ. राज्यपाल के अध्यादेश जारी करने की शक्ति।

5. पीतलखोरा की गुफाएं कहां अवस्थित हैं?
अ. मध्यप्रदेश
ब. महाराष्ट्र
स. ओडिशा द. आन्ध्रप्रदेश
उत्तर- ब. महाराष्ट्र

6. प्रसिद्ध विजय विट्ठल मंदिर जिसके स्तम्भों से संगीतमय स्वर निकलते हैं, कहां अवस्थित है?
अ. वेल्लूर
ब. भद्राचलम्
स. हम्पी
द. श्रीरंगम
उत्तर- स. हम्पी

7. मन्दसौर स्तम्भ का निर्माण किस शासक द्वारा अपनी हूणों पर विजय के उपलक्ष्य में करवाया गया था?
अ. स्कन्दगुप्त ब. यशोवर्मन
स. नरसिम्ह गुप्त द. हर्षवर्धन
उत्तर- ब. यशोवर्मन

8. सित्तनवासल की चित्रकला का संबंध किस धर्म से है?
अ. हिन्दू ब. जैन
स. बौद्ध द. स्पष्ट नहीं है
उत्तर- ब. जैन

9. सम्रिया/सत्रिया शास्त्रीय नृत्य का संबंध किस राज्य से है?
अ. मणिपुर ब. आंध्रप्रदेश
स. असम द. उत्तरप्रदेश
उत्तर- स. असम

10. बौद्ध संगीतियों के संदर्भ में कौन सा सुमेलित नहीं है?
अ. प्रथम संगीति - सुत्त एवं विनय पिटक का संकलन
ब. द्वितीय संगीति- स्थविर एवं महासंघिक का उदय
स. तृतीय संगीति - हीनयान व महायान में विभाजन
द. चतुर्थ संगीति - महाविभाषा ग्रंथ की रचना
उत्तर- स. तृतीय संगीति - हीनयान व महायान में विभाजन

11. निम्न में से किसे 'नित्यवादी' सम्प्रदाय का प्रणेता माना जाता है?
अ. मक्खलि गोशाल
ब. अजित केशकम्बलिन
स. पकुधकच्चायन
द. संजय वेलट्ठपुत
उत्तर- स. पकुधकच्चायन

12. हथौड़े को हत्थे में कसने के लिए हत्थे को जमीन पर मारना गति के किस नियम पर आधारित अनुप्रयोग है?
अ. प्रथम
ब. द्वितीय
स. तृतीय
द. गति के नियम से संबंधित नहीं
उत्तर- अ. प्रथम

13. सेबी की स्थापना किस समिति की सिफारिश पर हुई थी?
अ. दामोदर समिति
ब. मल्होत्रा समिति
स. केलकर समिति
द. नरसिम्हन समिति
उत्तर- द. नरसिम्हन समिति

14. देश का पहले निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क की स्थापना कहां हुई थी?
अ. जयपुर ब. अहमदाबाद
स. चेन्नई द. बेंगलुरू
उत्तर- अ. जयपुर

15. निम्न में से किस पंचवर्षीय योजना की सर्वोच्च प्राथमिकता मानव संसाधन का विकास करना था?
अ. आठवीं
ब. सातवीं
स. नौवीं
द. ग्यारहवीं
उत्तर- अ. आठवीं

16. 'योजना' पत्रिका का प्रकाशन किस मंत्रालय द्वारा होता है?
अ. गृह मंत्रालय
ब. वित्त मंत्रालय
स. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

17. निम्न में से कौन सी रचना पंडित बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' द्वारा लिखित नहीं है?
अ. त्रिकाल संध्या ब. प्राणार्पण
स. कुमकुम द. रशिम रेखा
उत्तर- अ. त्रिकाल संध्या

18. निम्न में से किस जनजाति को 'बुनका जनजाति' कहा जाता है?
अ. खैरवार ब. पनिका
स. उराँव द. बैंजारा
उत्तर- ब. पनिका

19. मध्यप्रदेश के किस स्थान पर 'रहस मेला' का आयोजन किया जाता है?
अ. मंडला ब. गुना
स. सागर द. रतलाम
उत्तर- स. सागर (गढ़ाकोटा)

20. 'जिंदवा' नामक लोकनाट्य किस स्थान से मुख्यतः संबंधित है?
अ. मालवा ब. निमाड़
स. बुंदेलखंड द. बघेलखंड
उत्तर- द. बघेलखंड

21. निम्न में से कौन सी चित्रकला का संबंध मालवा क्षेत्र से नहीं है?
अ. दिवासा ब. चित्रावण
स. सवनाही द. सुरैती
उत्तर- द. सुरैती

22. 'संजय डुबरी अभयारण्य' मध्यप्रदेश के किस जिले में अवस्थित है?
अ. सीधी ब. सागर
स. शहडोल द. मण्डला
उत्तर- अ. सीधी

23. 'आत्मसम्मान आंदोलन' निम्न में से किसके द्वारा चलाया गया?
अ. ई.वी. रामास्वामी पेरियार
ब. भास्कर राव जाधव
स. के. अयप्पन
द. सी. केसवन
उत्तर- अ. ई.वी. रामास्वामी पेरियार

24. खोसला समिति का संबंध निम्न में से किससे है?
अ. सरदार सरोवर परियोजना
ब. केन-बेतवा लिंक परियोजना
स. GST से
द. गरीबी रेखा सूचकांक से
उत्तर- अ. सरदार सरोवर परियोजना से

25. चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के किस अभिलेख में सूखा पीड़ित प्रजा को राहत देने की बात कही गई है?
अ. मास्की ब. सोहगौरा
स. जूनागढ़ द. नेतुर
उत्तर-ब. सोहगौरा अभिलेख

26. 'मोठ की मस्जिद' का निर्माण किस शासक के वजीर मियां भोइया द्वारा किया गया था?
अ. बहलोल लोदी ब. सिकंदर लोदी
स. इब्राहिम लोदी द. मुबारक शाह
उत्तर- ब. सिकंदर लोदी

27. निम्न में से किस सिख गुरु द्वारा खालसा पंथ की स्थापना की गई थी?
अ. गुरु अमरदास
ब. गुरु अर्जुन देव
स. गुरु गोविंद सिंह
द. गुरु तेगबहादुर
उत्तर- स. गुरु गोविंद सिंह

28. 'नेटिव मैरिज एक्ट' किस वर्ष पारित हुआ?
अ. 1870 ब. 1930
स. 1829 द. 1872
उत्तर- द. 1872

29. 1916 में लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता किसके द्वारा की गई?
अ. रास बिहारी घोष
ब. अम्बिका चरण मजूमदार
स. सी.आर. दास
द. अबुल कलाम आजाद
उत्तर- ब. अम्बिका चरण मजूमदार

30. 'द इंडियन वार ऑफ इण्डिपेन्डेन्स' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
अ. वी.डी. सावरकर
ब. दीनबंधु मित्रा
स. भूपेन्द्र दत्त
द. सी.आर. दास
उत्तर- अ. वी.डी. सावरकर

31. 'ताना भगत आंदोलन' मुख्यतः किस क्षेत्र से संबंधित है?
अ. बंगाल ब. पंजाब
स. बिहार द. महाराष्ट्र
उत्तर- स. बिहार (छोटा नागपुर इलाका वर्तमान झारखंड)

32. रुधिर वाहिनियों को सिकुड़ने के लिए 'सेरोटोनिन' नामक प्रोटीन का स्रावण ऊतक की कौन सी कोशिकाएं करती हैं?
अ. फाइब्रोब्लास्ट ब. प्लाज्मा
स. हिस्टोसाइट्स द. मास्ट
उत्तर- द. मास्ट कोशिकएं

33. प्रकाश संश्लेषण की 'रासायनिक प्रकाशहीन क्रिया' क्लोरोफिल के किस भाग में सम्पन्न होती है?
अ. ग्रेना
ब. स्ट्रोमा
स. दोनों (अ) एवं (ब)
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. स्ट्रोमा में

34. मानव शरीर में पेलाग्रा नामक बीमारी किस विटामिन की कमी के कारण होती है?
अ. विटामिन B_1
ब. विटामिन B_3
स. विटामिन D
द. विटामिन K
उत्तर- ब. विटामिन B_3

35. प्रोटीन के संदर्भ में निम्न में से कौन सा कथन असत्य है?
अ. यह DNA और RNA का घटक होता है।
ब. प्रोटीन हार्मोन के संश्लेषण में भाग लेता है।
स. एन्टीबॉडीज के रूप में शरीर की सुरक्षा करता है।
द. मेटाबोलिक प्रक्रियाओं में एन्जाइम का कार्य करता है।
उत्तर- अ. यह DNA और RNA का घटक होता है।

36. वृक्क की भीतरी अवतल सतह क्या कहलाती है?
अ. हाइलम
ब. पेरिटोनियम
स. ग्लोमेरूलस
द. अरेकनॉइड
उत्तर- अ. हाइलम

37. मानव मस्तिष्क का कौन सा भाग अधिक या कम ताप के आभास तथा दर्द जैसी क्रियाओं का नियंत्रण करता है?
अ. सेरीबेलम
ब. कार्पोराक्वाड्रीसेमीन
स. डाइएनसेफलॉन
द. सेरेब्रम
उत्तर- स. डाइएनसेफलॉन

38. शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने की अवस्था में वृक्क के द्वारा कौन सा हार्मोन स्रावित किया जाता है?
अ. एरिथ्रोपोइटिन
ब. एड्रिनोकॉर्टिको ट्रापिक
स. पाइटोसिन
द. वेसोप्रेसिन
उत्तर- अ. एरिथ्रोपोइटिन

39. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है?
अम्ल - स्रोत
अ. आक्जैलिक - नारंगी
ब. टार्टरिक अम्ल - इमली
स. फॉर्मिक अम्ल - चीटियां
द. लैक्टिक अम्ल - दही
उत्तर- अ. आक्जैलिक - नारंगी

40. मार्श गैस का रासायनिक सूत्र क्या है?
अ. $CO+N_2$
ब. CH_4
स. Hg^s
द. $COCl_2$
उत्तर- ब. CH_4

41. रसायन विज्ञान के अंतर्गत 'अधिकतम बहुलता सिद्धांत' किसके द्वारा दिया गया था?
अ. ऑफबाऊ
ब. हुण्ड
स. डी. ब्रोग्ली
द. मैक्स प्लांक
उत्तर- ब. हुण्ड

42. निम्न में से सल्फर के किस यौगिक को 'कसीस का तेल' (Oil of Vitriol) भी कहा जाता है?
अ. सल्फर डाईऑक्साइड
ब. सल्फर ट्राईऑक्साइड
स. ओलियम
द. सल्फ्यूरिक अम्ल
उत्तर- द. सल्फ्यूरिक अम्ल

43. निम्न में से किस बेगम के द्वारा भोपाल में मोती महल और मोती मस्जिद का निर्माण करवाया था?
अ. गौहर बेगम
ब. सुल्तान जहां बेगम
स. बेगम साजिदा
द. सिकंदर जहां बेगम
उत्तर- द. सिकंदर जहां बेगम

44. निम्न में से किस यूनिवर्सिटी को दुनिया की पहली 'लिविंग हेरिटेज यूनिवर्सिटी' का दर्जा मिला है?
अ. विश्व भारती यूनिवर्सिटी
ब. नालंदा विश्वविद्यालय
स. तक्षशिला विश्वविद्यालय
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. विश्व भारती यूनिवर्सिटी

45. निम्न में से किसके द्वारा दो या दो से अधिक राज्यों के लिए संयुक्त लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति की जाती है?
अ. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष द्वारा
ब. राष्ट्रपति द्वारा
स. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
द. प्रधानमंत्री द्वारा
उत्तर- ब. राष्ट्रपति द्वारा

46. नदी जोड़ो परियोजना के तहत केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए बजट 2022-23 में लगभग कितनी राशि की मंजूरी मिली है?
अ. 44 हजार करोड़
ब. 45 हजार करोड़
स. 46 हजार करोड़
द. 55 हजार करोड़
उत्तर- अ. 44 हजार करोड़

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं)

माता सुंदरी महिला महाविद्यालय

पद का नाम - OMSP प्रशिक्षक, प्राचार्य के वरिष्ठ पीए, जेएसीटी
पदों की संख्या - 04
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.mscw.ac.in

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय

पद का नाम - विभिन्न विभागों में प्रोफेसर, सह प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर
पदों की संख्या - 41
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 23 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.cup.edu.in

सीएसआईआर - हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान

पद का नाम - कनिष्ठ सचिवालय सहायक (सामान्य, वित्त एवं लेखा, भंडार एवं क्रय), कनिष्ठ आशुलिपिक
पदों की संख्या - 14
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.ihbt.res.in

प्रतिभूति कागज कारखाना, नर्मदापुरम

पद का नाम - कल्याण अधिकारी, पर्यवेक्षक (विद्युत, उत्पादन/लैब, भंडार), कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, सचिवीय सहायक
पदों की संख्या - 09
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 29 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - http://spmnarmada-puram.spmcil.com

कलाक्षेत्र फाउंडेशन

पद का नाम - लेखापाल
पदों की संख्या - 01
योग्यता - बीकॉम या समकक्ष, अकाउंट राइटिंग में 4 वर्ष का अनुभव
अंतिम तिथि - 30 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.kalakshetra.in-links-others-vacancies

आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधक, प्रोडक्शन इंजीनियर, योजना अभियंता, क्वालिटी इंजीनियर और अन्य पद
पदों की संख्या - 21
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.avnl.co.in

एडमिशन अलर्ट

भारतीय थल सेना

पाठ्यक्रम का नाम - तकनीकी स्नातक कोर्स (टी जी सी – 139)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 26 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.joinindianarmy.nic.in

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - स्नातकोत्तर प्रबंधन डिप्लोमा (कृषि व्यवसाय प्रबंधन)
योग्यता - कृषि एवं संबद्ध विज्ञान में स्नातक, न्यूनतम 50% अंक (एससी, एसटी और पीडब्लूडी के लिए 45%), CAT 2023 का मान्य स्कोर
अंतिम तिथि - 31 दिसंबर 2023
वेबसाइट - www.manage.gov.in

एमएसएमई टूल रूम, हैदराबाद

पाठ्यक्रम का नाम - कैड/कैम, सिविल इंडीनियरी, ईएसडीएम, स्वचलन एवं उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकी के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - बैच के किसी प्रारंभिक दिन पंजीयन कर सकते हैं (प्रत्येक माह के पहले और तीसरे बुधवार को बैच शुरू होंगे)
वेबसाइट - www.citdindia.org

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

पाठ्यक्रम का नाम - दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन कार्यक्रमों में प्रवेश
योग्यता - ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन
रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया - 20 अक्टूबर तक स्वीकार
वेबसाइट - www.ugc.ac.in

दिल्ली यूनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम का नाम - यूजी प्रोग्राम
योग्यता - सीयूईटी यूजी 2023 के स्कोर से प्रवेश
रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया - 20 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन
वेबसाइट - admission.uod.ac.in

स्कॉलरशिप

इन्फोसेप्ट्स इनोवेट फॉर इम्पैक्ट स्कॉलरशिप

संस्था का नाम - स्कॉलरशिप इन्फोसेप्ट्स फाउंडेशन
किसके लिये - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स जैसे प्रोग्राम की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिये।
योग्यता - 10वीं और 12वीं कक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक और वार्षिक पारिवारिक आय 6 लाख रुपये से अधिक न हो।
क्या मिलेगा - चयनित अभ्यर्थियों को तीन वर्षों में 50 हजार रुपये की सहायता मिलेगी।
अंतिम तारीख - 22 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - https://tinyurl.com/Info-cepts-Innovate

एलटीआईमाइंडट्री फाउंडेशन

संस्था का नाम - लार्सन एंड टुब्रो इन्फोटेक लिमिटेड
किसके लिये - बीसीए, बीटेक, बीसीएस और बीएससी जैसे प्रोग्राम्स में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिये।
योग्यता - 10वीं और 12वीं में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक। परिवार की वार्षिक आय 6 रुपये से अधिक न हो।
क्या मिलेगा - चयनित अभ्यर्थियों को 20 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप।
अंतिम तारीख - 5 नवंबर 2023
वेबसाइट - https://tinyurl.com/LT-Mindtree-Samruddha

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

24 अक्टूबर | **संयुक्त राष्ट्र दिवस**

वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रचार शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने में मिली सफलता

संयुक्त राष्ट्र दिवस हर वर्ष 24 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिन 24 अक्टूबर 1945 को अंतर्राष्ट्रीय संगठन के निर्माण की याद दिलाता है। संयुक्त राष्ट्र सभा ने संघर्ष विराम और अहिंसा का पालन करके शांति को मजबूत करने के लिए इस दिन को समर्पित किया है। प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक शांति को स्थापित करने के उद्देश्य से लिए 78 वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी। अपनी स्थापना के दिन से संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक स्तर, लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रचार करते हुए शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। जब वैश्विक महामारी के कारण संपूर्ण विश्व में सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणाम सामने आ रहे थे ऐसे में पुनः विश्व को पुनरुद्धार के रास्ते पर लाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की यह महत्वपूर्ण भूमिका है।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का उदेश्य

संयुक्त राष्ट्र का मूल उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों को रोकना और राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करना है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले विवादों के पीछे अक्सर सामाजिक और आर्थिक कारण होते थे। इसलिए संयुक्त राष्ट्र का काम पूरे विश्व को एक साथ लाकर सामाजिक और आर्थिक विकास पर जोर देना है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग

- संयुक्त राष्ट्र महासभा
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्
- आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्
- संयुक्त राष्ट्र सचिवालय
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय
- संयुक्त राष्ट्र न्यास परिषद्

संयुक्त राष्ट्र के कुछ महत्वपूर्ण संगठन

- युद्ध और शांति वार्ता - सुरक्षा परिषद्
- स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं - विश्व स्वास्थ्य संगठन
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग
- संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग
- संयुक्त राष्ट्र बाल कोष
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन

संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियां

- **शांति और सुरक्षा में :** संयुक्त राष्ट्र ने अपने शांति मिशन के द्वारा विश्व में शांति सुनिश्चित करवाने के साथ-साथ हथियारों की प्रतिस्पर्धा पर भी लगाम लगाने में सफलता हासिल की है।
- **आर्थिक विकास में :** संयुक्त राष्ट्र ने अपनी एजेंसियों यूएनडीपी, विश्व बैंक, यूनिसेफ इत्यादि के जरिए विश्व में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए कई देशों में गरीबी उन्मूलन की दिशा में भी वांछित सफलता हासिल की है। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं और बच्चों के विकास हेतु काफी कार्य किए हैं। उल्लेखनीय है कि मिलेनियम डेवलपमेंट गोल और सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स इस दिशा में संयुक्त राष्ट्र की एक अभिनव पहल हैं।
- **सामाजिक विकास में :** संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूनेस्को के माध्यम से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, स्थापत्य और प्राकृतिक धरोहरों का संरक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र ने समकालीन वैश्विक मुद्दों जैसे महिला अधिकारों, जनसंख्या वृद्धि और मानवाधिकार में भी काफी सकारात्मक कार्य किया है।
- **मानव अधिकारों के संरक्षण में :** संयुक्त राष्ट्र के द्वारा मानवाधिकार पर सार्वभौमिक घोषणा पत्र 1948 को अपनाया गया। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा मानव अधिकार की सुरक्षा के साथ-साथ विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ महिला अधिकारों एवं नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन हेतु उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।
- **पर्यावरण संरक्षण :** संयुक्त राष्ट्र के द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्व मौसम संगठन और आईपीसीसी के साथ उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। इसके कुछ उदाहरण हैं पृथ्वी सम्मेलन, ओजोन संरक्षण के लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल, टॉक्सिक केमिकल के लिए स्टॉकहोम कन्वेंशन, सतत विकास लक्ष्य इत्यादि शामिल हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रवर्तन में :** संयुक्त राष्ट्र के द्वारा कई ऐसे कानून लागू किए गए हैं जिससे शांति, पर्यावरण संरक्षण और आपसी मतभेद में अंतर्राष्ट्रीय एकरूपता सुनिश्चित हो। इसमें शामिल हैं- नरसंहार समेत युद्ध अपराधों के लिए इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट, इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस, समुद्री कानूनों पर यूएन कन्वेंशन, आदि।
- **मानवीय मामले :** संयुक्त राष्ट्र ने गृह युद्ध, युद्ध नरसंहार इत्यादि कारकों से विस्थापित शरणार्थियों के लिए यूएन हाई कमीशनर फॉर रिफ्यूजी के नेतृत्व में काफी उल्लेखनीय कार्य किए हैं जिससे शरणार्थियों की सुरक्षा, पुनर्वास इत्यादि हेतु उचित कदम उठाया जा सके। इसके साथ ही विश्व मौसम संगठन के साथ संयुक्त राष्ट्र ने आपदाओं के कारण तथा विस्थापन के न्यूनीकरण हेतु काफी कदम उठाए हैं।
- **स्वास्थ्य :** संयुक्त राष्ट्र विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम से कई बीमारियों के उन्मूलन में काफी तत्परता से प्रयास कर रहा है। इसमें एचआईवी एड्स, पोलियो, चिकन पॉक्स, रिवर ब्लाइंडनेस, गुयाना वार्म डिसीज, स्लीपिंग सिकनेस, इबोला, एवियन इनफ्लुएंजा और इन्फ्लुएंजा इत्यादि शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के समक्ष वर्तमान चुनौतियां और सुधार

- **निर्णय प्रक्रिया :** संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किये जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते हैं जो महासभा के लिए सबसे बड़ी कमजोरी है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के कार्य और दायित्व अस्पष्ट हैं, जो कहीं ना कहीं नीति निर्माण को प्रभावित करते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव से अपेक्षा होती है कि वह निष्पक्ष होकर काम करे लेकिन संयुक्त राष्ट्र व्यापक रूप से सदस्य देशों से होने वाली फंडिंग पर निर्भर करता है जिससे निष्पक्षता बाधित होती है। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के कार्य और दायित्व पुनः परिभाषित करते हुए किसी देश विशेष के प्रति लिए गए निर्णय की अंतिम स्वीकृति महासभा में ही वोटिंग के आधार पर तय की जाए और महासभा के निर्णय को ही अंतिम माना जाए। वीटो की शक्ति पर यथासंभव प्रतिबन्ध लगाया जाये जिसका प्राय: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों द्वारा दुरूपयोग किया जा सकता है।
- **प्रशासनिक एवं वित्त :** वर्तमान समय में संयुक्त राष्ट्र के कार्य में दोहराव, जवाबदेही एवं संसाधनों का अपव्यय के साथ संयुक्त राष्ट्र को होने वाली फंडिंग भी सीमित है या यह समय पर उपलब्ध नहीं होती। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति एवं वैश्विक बदलाव के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र को ना केवल सशक्त करना होगा बल्कि इसकी फंडिंग हेतु विभिन्न स्रोतों की तलाश करनी होगी। इसके साथ ही इस संगठन से जुड़े अधिकारियों की शक्तियों और अधिकारों में वृद्धि करनी होगी।
- **शांति और सुरक्षा :** वैश्विक शांति और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र के समक्ष गरीबी और भुखमरी, महामारी, जलवायु परिवर्तन, राज्यों के बीच संघर्ष, गृहयुद्ध, आतंकवाद, मानव हथियार और ड्रग्स की तस्करी, परमाणु अस्त्रों का प्रसार इत्यादि चुनौतियां शामिल हैं। इन सबके लिए संयुक्त राष्ट्र को एक समन्वित नीति अपनानी होगी एवं समस्त हित धारकों को एक मंच पर लाना होगा। इसके लिए जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, मानव हथियार और ड्रग्स की तस्करी, परमाणु अस्त्रों इत्यादि के लिए एक कठोर नीति अपनाये जाने की जरूरत है।
- **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार :** वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समय के अनुरूप बदलाव न होना एवं इसकी सीमित सदस्य संख्या, वीटो पावर का दुरुपयोग इत्यादि मुद्दे संयुक्त राष्ट्र के लोकतांत्रिक स्वरूप पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। इन सब मुद्दों के लिए संयुक्त राष्ट्र में भारत समेत जी4 सदस्यों समेत, एल69 और अफ्रीकी समूह की मांग को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा परिषद में अपेक्षित सुधार करते हुए वीटो की शक्ति के दुरुपयोग पर अंकुश लगाना चाहिए।
- **गैर पारंपरिक चुनौतियां :** अपनी स्थापना से ही संयुक्त राष्ट्र शांति, सुरक्षा, मानवाधिकार, समानता आर्थिक समृद्धि एवं परस्पर समन्वय की दिशा में काम कर रहा है लेकिन कई वैश्विक चुनौतियां अब इस संगठन के सम्मुख खड़ी हैं। इन चुनौतियों में जलवायु परिवर्तन, बढ़ती जनसंख्या, शरणार्थी संकट इत्यादि शामिल हैं। इन चुनौतियों की प्रकृति विश्वव्यापी है अतः संयुक्त राष्ट्र को इनसे जुड़े ठोस कदम उठाते हुए सभी देशों को मंच पर लाने की जिम्मेदारी है जिससे इन चुनौतियों का समाधान किया जा सके।

- हितेश शर्मा
(लेखक, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करते हैं।)

खेल चर्चा

छह देशों में खेला जायेगा फुटबॉल विश्वकप-2030

म्युनिख, फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा ने वर्ष 2030 में आयोजित होने वाले फीफा विश्वकप की घोषणा कर दी है। फीफा ने कहा कि फीफा विश्वकप-2030 का आयोजन तीन महाद्वीपों के छह देशों में किया जायेगा। इस विश्वकप की मेजबानी स्पेन, मोरक्को और पुर्तगाल को सौंपी गई है, जबकि अर्जेंटीना, उरुग्वे और पराग्वे उद्घाटन मैच की मेजबानी करेंगे।

ईगा स्वितेक ने जीता चाइना ओपन का खिताब

बीजिंग, विश्व की नंबर दो महिला टेनिस खिलाड़ी ईगा स्वितेक ने चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में स्वितेक ने रूस की ल्यूडमिला सेमसोनोव को आसान मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराया। फाइनल मुकाबले में स्वितेक के सामने रूसी खिलाड़ी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई।

आईसीसी वन-डे विश्वकप

ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान को हराकर भारत की विजयी शुरुआत

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप में जीत के साथ शुरुआत की है। विश्वकप में अपने पहले मैच में भारत ने पांच बार के विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया, वहीं दूसरे मैच में भारत ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से हराया। मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतकीय पारी खेली।

मैच में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। 63 रन पर 3 विकेट गवां चुकी अफगान टीम को कप्तान हशमतुल्ला शाहिदी (80) ने संभाला और अजमतुल्ला ओमरजई (62) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी बिखर गई और टीम 50 ओवरों में 272 रन ही बना सकी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा और ईशान किशन ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने अफगानी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और पहले विकेट के लिए 18.4 ओवरों में 156 रनों की साझेदारी की। रोहित ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 63 गेंदों में शतक पूरा किया। रोहित ने 131 रनों की पारी के दौरान 16 चौके और 5 छक्के लगाए। रोहित के अलावा ईशान ने 47 रन बनाये वहीं विराट कोहली ने नाबाद 55 और श्रेयस अय्यर ने नाबाद 25 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई।

- रोहित वन-डे विश्वकप में सबसे ज्यादा 7 शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने।
- रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 556 छक्के लगाए हैं।
- रोहित वन-डे विश्वकप में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं।
- रोहित के वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 31 शतक हो गए हैं, अब वे सचिन (49) और कोहली (47) से पीछे हैं।

आयुष ने जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में जीता कांस्य

वाशिंगटन, भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने अमेरिका में आयोजित विश्व जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता है। आयुष ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन फाइनल में उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान के हाथों हार का सामना करना पड़ा। फाइनल मैच में आयुष ने अल्वी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 18-21, 15-21 से मैच हार गए। विश्व जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले 10वें भारतीय शटलर हैं।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती कतर ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस

लुसैल, नीदरलैंड्स के दिग्गज कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने कतर ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस में जीत दर्ज की है। वर्स्टापेन ने 57 लैप की इस रेस को एक घंटा 27 मिनट 39 सेकेंड में पूरा किया। रेस में ऑस्कर पिस्त्री दूसरे, लैंडो नॉरिस तीसरे, जॉर्ज रसेल चौथे तथा चार्ल्स लेकलर्क पांचवें स्थान पर रहे। वर्स्टापेन ने इस सत्र में अब तक आयोजित हुई 17 में से 14 रेस जीती हैं। वर्स्टापेन अभी ड्राइवर स्टैंडिंग में 433 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे हैं। फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप के मौजूदा सत्र में अभी 5 रेस बाकी हैं, लेकिन इससे पहले ही वर्स्टापेन का तीसरी बार फॉर्मूला-वन खिताब जीतना तय हो गया है।

एशियन गेम्स में कबड्डी के दोनों वर्गों में भारत ने जीते स्वर्ण पदक

हांगझोऊ, एशियन गेम्स में कबड्डी खेल में एक बार फिर भारत का दबदबा दिखा। भारत की पुरुष और महिला कबड्डी टीम ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। पुरुष वर्ग में भारत ने ईरान को 33-29 से हराया, वहीं महिला वर्ग में चीनी ताइपे को 26-25 से हराकर भारतीय महिला टीम चैम्पियन बनी।

भारत और ईरान के बीच खेला गया पुरुष वर्ग का फाइनल मैच विवादास्पद रहा और मैच के आखिरी मिनटों में अंक को लेकर दोनों टीमों में विवाद हुआ। मैच के अंतिम क्षणों में दोनों टीमों का स्कोर 28-28 था, तब भारतीय टीम के कप्तान पवन सहरावत डू और डाई रेड के लिए उतरे। रेड के दौरान सहरावत किसी भी खिलाड़ी को छुए बिना लॉबी (सीमा से बाहर) चले गए। इस दौरान ईरान के चार डिफेंडरों ने उन्हें धकेलने की कोशिश की, जिसके बाद अंक को लेकर विवाद हो गया।

मैच अधिकारियों ने विचार-विमर्श के बाद पुराने नियम के अनुसार सहरावत और ईरानी डिफेंडरों को आउट माना गया और भारत को 4 और ईरान को एक अंक मिला। इसके बाद ईरान के खिलाड़ी कोर्ट पर ही विरोध करते हुए बैठ गए। दोनों पक्षों के बीच विचार-विमर्श के बाद भारत के पक्ष में फैसला सुनाया गया। इसके बाद भारतीय टीम ने 33-29 के अंतर से मैच जीता।

- भारत ने कबड्डी खेल के पुरुष वर्ग में दूसरी बार जीता है स्वर्ण पदक।
- वर्ष 2010 में महिला कबड्डी को एशियन गेम्स में जगह मिली।
- इसके बाद भारत ने तीसरी बार महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है।

एडेन हजार्ड ने फुटबॉल से लिया संन्यास

ब्रुसेल्स, बेल्जियम के दिग्गज फुटबॉलर एडेन हजार्ड ने पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की है। हजार्ड ने कहा कि मैं 16 वर्ष लंबे कॅरियर में 700 से अधिक मैच खेलने के बाद संन्यास ले रहा हूं। हजार्ड ने बेल्जियम के लिए 126 मैच खेले हैं, इन मैचों में हजार्ड ने 33 गोल किए हैं। हजार्ड ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच वर्ष 2022 में फीफा विश्वकप के दौरान क्रोएशिया के खिलाफ खेला था। विश्वकप में बेल्जियम की टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी जिसके बाद हजार्ड ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह दिया था। इसके बाद हजार्ड क्लब फुटबॉल में रियल मैड्रिड के लिए खेल रहे थे। रियल मैड्रिड के साथ हजार्ड का अनुबंध जून 2023 में समाप्त हो गया था। इसके बाद से ही हजार्ड फुटबॉल के मैदान से दूर थे।

भारतीय हॉकी टीम ने हासिल किया पेरिस ओलिंपिक का टिकट

हांगझोऊ, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया है। भारतीय टीम ने स्पर्धा के फाइनल में पिछले बार की एशियन चैम्पियन जापान को 5-1 से करारी मात दी। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने वर्ष 2024 में पेरिस में आयोजित होने वाले ओलिंपिक खेलों के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

भारत की जीत में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अहम भूमिका निभाई। फाइनल मैच में भारतीय टीम ने शुरुआत से आक्रामक खेल दिखाया। मैच का पहला क्वार्टर गोल रहित रहा, लेकिन दूसरे क्वार्टर के 25वें मिनट में अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने बेहतरीन गोल कर भारत को पहली सफलता दिलाई। तीसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार खेल से जापानी टीम दबाव में आ गई। तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह ने 32वें मिनट और अमित रोहिदास ने 36वें मिनट में गोल कर भारत को 3-0 से आगे कर दिया। मैच के चौथे और अंतिम क्वार्टर में अभिषेक और हरमनप्रीत ने गोल कर भारत की जीत तय कर दी।

- भारत ने चौथी बार एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है।
- इससे पहले भारत ने वर्ष 1966, 1998 और 2014 में भी पुरुष हॉकी वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है।

एशियन गेम्स

भारत ने पहली बार बनाया पदकों का शतक

हांगझोऊ, भारतीय खिलाड़ियों ने चीन में आयोजित एशियन गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पदकों का शतक बनाया है। भारत ने 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य सहित कुल 107 पदकों के साथ एशियन गेम्स में अपना अभियान समाप्त किया, जो भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पदक तालिका में चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत चौथे स्थान पर रहा। समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक पुरुष हॉकी टीम के सीनियर खिलाड़ी और गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश बने।

पदकों का आंकड़ा 100 पार

एशियन गेम्स की शुरुआत में भारतीय दल ने 100 पदक जीतने का लक्ष्य रखा था, लेकिन खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने यह लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। भारत ने पिछले एशियन गेम्स की तुलना में 37 पदक अधिक जीते हैं। इस बार एशियन गेम्स में भारत 22 खेलों में पदक जीतने में कामयाब रहा, वहीं रोलर स्केटिंग, गोल्फ और घुड़सवारी सहित 16 स्पर्धाओं में भारत ने पहली बार पदक जीते हैं। भारत को सबसे ज्यादा 29 पदक एथेलेटिक्स में मिले, लेकिन सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक निशानेबाजी में आये। भारत ने निशानेबाजी में 7 स्वर्ण पदक जीते हैं।

- 19वें एशियन गेम्स में 45 देशों के 12 हजार से अधिक एथलीटों ने 40 खेलों में हिस्सा लिया।
- वर्ष 2026 में जापान के नागोया में आयोजित होंगे एशियन गेम्स।
- एशियन गेम्स में भारत ने पहली बार 100 से ज्यादा पदक जीते हैं।
- निशानेबाजी और तीरंदाजी में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन रहा उम्मीद से बेहतर।
- इससे पहले भारत ने जकार्ता एशियन गेम्स में 70 पदक जीते थे।
- एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 4 पदक जीते वहीं ज्योति वेन्नाम और ओजस देवताले ने 3-3 स्वर्ण पदक जीते हैं।

चीन का रहा दबदबा

एशियन गेम्स में हमेशा की तरह इस बार भी चीन के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। चीन ने एशियन गेम्स में 201 स्वर्ण, 111 रजत और 71 कांस्य सहित कुल 383 पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। पदक तालिका में जापान (52 स्वर्ण, 67 रजत और 69 कांस्य) दूसरे तथा दक्षिण कोरिया (42 स्वर्ण, 59 रजत और 89 कांस्य) तीसरे स्थान पर रहा। पदक तालिका में उज्बेकिस्तान पांचवें, चीनी ताइपे छठवें, ईरान सातवें, थाइलैंड आंठवें, बहरीन नौवें और उत्तर कोरिया दसवें स्थान पर रहे।

सात्विक और चिराग ने बैडमिंटन में दिलाया ऐतिहासिक स्वर्ण पदक

हांगझोऊ, भारत के अनुभवी खिलाड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने एशियन गेम्स में इतिहास रच दिया है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने भारत को एशियन गेम्स में पहली बार बैडमिंटन खेल में स्वर्ण पदक दिलाया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने बैडमिंटन में पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में दक्षिण कोरिया के चोई सोलग्यू और किम वोन्हो की जोड़ी को सीधे गेमों में 21-18, 21-16 से हराया। मैच के पहले गेम में दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए 18-15 की बढ़त बनाई, लेकिन सात्विक और चिराग की जोड़ी ने बेहतरीन पलटवार किया और लगातार अंक अर्जित कर पहला गेम 21-18 से अपने नाम किया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने दूसरे गेम में भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा और 11-7 की बढ़त बना ली। इसके बाद कोरियाई जोड़ी ने वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन भारतीय जोड़ी उन्हें रोकने में सफल रही। भारतीय जोड़ी ने यह गेम 21-16 से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सात्विक और चिराग की जोड़ी युगल रैंकिंग में पहले नंबर पर आ गयी है।

- भारत ने 41 वर्ष बाद बैडमिंटन में पुरुष युगल वर्ग में पदक जीता है।
- इससे पहले वर्ष 1982 में लेरॉय डिसूजा और प्रदीप गंधे की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

विमान में बम होने की सूचना देने से दहशत

सिंगापुर से ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरने वाले विमान में सवार 30 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई युवक को बम की झूठी सूचना देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। सिंगापुर पुलिस ने कहा है कि विमान संख्या टीआर 16 ने शाम 4.11 बजे उड़ान भरी। कुछ देर बाद 4.55 बजे उन्हें बम की धमकी की सूचना मिली। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके बाद विमान को वापस सिंगापुर लाया गया। यह विमान करीब 6.26 बजे चांगी हवाई अड्डे पर सुरक्षित पहुंचा। इसके बाद 30 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई नागरिक पर आपराधिक धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पेरिस, सैन फ्रांसिस्को और नई दिल्ली से सिंगापुर आने वाली कई उड़ानों को इंडोनेशिया के पड़ोसी रियाउ द्वीप समूह पर रोक दिया गया।

KPMG पर 216 करोड़ का जुर्माना

ब्रिटेन के लेखा नियामक ने केपीएमजी पर कैरिलियन की ऑडिट में बुरी तरह नाकाम रहने पर रिकॉर्ड 216 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। जनवरी 2018 में अस्पतालों और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़ी कैरिलियन और इसकी खुदरा यूनिट बीएचएस के तबाह होने के बाद ऑडिटिंग बाजारों और मानकों की तीन सरकार समर्थित समीक्षाएं हुईं। फाइनेंशियल रिपोर्टिंग काउंसिल (एफआरसी) के मुताबिक, कैरिलियन के ऑडिट में कमियों की संख्या, सीमा और गंभीरता असाधारण थी, जिसकी वजह से केपीएमजी पर अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया गया है।

गीतांजलि राव सम्मानित

भारतीय अमेरिकी आविष्कारक गीतांजलि राव को देश भर में अपने समुदायों में बदलाव का नेतृत्व करने और एक उज्ज्वल भविष्य को आकार देने के प्रयास के लिए अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडेन ने सम्मानित किया है। उनके साथ 14 अन्य युवा महिला नेताओं को भी सम्मानित किया गया है। 17 वर्षीय वैज्ञानिक को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर व्हाइट हाउस में आयोजित 'गर्ल्स लीडिंग चेंज' समारोह में सम्मानित किया गया था।

जिम को बनाया प्रतिनिधि सभा अध्यक्ष का उम्मीदवार

अमेरिका की सबसे पुरानी पार्टी रिपब्लिकन ने प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष पद के लिए फायरब्रांड नेता जिम जॉर्डन को उम्मीदवार बनाया है। रिपब्लिकन के आंतरिक मतदान में जॉर्डन के नाम पर अंतिम सहमति बनी। जॉर्डन को ट्रंप का कट्टर समर्थक माना जाता है। वहीं, पूर्व अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी का कहना है कि जॉर्डन बहुत अच्छा काम करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिम जॉर्डन को नामित करने के फैसले का स्वागत किया है। जॉर्डन और ट्रंप के बीच काफी मजबूत रिश्ते हैं। जॉर्डन के कारण ट्रंप को चुनावी धोखाधड़ी सहित चार अलग-अलग मामलों में राहत मिल सकती है।

(स्रोत: समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

द्विपक्षीय वार्ता

भारत और तंजानिया के बीच आगामी पांच साल के समन्वय का रोडमैप तैयार

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के साथ बैठक में चर्चा करते हुए तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के निमंत्रण पर तंजानिया की राष्ट्रपति महामहिम सामिया सुलुहू हसन 8 से 10 अक्टूबर 2023 तक भारत की राजकीय यात्रा पर पहुंची।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से दोनों देशों ने रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने की घोषणा की। इसके साथ ही रणनीतिक साझेदारी से दोनों देशों को समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, विकास साझेदारी, व्यापार और निवेश जैसे कई क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करने में मदद मिलेगी। इस यात्रा के दौरान कई क्षेत्रों को लेकर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

राजनीतिक संबंध - दोनों देशों ने वैश्विक मामलों में हिंद-प्रशांत के लिए दृष्टिकोण और हिंद-प्रशांत पर हिंद महासागर रिम एसोसिएशन के विजन के क्रियान्वयन पर चर्चा की। इस बात का जिक्र किया कि भारत और तंजानिया समुद्री पड़ोसी हैं जिनके बीच व्यापार और लोगों के बीच संबंधों का लंबा इतिहास है।

रक्षा सहयोग - दोनों देशों ने 28 और 29 जून 2023 को अरुषा में आयोजित दूसरी संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की सफल बैठक को लेकर संतोष व्यक्त किया। इसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के लिए पांच साल का रोडमैप तैयार हुआ। अगस्त 2022 और फरवरी 2023 में तंजानिया के रक्षा मंत्रियों ने रक्षा सहयोग का विस्तार करने पर सहमति दी।

समुद्री सुरक्षा - हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। उन्होंने जुलाई 2023 में आयोजित भारत-तंजानिया संयुक्त विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) निगरानी अभ्यास पर संतोष व्यक्त किया, तब भारतीय नौसेना का जहाज त्रिशूल जंजीबार पहुंचा था।

नीली अर्थव्यवस्था - तंजानिया ने पर्यटन, समुद्री व्यापार, सेवाओं और बुनियादी ढांचे, समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान, समुद्री खनन की क्षमता, महासागर संरक्षण, समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा सहित नीली अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत सरकार के साथ सहयोग करने में रुचि जाहिर की।

शिक्षा और कौशल विकास

भारत ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और डिजिटल यूनिक आइडेंटिटी (आधार) सहित इंडिया स्टैक के तहत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में सहयोग की पेशकश की। तंजानियाई पक्ष ने पेम्बा, जंजीबार में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वीटीसी) स्थापित करने और स्थानीय बाजार की मांग के आधार पर पाठ्यक्रम डिजाइन करने के लिए भारत के सहयोग का स्वागत किया।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान

दोनों देशों के बीच लोगों का लोगों से मजबूत संपर्क, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शैक्षणिक संबंध और पर्यटन के महत्व को भी रेखांकित किया गया। तंजानिया में बड़ी संख्या में रहने वाले भारतीय प्रवासियों के योगदान की सराहना की, जिन्होंने दोनों देशों के बीच एक पुल का काम किया है, साथ ही तंजानिया की अर्थव्यवस्था और समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही भारत ने तंजानिया को फरवरी 2024 में एनसीआर के सूरजकुंड (फरीदाबाद) में होने वाले सूरजकुंड मेले में पार्टनर देश बनने का निमंत्रण दिया।

चीन बना रहा परमाणु पनडुब्बी

एशिया अब ताकत का केंद्र बन चुका है। यही वजह है कि एशिया में हथियारों की होड़ लगी हुई है। अब इस हथियारों की होड़ में चीन के नए पैंतरे ने दुनिया की परेशानी बढ़ा दी है। दरअसल चीन एक बेहद खतरनाक परमाणु पनडुब्बी का विकास कर रहा है। इस पनडुब्बी की खासियत यह है कि यह बेहद शांत रहकर समुद्र में गश्त करने में सक्षम होगी, जिसके चलते इसका पता लगा पाना बेहद मुश्किल होगा। अनुमान है कि इस दशक के अंत तक चीन इस नई परमाणु पनडुब्बी का निर्माण पूरा कर लेगा।

अमेरिका-जापान-भारत की बढ़ी परेशानी : रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि चीन 096 टाइप की बैलेस्टिक मिसाइलों का निर्माण कर रहा है। इन परमाणु पनडुब्बियों में रूसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे ये समुद्र में संचालन के दौरान बेहद कम आवाज करेगी और इसे ट्रैक कर पाना अमेरिका सहित अन्य सहयोगी देशों के लिए बेहद मुश्किल होगा। ज्ञात रहे की इसी वर्ष मई में यूएस नेवल वॉर कॉलेज में आयोजित हुए सम्मेलन में इस पर चर्चा हुई और चीन के मेरीटाइम स्टडीज इंस्टीट्यूट ने अगस्त में प्रकाशित एक लेख में नई परमाणु पनडुब्बी की खासियतों के बारे में जानकारी दी है। अभी चीन की परमाणु पनडुब्बियां परमाणु हमला करने की पूरी ताकत के साथ दक्षिण चीन सागर और हिंद प्रशांत महासागर में गश्त करती रहती हैं। अमेरिका और भारत-जापान सहित उसके अन्य सहयोगी देश चीन की परमाणु पनडुब्बियों पर नजर रखते हैं लेकिन 096 पनडुब्बी के के बाद इन देशों की चुनौती कई गुना बढ़ेगी।

आतंकी हमला

हमास के अटैक के बाद इजरायल का गाजा पट्टी के 653 ठिकानों पर हमला

इस्लामी आतंकी संगठन हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर अचानक हमला किया। इसमें अब तक 2 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ों लोग अभी भी बंधक हैं। इजरायल ने इस हमले के बाद अपनी पूरी ताकत युद्ध में झोंक दी और गाजा पर लगातार हवाई हमले कर रहा है। इजरायल की कार्रवाई में अब तक 400 से ज्यादा आतंकी मारे जा चुके हैं। इजरायल लगातार अपना ऑपरेशन चला रहा है। इजरायल ने हमास के गाजा पट्टी इलाके में हवाई अटैक करते हुए कई आतंकियों को मार दिया और गाजा पट्टी पर कब्जे का आदेश दिया। इजरायली सुरक्षा बलों ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि वे अब तक गाजा के 653 ठिकानों पर हमला कर चुके हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने यह युद्ध शुरू नहीं किया है लेकिन इसे खत्म वही करेगा।

क्या है हमास : हमास का पूरा नाम **हरकत अल-मुकावामा अल-इस्लामिया** है। हमास एक आंदोलन और फिलिस्तीनी इलाके के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में से एक है। यह फिलिस्तीनी लड़ाकुओं का ग्रुप है, जो इजरायल द्वारा कब्जाए इलाकों को हासिल करने के लिए जंग लड़ रहा है।

हमास का अब तक का सबसे बड़ा हमला : इजरायल ने गाजा पट्टी इलाके में बिजली, पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं पर रोक लगा दी है। यह हमला वर्ष 1973 में योम किप्पुर युद्ध के बाद इजरायल पर हुआ सबसे बड़ा हमला है।

ऑपरेशन अजय : इजरायल के 18 हजार भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिये भारत सरकार ने ऑपरेशन अजय चलाया। इसमें 447 भारतीयों की इजरायल से वापसी हो चुकी है।

यूक्रेन के खार्किव में रूस का बड़ा हवाई हमला

यूक्रेन में रूस की सेना के हवाई हमले में 51 नागरिकों की जान गई। इनमें एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और शीर्ष अधिकारियों ने माना है कि रूस ने मिसाइलें और रॉकेट दागे।

मलबे में दबे लोग - मीडिया रिपोर्ट्स में खार्किव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव के हवाले से कहा गया है कि खार्किव के कुपयांस्क जिले के होजा गांव में एक कैफे और एक दुकान पर हमला हुआ। विस्फोट के वक्त दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। मलबे में अभी भी बहुत से लोगों के फंसे होने की संभावना है।

भयानक हमला बताया - राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पिछले दिनों सहयोगियों से समर्थन जुटाने के लिए स्पेन में लगभग 50 यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। स्पेन में उन्होंने इस हमले की निंदा की है।

अमेरिका की क्लॉडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

अमेरिका की क्लॉडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल प्राइज मिला है। उन्हें मार्केट में महिलाओं के कामकाज और उनके योगदान को बेहतर तरह से समझाने के लिए ये सम्मान दिया गया है। कमेटी ने लेबर मार्केट में गोल्डिन के रिसर्च को बेहतरीन माना है। उनकी रिसर्च में लेबर मार्केट में महिलाओं के साथ हो रहे पक्षपात और उनकी कमाई को लेकर जानकारी दी गई है।

गोल्डिन ने 200 साल के आंकड़ों को स्टडी कर अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। इसमें उन्होंने ये बताया कि जेंडर का रोजगार और कमाई पर क्या असर पड़ता है।

गोल्डिन के रिसर्च के मुताबिक, मार्केट में महिलाओं के योगदान में सीधी बढ़ोतरी नहीं आई। इसकी जगह ये शुरुआती दौर में घटा और अब बढ़ रहा है।समय के साथ जैसे-जैसे समाज खेती से उद्योग की तरफ बढ़ा, तो मार्केट में शादीशुदा महिलाओं के योगदान में कमी आई। गोल्डिन की स्टडी में ये भी सामने आया कि 20वीं सदी में महिलाओं ने पुरुषों से बेहतर एजुकेशन हासिल की है।

ज्ञात रहे कि अमर्त्य सेन इकलौते ऐसे भारतीय हैं, जिन्हें 1998 में इस सम्मान से नवाजा गया था। उन्हें इकोनॉमिक्स साइंस में वेलफेयर इकोनॉमिक्स और सोशल च्वॉइस थ्योरी में उनके योगदान के लिए नोबेल प्राइज से नवाजा गया था।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।